



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3]

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 18, 1992/पौष 28, 1913

No. 3]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 18, 1992/PAUSA 28, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किये गये सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएँ (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर)
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than
the Ministry of Defence)

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

सूचनाएँ

नई दिल्ली, 12 दिसम्बर, 1991

का.अ. 159.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6
के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती
है कि श्री वी. नागराजन एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को
उक्त नियम नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के
लिए दिया है कि उसे यशवंतपुर (बंगलूर) में व्यवसाय
करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी
प्रकार का आक्षेप इस सूचना प्रकार के चौदह दिन के
भीतर लिखित रूप में भेजे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (126)/91-न्या.]

(289)

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

(Judicial Section)

NOTICES

New Delhi, the 12th December, 1991

S.O. 159.—Notice is hereby given by the Competent
Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956,
that application has been made to the said Authority, under
Rule 4 of the said Rules, by Sh. V. Nagarajan, Advocate for
appointment as a Notary to practise in Yashwanthpur
(Bangalore).

2. Any objection to the appointment of the said person
as a Notary may be submitted in writing to the under-
signed within fourteen days of the publication of this
Notice.

[No. F. 5(126)/91-JudL]

का.अ. 160.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम
6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी

जाती है कि श्री सी.जे. मोतवानी एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए, दिया है कि उसे महाराष्ट्र में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (110)/91-न्या.]

S.O. 160.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by C. J. Motwani, Advocate for appointment as a Notary to practise in Maharashtra State.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(110)/91-Judl.]

नई दिल्ली, 16 दिसम्बर, 1991

का.आ. 161.—नोटरीज, नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री आर.एस. गुप्ता एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे दिल्ली नई दिल्ली व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (130)/91-न्या.]

New Delhi, the 16th December, 1991

S.O. 161.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. R. S. Gupta, Advocate for appointment as a Notary to practise in Delhi-New Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(130)/91-Judl.]

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर 1991

का.आ. 162.—नोटरीज, नियम 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी

जाती है कि श्रीमति कमला तिवारी ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे आगरा व दिल्ली में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (134)/91-न्या.]

New Delhi, the 24th December, 1991

S.O. 162.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Smt. Kamla Tewari, Advocate for appointment as a Notary to practise in Agra & Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(134)/91-Judl.]

का.आ. 163 :—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री बी.एच. शाह ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे महाराष्ट्र राज्य में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (133)/91-न्या.]

S.O. 163.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956, that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. B. H. Shah, Advocate for appointment as a Notary to practise in State of Maharashtra.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(133)/91-Judl.]

नई दिल्ली, 2 जनवरी, 1992

का.आ. 164 :- नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा सूचना दी जाती है कि श्रीमति हेमलता प्रफुल्लचन्द्रा वरोट एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे सेटे-लार्ड रोड ग्रहमबाद (गुफात) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (125) 91-न्या.]

पो.सी. कमल, सजम प्राधिकारी

New Delhi, the 2nd January, 1992

S.O. 164.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956; that application has been made to the said Authority, under

Rule 4 of the said Rules, by Smt. Hemlata Prafulchandra Barot, Advocate for appointment as a Notary to practise in Satellite Road, Ahmedabad (Gujarat).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(125)/91-JudL.]

P. C. KANAN, Competent Authority

गृह मन्त्रालय

(आन्तरिक सुरक्षा विभाग)

(पुनर्वास प्रभाग)

नई दिल्ली, 6 नवम्बर, 1991

का.आ. 165 :—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वास) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा पुनर्वास प्रभाग, आन्तरिक सुरक्षा विभाग, गृह मन्त्रालय में अनुभाग अधिकारी श्री सं. पी. कटवाल को तत्काल प्रभाव से उक्त अधिनियम के द्वारा अथवा उसके अधीन प्रबन्ध अधिकारी को सौंपे गये कार्यों का निष्पादन करने के उद्देश्य से प्रबन्ध अधिकारी नियुक्त करती है।

[सं. 1 (1)/विशेष कक्ष/89-एस.एस.-2/एस]

कुलदीप राय, उप सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Internal Security)

Rehabilitation Division (Settlement)

New Delhi, the 6th November, 1991

S.O. 165.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1951 (44 of 1954), the Central Government hereby appoints Shri C. P. Katyal, Section Officer in the Rehabilitation Division in the Ministry of Home Affairs, Department of Internal Security as Managing Officer for the purpose of performing the functions assigned to a Managing Officer by or under the said Act, with immediate effect.

[No. 1(1)/Spl.Cell/89-SS-II/S]

KULDIP RAI, Dy. Secy.

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर, 1991

का.आ. 166 :—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, त्रिपुरा राज्य

सरकार की सहमति से, (देखिए त्रिपुरा सरकार, गृह विभाग की अधिसूचना संख्या एफ 39 (28)-पी डी/91 तारीख 29 नवम्बर, 1991 द्वारा भारतीय दण्ड संहिता 1860 (1860 का अधिनियम सं. 45) की धारा 302/326/148-149 के अन्तर्गत और आयुक्त अधिनियम 1959 की धारा 27 के अधीन दण्डनीय अपराधों के अन्वेषण के लिए जो हत्या करने, खतरनाक शस्त्रों द्वारा स्वैच्छिक रूप से घोर उपहृति करने, विधि विरुद्ध जमाव के सदस्यों द्वारा घातक शस्त्रों से बलवा करने तथा उनका विधि विरुद्ध प्रयोजन के आशय से आयुधों और गोला बारूद को कब्जे में रखने के लिए हो और किन्हीं अन्य अपराधों के लिए चाहे जो भी हों, जो श्री श्याम हरी शर्मा की हत्या तथा श्री ब्रजेश चक्रवर्ती तथा राखल चक्रवर्ती आदि को 13-11-91 को अग्रतला में स्वैच्छिक रूप से की गई घोर उपहृति की बाबत पूर्वी अग्रतला पुलिस थाना मामला सं. 12 (11)/91 के संबंध में उन्हीं तथ्यों से उत्पन्न होने वाले वैसे ही संव्यवहार के अनुक्रम में किए गए अपराधों के संबंध में दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तार संपूर्ण त्रिपुरा राज्य पर करती है।

[संख्या 228/56/91-ए.वी.डी.-II]

ए.सी. शर्मा, अवर सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES

AND PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

ORDER

New Delhi, the 9th December, 1991

S.O. 166.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 5 read with Section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946), the Central Government with the consent of the State Government of Tripura (vide Government of Tripura Home Department Notification No. F. 39(28)-PD/91 dated 29th November, 1991) hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Tripura for investigation of the offences punishable under Sections 302/326/148/149 of the Indian Penal Code 1860 (Act No. 45 of 1860) and under Section 27 of the Arms Act, 1959, for commission of murder, voluntarily causing grievous hurt by dangerous weapons, rioting with deadly weapons by members of unlawful assembly and also for possessing arms and ammunition with intent to use the same for unlawful purpose and any other offences, whatsoever, committed in course of the same transaction arising out of the same facts in regard to East Agartala P. S. Case No. 12(11)/91 relating to murder of Shri Shyamhar Sharma and voluntarily causing grievous hurt by deadly weapons to Shri Brajesh Chakraborty and Shri Rakhal Chakraborty etc. at Agartala on 13-11-1991.

[No. 228/56/91-AVD.II]

A. C. SHARMA, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 31 जुलाई, 1991

मन्त्रालय स्थापना

का.आ. 167 :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय राजस्व बोर्ड अधिनियम, 1963 (1963 की सं. 54) की धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त

शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जो भारतीय सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेवा के अधिकारी और पूर्व में निरीक्षण और लेखा परीक्षा, सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नई दिल्ली में महानिदेशक के पद पर तैनात श्री तरेण राम की 29 जुलाई, 91 की अपराल्ल से अगला आदेश होने तक वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग केन्द्रिय प्रत्यक्ष कर बोर्ड में सदस्य नियुक्त करती है।

[फा. सं. 19011/3/91-प्रशा. 1]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 31st July, 1991

Headquarter's Establishment

S.O. 167.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 3 of the Central Board of Revenue Act, 1963 (No. 54 of 1963), the Central Government hereby appoint Shri Tarun Roy an officer of Indian Customs and Central Excise Service and formerly posted as Director General, Inspection and Audit, Customs & Central Excise, New Delhi, as Member in Central Board of Excise and Customs, Department of Revenue, Ministry of Finance, with effect from the forenoon of the 29th July, 1991, and until further orders.

[F. No. 19011/3/91-Ad-I]

का. आ. 168.—केन्द्रीय सरकार केन्द्रिय राजस्व बोर्ड अधिनियम, 1963 (1963 की सं. 54) के खण्ड 3, उपखण्ड (2) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय राजस्व सेवा (आयकर) के अधिकारी श्री पी. के. अपाचू को जो इससे पूर्व आयकर (प्रशा.) नई दिल्ली में मुख्य आयुक्त के रूप में तैनात थे, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड में दिनांक 29 जुलाई, 1991 से और अगला आदेश होने तक सदस्य नियुक्त करते हैं।

[फा. सं. ए. 19011/4/91 प्रशा. 1]

S.O. 168.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 3 of the Central Boards of Revenue Act, 1963 (No. 54 of 1963), the Central Government hereby appoint Shri P. K. Appachoo, an officer of I.R.S. (I.T.) and formerly posted as Chief Commissioner of Income-Tax (Admn.), New Delhi as Member in Central Board of Direct Taxes, Department of Revenue, Ministry of Finance, with effect from the forenoon of the 29th July, 1991 and until further orders.

[F. No. A-19011/4/91-Ad-I]

नई दिल्ली, 13 अगस्त, 1991

का. आ. 169.—केन्द्रीय राजस्व बोर्ड, अधिनियम, 1963 (1963 की सं. 54) की धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेवा के अधिकारी और पूर्व में सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मद्रास के मुख्य समाहर्ता के पद पर तैनात श्री एम. ए. गोविन्दराज को वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा शुल्क बोर्ड में दिनांक 31 जुलाई, 1991 की पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक सदस्य नियुक्त करती है।

[फा. सं. ए.—19011/4/91 प्रशा. 1]

New Delhi, the 13th August, 1991

S.O. 169.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 3 of the Central Boards of Revenue Act, 1963 (No. 54 of 1963), the Central Government hereby appoint Shri S. A. Govindaraj, an officer of Indian Customs & Central Excise Service and formerly posted as Principal Collector of Customs and Central Excise, Madras, as Member in Central Board of Excise and Customs, Department of Revenue, Ministry of Finance, with effect from the forenoon of the 31st July, 1991 and until further orders.

[F. No. A-19011/5/91-Ad-I]

का. आ. 170.—केन्द्रीय सरकार केन्द्रिय राजस्व बोर्ड अधिनियम, 1963 (1963 का सं. 54), की धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सेवा के अधिकारी श्री सी. भुवंगस्वामी को जो इससे पूर्व सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, हैदराबाद में प्रधान समाहर्ता के रूप में तैनात थे, तारीख 1 अगस्त, 1991 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश के होने तक वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के केन्द्रिय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क में सदस्य नियुक्त करती है।

[फा. सं. ए.—19011/6/91—प्रशा. 1]

S.O. 170.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 3 of the Central Boards of Revenue Act, 1963 (No. 54 of 1963), the Central Government hereby appoint Shri C. Bhujangaswamy an officer of Indian Customs & Central Excise Service and formerly posted as Principal Collector of Customs & Central Excise, Hyderabad, as Member in Central Board of Excise and Customs, Department of Revenue, Ministry of Finance, with effect from the forenoon of the 1st August, 1991 and until further orders.

[F. No. A.19011/6/91-Ad.I]

नई दिल्ली, 19 अगस्त, 1991

का. आ. 171.—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रिय राजस्व बोर्ड अधिनियम, 1963 (1963 का सं. 54) की धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय राजस्व सेवा (आयकर) अधिकारी श्री ए. आर. राय को, जो इससे पूर्व अंतरिक्ष विभाग, बंगलौर में अपर सचिव के रूप में तैनात थे, दिनांक 8 अगस्त, 1991 पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक वित्त मंत्रालय राजस्व विभाग के केन्द्रिय प्रत्यक्ष कर बोर्ड में सदस्य नियुक्त करते हैं।

[फा. सं. ए 19011/7/91/प्रशा. 1]

रमेश कुमार, अवर सचिव

New Delhi, the 19th August, 1991

S.O. 171.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 3 of the Central Boards of Revenue Act, 1963 (No. 54 of 1963), the Central Government hereby appoint Shri A. R. Rao, an officer of IRS (I.T.) and formerly posted as Additional Secretary, Department of Space, Bangalore, as Member in Central Board of Direct Taxes, Department of Revenue, Ministry of Finance, with effect from the forenoon of the 8th August, 1991 and until further orders.

[F. No. A.19011/7/91-Ad.I]

RAMESH KUMAR, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर, 1991

स्टाम्प

का. आ. 172.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम 1899 (1899 का 2) की धारा (ए) की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त

(ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific Research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Wool Research Association,
Akbar Camp Road,
P.O. Sandoz Baug,
Kolsbet Road,
Thane-400607.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 513/F. No. DG/M-101/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]

कलकत्ता 30 सितम्बर, 1991

आयकर

का. आ. 175:—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (रिबेन 'एक/बी' को उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संव" प्रती के अर्जन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग निशान रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड — मई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परोक्षित वार्षिक लेखों का एक प्रति आयोग-आस्थित एवं वेतनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर, आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

के. ज. रिसर्च फाउंडेशन,
941, पूनामल्ले हाई रोड,
मद्रास-600084।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी:—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवकाश उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र को 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 514 (फा. सं. के. जी. / टो. एन-2/कल./ 35/(1) (ii)/ 89—मा. कर (छूट)]

Calcutta, the 30th September, 1991

INCOME-TAX

S.O. 175.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific Research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

K. J. Research Foundation,
941, Poonamallee High Road,
Madras-600084.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six Copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 514 (F. No. DG/TN-2/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

आयकर

का. आ. 176:—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आय-

कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 पैंसीस/एक/वो की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, ग्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली—110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-अपनी, प्राप्तियों एवं देदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

वि इन्स्टीट्यूट आफ इण्डियन फाउन्ड्रियन,
4/2, मिडलटन स्ट्रीट, 1 सी मंजिल,
"मिडलटन कोर्ट"
कलकत्ता—700071

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी :—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुभाव किया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवधि उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 515/फा. सं. ई. जी. /अन्व्यू. सी. 9/क. /35/(1) (ii)/
89—आ. कर (छूट)]

INCOME-TAX

S.O. 176.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific Research activities to the Secretary, Department of

Scientific & Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

The Institute of Indian Foundrymen,
4/2, Middleton Street, 1st Floor,
"Middleton Court",
Calcutta-700071.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six Copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 515/F. No. DG/WB-9/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

आयकर

का.प्रा. 177 :—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैंसीस/एक/वो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "विराजविद्यालय" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, ग्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-अपनी, प्राप्तियों एवं देदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

वि निजाम्स इन्स्टीट्यूट आफ मैडिकल साइंसेज,
पंजागुडा, हैदराबाद-500472
ग्रामध प्रवेश

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1990 से 31-3-1993 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुसंधान की अवधि बढ़ाने के लिए अनुसंधान की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुसंधान आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो संगठन अनुसंधान आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशक्ति अनुसंधान की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुसंधान की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की छः प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 516(फा. सं. डी.जी./ए.पी-3/कल./35/(1)(ii)/89-आ.कर (छूट)]

INCOME-TAX

S.O. 177.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "University" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific Research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

The Nizam's Institute of Medical Sciences,
Panjagutta, Hyderabad-500482.
Andhra Pradesh.

This Notification is effective for the period from 1-4-1990 to 31-3-1993.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six Copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 516 (F. No. DG/AP-8/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

का.शा. 177 :—सर्वप्रथम को सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैंतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन

बिहित प्राधिकारों अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्न लिखित शर्तों पर "संग" प्रयोग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-अध्य, आस्तियों एवं वेतनधारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

बमरा मैडिकल रिसर्च सेंटर,
अमिरा फादल, बाबुशा चौक,
श्रीनगर (काश्मीर)

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुसंधान की अवधि बढ़ाने के लिए अनुसंधान की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुसंधान आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुसंधान आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशक्ति अनुसंधान की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुसंधान की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन पत्र की छः प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 517(फा. सं. डी.जी./जे. एण्ड के./35/(1)(ii)/89-आ.कर (छूट)]

INCOME-TAX

S.O. 178.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Association" subject to the following conditions:

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its Scientific Research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its

audited annual accounts showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Batra Medical Research Centre,
Amira Kadal, Badsha Chowk,
Srinagar (Kashmir).

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE.—The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 517/F. No. DG/J&K-2/Cal/35(1)(ii)/88-IT(E)]

आयकर

का. प्रा. 179 :—सर्वसाधारण की सूचना के लिए एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैरोस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिए सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त धन के लिए एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक लेखा परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी व्यय, अस्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित (क) महानिदेशक आयकर छूट (ख) सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

श्री जयदेव इन्स्टिट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी विक्टोरिया अस्पताल
काम्प्लेक्स, बैंगलूर-560002

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1989 से 31-3-1990 तक की अवधि के लिए प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट) बलकला को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवधि उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि

बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने की संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियाँ सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 518/का. सं. डी.जी./के.टी. 32/कल. 35/(1) (ii)/90-
पा. कर (छूट)]

INCOME TAX

S.O. 179.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual account showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Sri Jaydeva Institute of Cardiology,
Victoria Hospital Complex,
Bangalore-560002.

This Notification is effective for the period from 1-4-1989 to 31-3-1990.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 518/F. No. DG/KT-32/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]

आयकर

का. प्रा. 180.—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी किया जाता है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैरोस/एक/तीन) की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की

31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, प्राप्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (प्रायकर छूट), (ख) सचिव वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) प्रायकर आयुक्त/प्रायकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

इण्डियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इण्टरनैशनल इकनामिक रिलेसन्स,
40, लोदी इस्टेट,
नई दिल्ली-110003

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व प्रायकर आयुक्त/प्रायकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से प्रायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवकाश अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 519/का. सं. डी. जी./एन.डी. 23/कल./35/(1)
(iii)/89-प्रा.कर (छूट)]

INCOME TAX

S.O. 180.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Indian Council for Research on
International Economic Relations,
40, Lodi Estate,
New Delhi-110003.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No 519/F. No. DG/ND-23/Cal/35(1)(iii)/89-IT(E)]

कलकत्ता, 1 अक्टूबर, 1991

प्रायकर

का.प्रा. 181.—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को, प्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 (पैंतीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, प्रायकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (प्रायकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "कालेज" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, प्राप्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (प्रायकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) प्रायकर आयुक्त/प्रायकर निवेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

सवाई मानसिंह-मेडिकल कालेज,
जयपुर, राजस्थान।

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक का अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व प्रायकर आयुक्त/प्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से प्रायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवकाश अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 520/का. सं. डी.जी./आर. 5/कल./35/(1) (ii)/90-प्रा.क. (छूट)]

Calcutta, the 1st October, 1991

INCOME-TAX

S.O. 181.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "College" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Sawai Mansingh Medical College,
Jaipur, Rajasthan.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 520/F. No. DG/R-5/Cal/35(1)(ii)/90-IT(E)]

कलकत्ता, 24 अक्टूबर, 1991

प्रायकर

का. प्रा. 182.—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को, प्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (वैज्ञानिक/एक/तीन) की उपधारा (1) के खण्ड (iii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, प्रायकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन किहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (प्रायकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।

- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, वास्तविक एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (प्रायकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) प्रायकर प्रायुक्त/प्रायकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

श्री अरविन्द सोसाइटी,
यूनिट : श्री अरविन्द इंस्टिट्यूट ऑफ रिसर्च
इन सोशल साइन्स,
पाण्डिचेरी-605001

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1993 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी : संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व प्रायकर प्रायुक्त/प्रायकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से प्रायकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथा-शीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 521/का. सं. डी.जी./पडि-1/कल./35/(1)(iii)/89-प्रा.
कर (छूट)]

Calcutta, the 24th October, 1991

INCOME-TAX

S.O. 182.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/three) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research ;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Sri Aurobindo Society,
Unit : Sri Aurobindo Institute of Research,
in Social Sciences,
Pondicherry-605001.

This Notification is effective for the period from 1-4-1989 to 31-3-1993.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 521/F. No. DG/Pondy-1/Cal/35(I)(iii)/89-II(E)]

आयकर

का.प्रा. 83 :—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैसीस/एक/दो) की उपधारा (3) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक प्रलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, प्राप्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट), (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

नैशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ़ अडवांस्ड स्टडीज,
इण्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ़ साइन्स, कम्पास,
बैंगलूर-560012

यह अधिसूचना दिनांक 30-9-1991 से 31-3-1993 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी :—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहाँ अनुमोदित आवेदन उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अवकाश उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आवेदन प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आचरण-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[मं. 522/का.सं.डी.जी/के.टी-40/कल./35/(1)(ii)/91-आ.कर(छूट)]

INCOME-TAX

S.O. 183.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific and Industrial Research, Technology Bhawan, New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

National Institute of Advanced Studies,
Indian Institute of Science Campus,
Bangalore-560012.

This Notification is effective for the period from 30-9-1991 to 31-3-93.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 522/F. No. DG/KT-40/Cal/35(1)(ii)/91-II(E)]

कलकत्ता, 28 अक्टूबर, 1991

आयकर

का.प्रा. 184 :—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैसीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है ;

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक प्रलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, प्राप्तियों एवं देनदारियों के विवरण

सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

महाराष्ट्र राज्य द्रक्षा बगैतदार संघ,
'द्रक्षा भवन'

इ/4, मार्केट यार्ड, गुलटेकदी,
पूणे-411037

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी :—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 523/फा.सं.डी.जी./एम-13/कल./35(1)(ii)/89-आ.कर(छूट)]

Calcutta, the 28th October, 1991

INCOME-TAX

S.O. 184.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e. the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual account showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Maharashtra Rajya Draksha Bagaitdor Sangh,
Draksha Bhavan,
R/4, Market Yard, Gultekdi,
Pune-411037.

This Notification is effective for the period from 1-4-1989 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In

exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 523/F. No. DG/M-13/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

आयकर

का.आ. 185—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैराम/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन बहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान" प्रबर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरौली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, आस्तियों एवं देदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

मेडिकल रिसर्च सेंटर ऑफ बम्बई अस्पताल ट्रस्ट,
12, मेरिन लाइन्स,
बम्बई-400020.

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1992 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी :—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन में पड़ता है, के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में, आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करें। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 524/फा.सं.डी.जी./एम-1/कल./35(1)(ii)/89-
आ. कर (छूट)]

INCOME-TAX

S.O. 185.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

(i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;

(ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and

(iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual account showing its income expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

Medical Research Centre of,
Bombay Hospital Trust,
12, Marine Lines,
Bombay-400020.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1992.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 524/F. No. DG/M-1/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

कलकत्ता, 29 अक्तूबर, 1991

आयकर

का.प्र. 186 :—सर्वसाधारण की सूचना के लिये एतद्वारा यह अधिसूचना जारी की जाती है कि निम्नलिखित संगठन को, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 (पैसीस/एक/दो) की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के लिये, सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग की सहमति से, आयकर नियम, 1962 के नियम 6 के अधीन विहित प्राधिकारी अर्थात् महानिदेशक (आयकर छूट) द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर "संस्थान/संघ" प्रवर्ग के अधीन अनुमोदित किया गया है।

- (1) संगठन वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त धन के लिये एक अलग लेखा रखेगा।
- (2) यह अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का एक वार्षिक विवरण प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये, प्रत्येक वर्ष की 31 मई तक, सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, औद्योगिक भवन, न्यू मेहरोली रोड, नई दिल्ली-110016 को भेजेगा।
- (3) यह प्रत्येक वर्ष की 30 जून तक, लेखा-परीक्षित वार्षिक लेखों की एक प्रति अपनी-व्यय, प्राप्तियों एवं देनदारियों के विवरण सहित, (क) महानिदेशक (आयकर छूट) (ख) सचिव, वैज्ञानिक व औद्योगिक अनुसंधान विभाग, और (ग) आयकर आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट) जिनके क्षेत्राधिकार में पड़ता है, को प्रस्तुत करेगा।

संगठन का नाम

के.ई.एम. अस्पताल रिसर्च सेंटर,
रास्ता पेथ, सरदार मुदलियार रोड,
पूणे-411011

यह अधिसूचना दिनांक 1-4-1991 से 31-3-1993 तक की अवधि के लिये प्रभावी है।

टिप्पणी :—संगठन को अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए अनुमोदन की समाप्ति के तीन माह पूर्व आयुक्त/आयकर निदेशक (छूट), जिनके क्षेत्राधिकार में संगठन पड़ता है, के के माध्यम से आयकर महानिदेशक (छूट), कलकत्ता को तीन प्रतियों में आवेदन करने के लिए सुझाव दिया जाता है। विशेष मामलों में, जहां अनुमोदित आदेश उपर्युक्त तीन माह की समाप्ति पर अथवा उक्त अवधि की समाप्ति के ठीक पूर्व प्राप्त हुआ हो, संगठन अनुमोदित आदेश प्राप्त करने के पश्चात् यथाशीघ्र अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करे। अनुमोदन की अवधि बढ़ाने के संबंध में किए गए आवेदन-पत्र की 6 प्रतियां सचिव, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को प्रस्तुत करना है।

[सं. 525 /का.सं.सी.जी./एम-20 /कल./35/
(1) (ii)/89-आ. कर (छूट)]

जे. चक्रवर्ती, उप निदेशक आयकर (छूट)

Calcutta, the 29th October, 1991

INCOME-TAX

S.O. 186.—It is hereby notified for general information that the organisation mentioned below has been approved by the Prescribed Authority under Rule 6 of the Income-tax Rules, 1962, i.e., the Director General of Income-tax (Exemptions) in concurrence with the Secretary, Deptt. of Scientific & Industrial Research for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 (Thirty Five/one/two) of the Income-tax Act, 1961 under the category "Institution" subject to the following conditions :

- (i) The organisation will maintain a separate account of the sums received by it for Scientific Research;
- (ii) It will furnish the Annual Return of its scientific research activities to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research, 'Technology Bhawan', New Mehrauli Road, New Delhi-110016 for every financial year by 31st May of each year; and
- (iii) It will submit to the (a) Director General of Income-tax (Exemptions), (b) Secretary, Department of Scientific & Industrial Research and (c) Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, by the 30th June each year a copy of its audited annual accounts showing its income, expenditure and its assets and liabilities.

NAME OF THE ORGANISATION

K.E.M. Hospital Research Centre,
Rasta Peth, Sardar Mudliar Road,
Pune-411011.

This Notification is effective for the period from 1-4-1991 to 31-3-1993.

NOTE : The organisation is advised to apply (in triplicate) for further extension of the approval, to the Director General of Income-tax (Exemptions), Calcutta through the Commissioner of Income-tax/Director of Income-tax (Exemptions) having jurisdiction over the organisation, three months before the expiry of the approval. In exceptional cases where the order granting approval is received after the expiry of the period of three months aforesaid or shortly before the expiry of

the said period, the organisation may make an application for extension of approval as soon as possible after the receipt of the order of approval. Six copies of the application for extension of approval should be sent directly to the Secretary, Department of Scientific & Industrial Research.

[No. 525]F. No. DG/M-20/Cal/35(1)(ii)/89-IT(E)]

J. CHAKRABORTY, Dy. Director of Income Tax (Exemptions)

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर, 1991

का. भा. 187.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठित धारा 53 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उप-धारा 1 के उपबन्ध जिला सहकारी बैंक लि., कानपुर पर इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 30 जून, 1993 तक लागू नहीं होंगे।

[सं. 6-1/91-ए. सी.]

पी. के. तेजयान, प्रवर सचिव

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 26th December, 1991.

S.O. 188.—In exercise of the powers conferred by section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India declares that the provisions of sub-section 1 of Section 11 of the said Act shall not apply to the Zila Sahakari Bank Ltd., Kanpur from the date of publication of this notification in the official Gazette to 30 June 1993.

[F. No. 6(1)/91-AC].

P. K. TEJYAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का. भा. 188.—सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेवखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) के दिनांक 27 अप्रैल, 1991 को भारत के राजपत्र के भाग II की खण्ड 3 के उप-खण्ड (ii) में प्रकाशित दिनांक 8 अप्रैल, 1991 की अधिसूचना संख्या का. भा. 1172 का अधिक्रमण करते हुए, परन्तु ऐसे अधिक्रमण से पहले किए गए कार्यों और करने के लिए छोड़े गए कार्यों को छोड़कर, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा निम्नलिखित सारणी के कालम (1) में उल्लिखित उन अधिकारियों को नियुक्त करती है, जो सरकार के राजपत्रित अधिकारियों के स्तर के समकक्ष अधिकारी होंगे, और उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए सम्पदा अधिकारी (एस्टेट आफिसर) होंगे और जो उक्त अधिनियम द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेंगे तथा उसके अधीन उक्त सारणी के कालम (2) में क्रमानुसार उल्लिखित सरकारी स्थानों के सम्बन्ध में अपने अधिकार क्षेत्र की स्थानीय सीमाओं के अन्तर्गत सम्पदा अधिकारी को सौंपे गए कर्तव्यों को पूरा करेंगे:—

सारणी

अधिकारी का पद	सरकारी स्थानों की श्रेणियों और अधिकार क्षेत्र की सीमा
1	2
1. अंचल प्रबन्धक पंजाब एण्ड सिंध बैंक, उत्तरी अंचल कार्यालय—I 3, लॉरेन्स रोड अमृतसर- 143001	पंजाब एण्ड सिंध बैंक की अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और जिला अमृतसर (पंजाब) में अवस्थित स्थान।

1	2
2. क्षेत्रीय प्रबन्धक, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय-1 प्रथम तल, चौक फवारा, अमृतसर-143001	पंजाब एण्ड सिंध बैंक की अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और जम्मू और कश्मीर राज्य में अवस्थित स्थान।
3. क्षेत्रीय प्रबन्धक, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय पी. एम. जैन कम्प्लेक्स, जी. टी. रोड, जालंधर- 144001	पंजाब एण्ड सिंध बैंक की अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और होशियारपुर जिला, पंजाब में अवस्थित स्थान।
4. क्षेत्रीय प्रबन्धक, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय-II, माडन टाऊन, जालंधर सिटी-144003	पंजाब एण्ड सिंध बैंक की अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और कपूर-थला और जालंधर जिले, पंजाब में अवस्थित स्थान।
5. क्षेत्रीय कार्यालय, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, सिविल लाइन्स, गुरदासपुर-143121	पंजाब एण्ड सिंध बैंक की अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और गुरदासपुर जिले, पंजाब में अवस्थित स्थान।
6. अंचल प्रबन्धक, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, उत्तरी अंचल कार्यालय-II, सेक्टर 17-बी, अण्डीगढ़-160017	पंजाब एण्ड सिंध बैंक की अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और अण्डीगढ़ के संघ शासित क्षेत्र में अवस्थित स्थान।
7. क्षेत्रीय कार्यालय, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय-I, सेक्टर-17-बी, अण्डीगढ़-160017	पंजाब एण्ड सिंध बैंक की अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और हिमाचल प्रदेश राज्य और रोपड़ जिला (पंजाब) में अवस्थित स्थान।
8. क्षेत्रीय कार्यालय, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय (हरियाणा) सेक्टर 17-बी, अण्डीगढ़-160017	पंजाब एण्ड सिंध बैंक की अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और हरियाणा राज्य में अवस्थित स्थान।
9. क्षेत्रीय कार्यालय, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, कैलाश सिनेमा चौक, सिविल लाइन्स, नुधियाना।	पंजाब एण्ड सिंध बैंक की अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और नुधियाना जिला पंजाब में अवस्थित स्थान।
10. क्षेत्रीय प्रबन्धक पंजाब एण्ड सिंध बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, दिमाल पटियाला-147001	पंजाब एण्ड सिंध बैंक की अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और पटियाला जिला पंजाब में अवस्थित स्थान।
11. क्षेत्रीय प्रबन्धक, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, सिविल लाइन्स, जी. टी. रोड, भटिण्डा।	पंजाब एण्ड सिंध बैंक की अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और भटिण्डा, संगरूर और फरीदकोट जिले, पंजाब में अवस्थित स्थान।

1	2	1	2
12. क्षेत्रीय प्रबन्धक, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, रेड ब्रस भवन, सादिक चौक, फरीदकोट-141004	पंजाब एण्ड सिंध बैंक की अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और फरीदकोट जिले पंजाब में अवस्थित स्थान।	20. क्षेत्रीय प्रबन्धक, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, 42, एम. जी. रोड, रोबर साइड, गौहाटी।	पंजाब एण्ड सिंध बैंक की अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और असम, त्रिपुरा, नागालैण्ड, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर और सिक्किम राज्यों में अवस्थित स्थान।
13. सहायक महाप्रबन्धक, सामान्य प्रशासन, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, प्रधान कार्यालय, 21, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-110008	पंजाब एण्ड सिंध बैंक की अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और दिल्ली मंडल शासित क्षेत्र में अवस्थित स्थान।	21. क्षेत्रीय प्रबन्धक, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, बी-23, गोविन्द मार्ग, आदर्श नगर, जयपुर-302004.	पंजाब एण्ड सिंध बैंक की अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और राजस्थान राज्य में अवस्थित स्थान।
14. सहायक महाप्रबन्धक, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, ज्वाला देवी बिल्डिंग, लाल बाग, लखनऊ।	पंजाब एण्ड सिंध बैंक की अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, इलाहाबाद, गोरखपुर, मिरजापुर, झांसी और खोरी, उत्तर प्रदेश अवस्थित स्थान।	22. अंचल प्रबन्धक, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, पश्चिम अंचल कार्यालय, 27/29, ग्रामा लाल दोगी, मार्ग, फोर्ट, बम्बई-400023.	पंजाब एण्ड सिंध बैंक की अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और बम्बई, महाराष्ट्र में अवस्थित स्थान।
15. क्षेत्रीय प्रबन्धक, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, 201, सोतीगंज, मेरठ-250001	पंजाब एण्ड सिंध बैंक की अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और मेरठ, मथुरा, मुजफ्फरनगर, बुलंदशहर, गाजियाबाद, अलीगढ़, बिजनौर और आगरा उत्तर प्रदेश में अवस्थित स्थान।	23. क्षेत्रीय प्रबन्धक, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, विखरोली (पश्चिम) बम्बई-400083.	पंजाब एण्ड सिंध बैंक की अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और महाराष्ट्र (बम्बई को छोड़कर) गुजरात और गोवा के राज्यों में अवस्थित स्थान।
16. क्षेत्रीय प्रबन्धक, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, बी-6, रामपुर गाईन, धरेली-343001	पंजाब एण्ड सिंध बैंक की अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और धरेली, मुरादाबाद, शाहजहांपुर, पीलीभीत, रामपुर, नैनीताल, पिथौरागढ़ जिले उत्तर प्रदेश में अवस्थित स्थान।	24. क्षेत्रीय प्रबन्धक, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, 13/114, अरेरा कालोनी, भोपाल-462016.	पंजाब एण्ड सिंध बैंक की अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और मध्य प्रदेश के राज्य में अवस्थित स्थान।
17. क्षेत्रीय प्रबन्धक, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, 23/2, राजपुर रोड, देहरादून-248001	पंजाब एण्ड सिंध बैंक की अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और देहरादून महाराष्ट्र चम्पली और गढ़वाल जिलों उत्तर प्रदेश में अवस्थित स्थान।		
18. क्षेत्रीय प्रबन्धक, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, 770-ए, स्पेन्सर टावर, अक्षा सलाई, मद्रास-500002।	पंजाब एण्ड सिंध बैंक की अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक और आन्ध्र प्रदेश राज्यों में अवस्थित स्थान।		
19. सहायक महाप्रबन्धक, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, 14-15, पुराना कोर्ट हाउस, कलकत्ता-700001.	पंजाब एण्ड सिंध बैंक की अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और पश्चिम बंगाल, उड़ीसा और बिहार के राज्यों में अवस्थित स्थान।		

[सं. 15/1/91—बी. ओ.-III]

के. के. मंगल, अवसर सचिव

New Delhi, the 31st December, 1991.

S.O. 188.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division), number S.O. 1172 dated the 8th April, 1991, published in the Gazette of India, Part II section 3, sub-section (ii), dated the 27th April, 1991, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby appoints the officers mentioned in column (1) of the Table below, being the officers equivalent to the rank of gazetted officers of Government, to be estate officers for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties

imposed on the estate officers by or under the said Act, within the local limits of their respective jurisdiction in

respect of the public premises specified in the corresponding entries in column (2) of the said Table :—

TABLE

Designation of the officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
1	2
1. Zonal Manager, Punjab and Sind Bank, Northern Zonal Office-1, 3, Lawrence Road, Amritsar-143001.	Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in District Amritsar, Punjab.
2. Regional Manager, Punjab and Sind Bank, Regional Office-I, 1st Floor, Chowk Phawara, Amritsar-143001.	Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in the State of Jammu and Kashmir.
3. Regional Manager, Punjab and Sind Bank, Regional Office-I, P.S. Jain Complex, G.T. Road, Jalandhar-144001.	Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in District Hoshiarpur, Punjab.
4. Regional Manager, Punjab and Sind Bank, Regional Office-II, Model Town, Jalandhar City-144003.	Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in the Districts of Kapurthala and Jalandhar, Punjab.
5. Regional Manager, Punjab and Sind Bank, Regional Office, Civil Lines, Gurdaspur-143121.	Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in District Gurdaspur, Punjab.
6. Zonal Manager, Punjab and Sind Bank, Northern Zone Office-II, Sector 17-B, Chandigarh-160017.	Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in the Union territory of Chandigarh.
7. Regional Manager, Punjab and Sind Bank, Regional Office-I, Sector 17-B, Chandigarh-160017.	Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in the State of Himachal Pradesh and District Ropar, Punjab.
8. Regional Manager, Punjab and Sind Bank, Regional Office (Haryana), Sector 17-B, Chandigarh-160017.	Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in the State of Haryana.
9. Regional Manager, Punjab and Sind Bank, Regional Office, Kailash Cinema Chowk, Civil Lines, Ludhiana.	Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in the District Ludhiana, Punjab.
10. Regional Manager, Punjab and Sind Bank, Regional Office, The Mall, Patiala-147001.	Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in District Patiala, Punjab.
11. Regional Manager, Punjab and Sind Bank, Regional Office, Civil Lines, G.T. Road, Bhatinda.	Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in Districts of Bhatinda, Sangrur and Ferozepur, Punjab.

1

2

- | | |
|--|--|
| <p>12. Regional Manager,
Punjab and Sind Bank,
Regional Office, Red Cross Bhawan,
Sadiq Chowk, Faridkot-141004.</p> | <p>Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in District Faridkot, Punjab.</p> |
| <p>13. Assistant General Manager,
General Administration,
Punjab and Sind Bank,
Head Office, 21, Rajendra Place,
New Delhi-110008.</p> | <p>Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in the Union Territory of Delhi.</p> |
| <p>14. Assistant General Manager,
Punjab and Sind Bank,
Regional Office,
Jawahar Devi Building, Lal Bagh,
Lucknow.</p> | <p>Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in Districts of Lucknow, Kanpur, Varanasi, Allahabad, Gorakhpur, Mirzapur, Jhansi and Kheri, Uttar Pradesh.</p> |
| <p>15. Regional Manager,
Punjab and Sind Bank,
Regional Office, 201, Soti Ganj,
Meerut-250001.</p> | <p>Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in Districts of Meerut, Mathura, Muzafarnagar, Bulandshahr, Ghaziabad, Aligarh, Bijnaur and Agra, Uttar Pradesh.</p> |
| <p>16. Regional Manager,
Punjab and Sind Bank,
Regional Office, B-6, Rampur Garden,
Baroilly-343001.</p> | <p>Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in Districts of Baroilly, Moradabad, Shahjahanpur, Pilibhit, Rampur, Nainital, Pithoragarh, Uttar Pradesh.</p> |
| <p>17. Regional Manager,
Punjab and Sind Bank,
Regional Office, 23/2, Rajpur Road,
Dehradun-248001.</p> | <p>Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in Districts of Dehradun, Saharanpur, Chamoli and Garhwal Uttar Pradesh.</p> |
| <p>18. Regional Manager,
Punjab and Sind Bank,
Regional Office,
770-A, Spencer Tower, Anna Salai,
Madras-600002</p> | <p>Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in the States of Kerala, Tamil Nadu, Karnataka and Andhra Pradesh.</p> |
| <p>19. Assistant General Manager,
Punjab and Sind Bank,
Regional Office,
14-15, Old Court House Street,
Calcutta-700001.</p> | <p>Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in the States of West Bengal, Orissa and Bihar.</p> |
| <p>20. Regional Manager,
Punjab and Sind Bank,
Regional Office, 4., M.G. Road,
River Side, Guwahati.</p> | <p>Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in the States of Assam, Tripura, Nagaland, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur and Sikkim.</p> |
| <p>21. Regional Manager,
Punjab and Sind Bank,
Regional Office B/23 Govind Marg
Adarsh Nager, Jaipur-302004</p> | <p>Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in the State of Rajasthan.</p> |
| <p>22. Zonal Manager,
Punjab and Sind Bank,
Western Zonal Office,
27/29, Ambala Doshi Marg, Fort,
Bombay-400023.</p> | <p>Premises belonging to or taken on lease by or on behalf of Punjab and Sind Bank and situated in Bombay, Maharashtra.</p> |

1

2

23. Regional Manager,
Punjab and Sind Bank,
Lal Bahadur Shastri Marg, Vikhroli (West),
Bombay-400083.

Premises belonging to or taken on lease by or on behalf
of Punjab and Sind Bank and situated in the States
of Maharashtra (except Bombay), Gujarat and Goa.

24. Regional Manager,
Punjab and Sind Bank,
Regional Office, 13/114, Arera Colony,
Bhopal-462016.

Premises belonging to or taken on lease by or on behalf
of Punjab and Sind Bank and situated in the State of
Madhya Pradesh.

[No. 15/1/91—B.O.-III]

K.K. MANGAL, Under Secy.

(आई. एफ. 1 अनुभाग)

(IF. I Section)

नई दिल्ली, 9 जनवरी, 1992

New Delhi, the 9th January, 1992

का. भा. 189.—केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक वित्त निगम अधि-
नियम, 1948 (1948 का 15) की धारा 21 की उपधारा (2) के
अनुसरण में, भारतीय औद्योगिक वित्त निगम के निदेशक बोर्ड की सिफारिश
पर उक्त निगम द्वारा 13 जनवरी, 1992 को जारी किए जाने वाले
तथा 13 जनवरी, 2012 को परिपक्व होने वाले बांडों पर देय व्याज की
दर एतद्वारा 12% (बारह प्रतिशत) वार्षिक निर्धारित करती है।

S.O. 189.—In pursuance of sub-section 2 of Section 21 of
the Industrial Finance Corporation Act, 1948 (15 of 1948),
the Central Government on the recommendation of the
Board of Directors of the Industrial Finance Corporation
of India, hereby fixes 12 per cent (twelve per cent) per
annum as the rate of interest payable on the bonds to be
issued by the said Corporation on 13th January, 1992 and
maturing on 13th January, 2012.

[का. सं. 2(19)/91—आई.एफ.-1]

[IF. No. 2(19)/91-IF-1].

बी. पी. भारद्वाज, अध्वर सचिव

V. P. BHARDWAJ, Under Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 3 जनवरी, 1992

का. भा. 190.—केन्द्रीय सरकार ने, निर्यात (क्यालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों
का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य तथा नागरिक पूँजी मंत्रालय की कार्गनिक रसायन से संबंधित अधिसूचना सं. का. भा. 1197 तारीख 15
अप्रैल, 1966 में संशोधन करने के लिए कनिष्ठ प्रस्ताव बनाया है और उन्हें निर्यात (क्यालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम
(2) की अधिनियम द्वारा भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का. भा. 1994 तारीख 3 जुलाई, 1991 के अंतर्गत भारत के राजपत्र भाग-II,
खंड-3, उपखंड--(ii) तारीख 20 जुलाई, 1991 में प्रकाशित कर दिया है,

और उन सभी शक्तियों से जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से पूर्व तारीख दिनों के भीतर
उक्त प्रस्ताव के संबंध में आशेष तथा सुझाव मांगे गए थे,

उक्त राजपत्र की प्रतियाँ जनता को 30 जुलाई, 1991 को उपलब्ध करा दी गई थीं,

उक्त प्रस्ताव पर जनता से प्राप्त आक्षेपों तथा सुझावों पर केन्द्रीय सरकार ने विचार कर लिया है।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, निर्यात (क्यालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का
प्रयोग करते हुए, निर्यात निरीक्षण परिपत्र से परामर्श करने के पश्चात् भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का. भा. 1197 तारीख 15 अप्रैल,
1966 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:--

परिशिष्ट-II के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:--

परिशिष्ट--II

1. एस्टिडि एस्टिड के लिए निर्दिष्ट

1. श्रेणी--एस्टिडि एस्टिड की चार श्रेणियाँ होंगी, अर्थात् तकनीकी शुद्ध विश्लेषिक अभिकर्षक तथा प्रयोगशाला अभिकर्षक श्रेणी।

2. अपेक्षाएं--

2.1 विवरण--तकनीकी श्रेणी सामग्री या तो रंगहीन होगी या रंग में हल्की पीली होगी। यह 1000 मिमी पानी में 0.0030 ग्राम शुद्ध पोटेशियम हाईक्रोमेट के घोल से प्राप्त पोटेशियम हाईक्रोमेट के ताजे तैयार किए गए घोल से गहरी नहीं होगी। प्रयोगशाला अभिकर्मक (रीजेंट) श्रेणी रंग में 10 हीजन यूनिट से अधिक नहीं होगी।

शुद्ध तथा बेरंग श्रेणी की सामग्री रंगहीन होगी।

2.2 जब निर्यात निरीक्षण परिषद द्वारा अनुमोदित मानक प्रक्रिया के अनुसार नमूने लिए जाएं तथा परीक्षित हों तो सामग्री नीचे दी गई सारणी की अपेक्षाओं को पूरा करेगी।

सारणी
एस्टिटिक एसिड के लिए अपेक्षाएं

क्र.सं.	विशेषताएं	तकनीकी श्रेणी	शुद्ध श्रेणी	बेरंग श्रेणी अभिकर्मक प्रयोगशाला अभि- श्रेणी के लिए अपे- क्षाएं	कमक श्रेणी
1	2	3	4	5	6
(i)	पानी में घुलनशीलता	--	पूर्णतया मिश्रण योग्य होगी।	एक घंटे के भीतर कोई अविलता नहीं	--
(ii)	एस्टिटिक एसिड तत्व (सीएच ₃ सीओओएच) भार के आधार पर प्रतिशत न्यूनतम	98.0	99.5	99.7	99.5
(iii)	क्रिस्टलीकरण बिंदु °C न्यूनतम।	--	15.6	16.0	15.8
(iv)	वाष्पीकरण पर अवशेष भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम।	0.02	0.01	0.001	0.01
(v)	क्लोराइड (सीएल के रूप में) पीपी एम अधिकतम।	35	15	1	5
(vi)	लोई (एफ ई के रूप में पी) पी एम अधिकतम।	--	2	1	1
(vii)	सल्फेट (एसओ ₄ के रूप में) पीपीएम अधिकतम।	--	--	1	5
(viii)	भारी धातु (लोड सहित) पीपी के रूप में परिकलित पी/पी एम अधिकतम।	--	--	2	1
(ix)	फॉर्मिक एसिड (एचसीओओएच) भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम।	0.35	0.15	--	0.01
(x)	एसीटल-डीहाइड्रोजन (सीएच ₃ सीओओएच) भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम।	0.15	0.05	--	--
(xi)	असमिक (एस के रूप में) भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम।	--	--	--	0.001
(xii)	20° से ग्रेड पर भार प्रति मि.ली.	--	--	1.048 से 1.050	ग्राम

3. निर्यात के लिए पैकिंग तथा चिह्नानकन:

- (1) पैकिंग--फ्रेता तथा निर्यातकर्ता के मध्य हुए करार के अनुसार उपयुक्त प्राधानों में सामग्री पैक की जाएगी।
- (2) चिह्नानकन--एस्टिटिक एसिड के प्राधारों को सुरक्षित मजबूत बन्द किया जाएगा तथा एस्टिटिक एसिड का भार, नाम तथा श्रेणी दर्शाने हुए उपयुक्त रूप से चिह्नित किया जाएगा तथा उन पर निम्न शब्द भी प्रमुखता से प्रदर्शित किए जाएंगे।
"संसारक--घावों के लिए हानिकारक वाष्प तथा द्रव"

2. हाइड्रोक्सीन के लिए विनिर्देश:

1. श्रेणी--हाइड्रोक्सीन की तीन श्रेणियां होंगी, फोटोग्राफिक, तथा प्रयोगशाला अभिकर्मक श्रेणी।

2. अपेक्षाएं--

2.1 फोटोग्राफिक श्रेणी के लिए:

2.1.1 भौतिक स्वरूप--सामग्री धूल तथा अशुद्धियों से मुक्त, अमकदार खेत या शीम खेत सूर्योदय के रूप में होगी।

2.1.2 तनु एस्टिटिक एसिड के घोल का स्वरूप--कक्ष तापमान पर तनुकृत एस्टिटिक एसिड (1:19) में 5% घोल स्पष्ट और लगभग रंगहीन या बिल्कुल हल्के पीले रंग का घोल होगा।

2.2 तकनीकी श्रेणी के लिए--तकनीकी ग्रेड सामग्री धूल तथा बाह्य गंदगी से मुक्त भूरे रंग की सूर्योदय के रूप में होगी।

2.3 तकनीकी अभिकर्मक श्रेणी के लिए--प्रयोगशाला अभिकर्मक श्रेणी सामग्री रंगहीन या पूर्णतः रंगहीन क्रिस्टल या क्रिस्टलीय चूर्ण के रूप में होगी। प्रयोगशाला अभिकर्मक श्रेणी जल में 4 प्रतिशत घोल साफ तथा हल्के रंग से अधिक नहीं होगी।

2.4 साधारण--जब निर्यात निरीक्षण परिषद द्वारा अनुमोदित मानक प्रक्रिया के अनुसार नमूनाकृत तथा परीक्षित की जाए, तब सामग्री निम्न सारणी में दी गई अपेक्षाओं को भी पूरा करेगी।

सारणी

हार्डड्रोविनोन की अपेक्षाएं

क्र. सं.	लक्षण	फोटोग्राफिक श्रेणी	तकनीकी श्रेणी	प्रयोगशाला अभिकर्मक श्रेणी
(1)	हार्डड्रोविनोन तत्व, भार के आधार पर प्रतिशत न्यूनतम	99.00	97.5	99.101
(2)	गलनांक बिंदु	171° से.ग्रेड मे 175° से.ग्रेड	--	170-174° से.ग्रेड
(3)	सम्फोर्टन राख प्रतिशत	0.10	0.75	0.05
(4)	सम्फोर्ट (एसओ 4) भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम	0.075	--	0.05
(5)	लौह (एफई के रूप में) भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम	0.002	0.001	--
(6)	प्रोटेक्टोल भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम	--	--	0.05

2.5 पैकिंग--सामग्री हवा में ध्वजियों में पैक की जाएगी ताकि अन्तर्वस्तु को पकाश से बचाया जा सकें।

3. भौकैमैलिक एसिड के लिए विनिर्देश--

श्रेणी--भौकैमैलिक एसिड की तीन श्रेणियां होंगी अर्थात् तकनीकी, वैश्लेषिक तथा प्रयोगशाला अभिकर्मक।

2. अपेक्षाएं--

2.1 विवरण--

सामग्री रंगहीन क्रिस्टल के रूप में होगी तथा बुदबुदाने से मुक्त होगी। जब उत्प्रेषित हो तो वह संग्रहण के बिना वाष्पित होगी।

2.2 घुलनशीलता--5.0 ग्राम सामग्री 50 मि.ली. गुनगुने पानी में घोल। एक साफ रंगहीन घोल बिना किसी अवसाद के उत्पन्न होगा।

2.3 सामग्री, जब निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा अनुमोदित मानक प्रक्रिया के अनुसार नमूनाबंद तथा परीक्षित की जाए तब निम्न सारणी में दी गई अपेक्षाओं को पूरा करेगी।

सारणी

भौकैमैलिक एसिड के लिए अपेक्षाएं

क्र. सं.	लक्षण	तकनीकी	वैश्लेषिक अभिकर्मक श्रेणी के लिए	प्रयोगशाला अभिकर्मक अपेक्षाएं
(1)	भौकैमैलिक एसिड [(सोप्रोओएस) ² 2एच 2] भार के आधार पर प्रतिशत न्यूनतम	96.0	99.8	99.5
(2)	सम्फोर्टन राख, भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम	0.5	0.001	0.1
(3)	क्लोराइड (सीए के रूप में) भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम	0.1	0.001	0.005
(4)	सम्फोर्ट (एसओ के रूप में) भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम	0.1	0.01	0.02
(5)	भारी धातु (पीबी के रूप में) भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम	--	0.0005	--
(6)	नार्ड्रोजन सल्फ़िड (एन के रूप में) भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम	--	0.01	--
(7)	लोह (एफई के रूप में) भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम	0.05	0.0005	--
(8)	कैल्शियम (सीए के रूप में) भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम	--	0.002	--
(9)	मैग्नीशियम (एमजी के रूप में) भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम	--	0.003	--
(10)	भारी धातु तथा लोह (एफई के रूप में) भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम	--	--	0.005

4. नेप्थालिन के लिए विनिर्देश--

1. श्रेणी--नेप्थालिन को तीन श्रेणियां होंगी, अर्थात् श्रेणी-I नेप्थालिन (शुद्ध), श्रेणी-II नेप्थालिन (तप्त संघीडित) तथा नेप्थालिन एल आर श्रेणी।

2. अपेक्षाएं--

2.1 विवरण--श्रेणी-I सामग्री मुख्य संकेत ऑल, टुकड़ों, फ्लेक्स या क्रिस्टलीय धूर्ण के रूप में होगी तथा धूल या तेजीय अशुद्धियों से मुक्त होगी। जब ये निम्न ढंग से परीक्षण की जाए तब ऊनी फ्रेमिक के संपर्क में आने पर कोई धब्बा नहीं लगेगा।

2.1.1 पॉइंडी सी सामग्री सकेवसर्ज के टुकड़ों में कमक अपेटी जाएगी, जोर 4 घंटों के लिए इसे 50° से.ग्रेड 10° से.ग्रेड पर रखा जाएगा। फिर सर्ज के टुकड़ों को धव्यों, यदि कोई हो, के लिए परखा जाएगा।

- 2.2 श्रेणी-I—सामग्री तप्त संघाहित उपकेन्द्रण आदि से प्राप्त की जाएगी। यह रंग में सफेद से हल्के भूरे रंग की और इसमें लोस टुकड़ों या धानों के रूप में होगी।

तथापि 100 मि.ली. पानी में 20 ग्राम पोटाशियम कार्बोनेट के घोल से अधिक गहरा रंग नहीं होगा।

- 2.3 नेप्यालिन एमरार श्रेणी सफेद या पूर्णतः सफेद क्रिस्टलीय चूर्ण होगी तथा नमूने एथनोन में इसका 10 प्रतिशत घोल साफ होगा।
- 2.4 जब निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा अनुमोदित मानक प्रक्रियाओं के आधार पर नमूना बख़्त तथा परीक्षण का जाए, सामग्री निम्न सारणी में दी गई अपेक्षाओं को भी पूरा करेगी।

सारणी

नेप्यालिन के लिए अपेक्षाएं

क्र.सं.	लक्षण	श्रेणी-I के लिए अपेक्षाएं	श्रेणी-II	प्रयोगशाला अभिकर्मक
1	2	3	4	5
(1)	क्रिस्टलीकरण बिंदु 0 से 0.5° से न्यूनतम	7.4	78.5	79.5—8 से. ग्रेड
(2)	आर्द्रता तत्व, भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम	0.2	0.2	—
(3)	राश्व, भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम	0.02	0.2	0.05
(4)	कुल गंधक, भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम	—	0.02	—
(5)	कुल नाइट्रोजन अंश, भार के आधार पर प्रतिशत अधिकतम	—	0.02	—
(6)	न्यूनतम मात्रा निर्धारण जी एल सी	—	—	99%
5.	बैंजीन के लिए विनिर्देश—			
1.	श्रेणियां—बैंजीन की तीन श्रेणियां होंगी, अर्थात् श्रेणी-I, श्रेणी-II तथा अभिकर्मक श्रेणी।			
1.2	विवरण—उत्प्रेषण प्रमाणा और अन्य ये दोहरा परिष्करण या किसी कोक अवशेष या भस्म के कोयले के कार्बोनीकरण द्वारा उत्पन्न गैस से अपरिष्कृत बैंजीन के जलियाँ परिष्करण द्वारा क्युलर या पेट्रोलियम परिष्करण या पेट्रोसायन संक्रियाओं में उप उत्पाद के रूप में प्राप्त की जाएगी। यह स्वच्छ और निर्लंबित सामग्री तथा अधुननगील जल से मुक्त होगी।			
2.	अपेक्षाएं:			
2.1	श्रेणी-I—पेट्रोकेमिकल डायस्टफ तथा उत्तम रसायनिक उद्योगों के लिए एल्कीलीकृत, माइक्रोकृत तथा हेनोजनीकृत कार्बनिक माध्यमों के विनिर्माण में कच्ची सामग्री के रूप में शुद्ध बैंजीन प्रयुक्त किया जाएगा।			
2.2	श्रेणी-II—बैंजीन, साधारण जो बाणिज्यिक रूप में बैंजीन औद्योगिक श्रेणी-I के नाम से ज्ञात है। रसायन तथा घूमक के रूप में प्रयुक्त होगा।			
2.3	अभिकर्मक श्रेणी—सामग्री अपनी गंधीय पानी में अचिलेय परन्तु परिशुद्ध अलकोहल या अन्य में पूर्णतः मिश्रित योग्य विनिष्ठताओं सहित साफ रंगहीन द्रव होगी। ये निर्लंबित पदार्थों से मुक्त होगी।			
2.4	जब निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा अनुमोदित मानक प्रक्रिया के अनुसार नमूने लिए जाएं और परीक्षण किया जाए तब सामग्री नीचे सारणी में दी गई अपेक्षाओं को भी पूरा करेगी।			

सारणी

बैंजीन के लिए अपेक्षाएं

क्र. सं.	लक्षण	श्रेणी-I के लिए अपेक्षाएं	श्रेणी-II	अभिकर्मक श्रेणी
(1)	अपेक्षित घनत्व	0.877 से	0.872 से	—
(क)	15.5°/15.5° से, ग्रेड	0.884	0.882	
(ख)	27°/27° से, ग्रेड	0.866 से	0.861 से	0.871
		0.873	0.871	0.873
(2)	आसवन रेंज	तापमान (वातु बिन्दु के) बीच का अन्तर जिस पर लिए गए आयतन का 1 और 96 प्रतिशत संग्रहीत किया गया है 0.6° से, ग्रेड से अधिक नहीं होगा। इस रेंज में 80.1° से, ग्रेड तापमान भी सम्मिलित होगा।	तापमान (वातु बिन्दु) प्वाइंट के बीच का जिस पर लिए गये आयतन का 1 और 96 प्रतिशत संग्रहीत किया गया है, 1° से, ग्रेड से अधिक नहीं होगा। इस रेंज में 80.1° से, ग्रेड का तापमान भी सम्मिलित होगा।	95 प्रतिशत के अल्पतम 79.5° और 80.5° से ग्रेड के बीच आसदित हो जाएगा।

1	2	3	4	5
(3) जापनीकरण पर अक्षिाष्ट मि.ग्राम/ 100 मि.मी. अधिकतम।	5		5	0.002
(4) कुल गंधक प्रतिशत भार के अधिभार पर अधिकतम	0.015		0.1	--
(5) क्रिस्टलीकरण बिन्दु न्यूनतम	3.2° से. ग्रेड		--	5.5° से. ग्रेड से कम नहीं
(6) थियोपिन (गंधक के रूप में) प्रतिशत भार के आधार पर अधिकतम	0.01		--	0.00025

3. पैक करना और चिन्हांकन --

3.1 पैक करना--सामग्री, एंवर रंग के कांच के या सामग्री के गुणों के अनुरूप अन्य उपयुक्त डिब्बों में पैक की जायेगी। डिब्बे, शुष्क, भाप बेन्जीन में घुलनशील किसी भी पदार्थ से मुक्त तथा रिक्त रोधी से युक्त होंगे तथा नील करने समय निम्नलिखित पूर्वनिर्धारित बर्तनी जानी चाहिए, अर्थात् :-

- (1) डिब्बों में बल्ब करने के लिये खड़ के स्टापर या कम्पोजिशन कार्ड प्रयोग नहीं किये जायेंगे।
- (2) प्रत्येक डिब्बे के स्टापर पर असेद सामग्री का ढक्कन प्रयुक्त करके संरक्षित किया जायेगा जिससे कि बोतल के मुंह को नमी तथा धूल से दूर रखा जा सके। और उठाई धराई करने समय संरक्षित रखा जा सके।
- (3) सीलिंग वैक्स या अन्य प्लास्टिक सामग्री यदि प्रयोग किया जाता है तो उसे इस प्रकार से लगाया जायेगा जिससे कि डिब्बे को खोलने समय सामग्री को हूषित न करे।

3.2 चिन्हांकन--बेन्जीन के डिब्बे संरक्षित रूप से बंद किये जायेंगे और उन पर स्पष्ट रूप से निम्नलिखित शब्द प्रदर्शित होंगे--

"अत्यन्त ज्वलनशील द्रव

उपमा, विगारियों और उबाला से दूर रखें"।

6. एम्थासिन के लिये चिनिर्देश --

1. अपेक्षाएं

1.1 विवरण--

सामग्री आसुत कोल-तार के उपयुक्त भाग से प्राप्त की जायेगी। ये रंगहीन या नीले जामुनी फ्लोरोसेंट क्रिस्टलीय ठोस के रूप में अवसाद से मुक्त होगी।

1.2 सामग्री जब निर्यात निरीक्षण परिषद द्वारा अनुमोदित मानक प्रक्रिया के अनुसार नमूने लिए जाएं और परिक्षित किये जाएं तब नीचे दी गई सारणी में दी गई अपेक्षाओं के अनुरूप होगी।

सारणी

एम्थासिन के लिये अपेक्षाएं

क्रम सं.	लक्षण	अपेक्षाएं
(1) गलनांक बिन्दु		213° से. ग्रेड से 216.2° से. ग्रेड
(2) नार्मलिंग बिन्दु		340° से. ग्रेड से 351° से. ग्रेड

7. टीलुइन के लिए चिनिर्देश--

1. श्रेणियां--टोलुइन की तीन श्रेणियां होंगी जैसे--शुद्ध (मार्डिशन) श्रेणी, अशुद्ध श्रेणी तथा औद्योगिक निलायक श्रेणी।

2. शुद्ध (मार्डिशन) श्रेणी-- सामग्री, कोयले के कार्बोनाइजेन द्वारा उत्पादित गैस से प्राप्त कच्चे बेन्जीन या पेट्रोनिमम परिष्करण और पेट्रोसायन सक्रियाओं में उपोत्पाद से अत्यन्त की जायेगी।

2.1. अपेक्षाएं--सामग्री साफ और अवसाद निरक्षित सामग्री और अक्षिय जल से मुक्त होगी।

2.1.2 अशुद्ध श्रेणी-- सामग्री साफ, रंगहीन द्रव साक्षणिक गंध वाली, जल में अव्यवशील किन्तु परिशुद्ध एल्कोहल या ईथर में पूर्णतया मिश्रणीय होगी। ये निरक्षित पदार्थों से मुक्त होगी।

2.1.3 औद्योगिक होलक श्रेणी--सामग्री साफ और अवसाद निरक्षित पदार्थों और अक्षिय जल से मुक्त होगी।

2.1.4 सामग्री जब निर्यात निरीक्षण परिषद द्वारा अनुमोदित प्रक्रिया के दौरान नमूने किये जायें और परीक्षित किये जायें तब नीचे सारणी में दी गई अपेक्षाओं को पूरा करेगी।

सारणी
टोलहन के लिये अपेक्षाएं

क्रम सं.	लक्षण	गुद (नाइट्रोजन) श्रेणी	अधिकतम श्रेणी	औद्योगिक श्रेणी
1	2	3	4	5
(1)		0.870 से 0.874	—	0.860 से 875
	(क) 15.5°/15.5° में, ग्रेड पर अपेक्षित घनत्व			
	(ख) 27°/27° में, ग्रेड पर अपेक्षित घनत्व	0.859 से 0.863	0.859 से 0.862	859.0 से 0.864
(2)	आसवन रेंज	तापमान (वायु बिन्दु) के बीच का अन्तर जिस पर लिया गया घनत्व 1 और 96 प्रतिशत यदि गंभीर किया गया है, तो वह 0.6° में ग्रेड से अधिक नहीं होगा। इस रेंज में 110° से, ग्रेड का तापमान सम्मिलित होगा।	110° से, ग्रेड* (क) और 111° से, की तापमान रेंज में 0.4° से, ग्रेड में 95 प्रतिशत से अत्युत्तम से आसवित होगा।	(क) 105° से, ग्रेड तक मि.मी. (ख) 120° से, ग्रेड तक 90 मि. मी. न्यूनतम
(3)	वाष्पीकरण पर अवशिष्ट मि. ग्राम/ 100 मि. अधिकतम।	5	0.002	10.00
(4)	कुल गंधक प्रतिशत भार के आधार पर अधिकतम	0.1	—	0.2

* 760 मि.मी. पावर के बर्बाद के लिये तापमान सही होगा।

3. पैक करना और चिन्हांकन

3.1 पैक करना—सामग्री एंवर रंग के या सागरी के गुणों के अनुरूप अन्य उपयुक्त डिब्बों में पैक की जायेगी। सील करते समय निम्नलिखित
पूर्वसावधानियां बरती जानी चाहिए, अर्थात् :—

- (1) डिब्बों को बन्द करने के लिये रबड़ के स्टोपर या कम्पोजिशन कार्क का प्रयोग नहीं किया जायेगा।
- (2) प्रत्येक डिब्बों के स्टोपर पर अथवा सामग्री का टक्कन प्रयुक्त करके संरक्षित किया जायेगा जिससे कि बोतल के मुंह को तभी तथा धूल से दूर रखा जा सके और उठाई धराई करते समय संरक्षित रखा जा सके।
- (3) सीलिंग वैक्स या अन्य प्लास्टिक सामग्री का यदि प्रयोग किया जाता है तो उसे इस प्रकार से लगाया जायेगा जिससे कि डिब्बे को खोलते समय सामग्री को दूषित न करें।

3.2 विक्रीकृत टोलहन के डिब्बे सुरक्षित रूप से बन्द किये जायेंगे और उनपर स्पष्ट रूप से निम्नलिखित शब्द प्रदर्शित होंगे।

“अत्यन्त उच्चगुणिय ध्रुव

उष्मा, चिनगारियों और ज्वाला से दूर रखें”

8 एथिल एल्कोहल के लिए चिन्हांकन—

1. सामग्री पांच प्रकार की होगी, अर्थात् :—परिशुद्ध एल्कोहल, परिशोधित स्पिरिट, साधारण विद्युत्कीकृत स्पिरिट पावर एल्कोहल, और सुगंधशाला श्रेणी एल्कोहल।

2. एथिल एल्कोहल की विभिन्न किस्मों के लिए अपेक्षाएं सुगंध भारतीय भातकों के अनुसार होंगी, जो निम्न सारणी में दी गई हैं :—

सारणी

एथिल एल्कोहल की अपेक्षाएं

क्रम सं.	एथिल एल्कोहल का प्रकार	भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा जारी सुगंध चिन्हांकन
1	2	3
(1)	परिशुद्ध एल्कोहल	भा. मा. - 321--1964
(2)	पावर एल्कोहल	भा. मा. - 322--1962
(3)	परिशोधित स्पिरिट	भा. मा. - 323--1959
(4)	साधारण विद्युत्कीकृत स्पिरिट	भा. मा. - 324--1959
(5)	सुगंधशाला श्रेणी एल्कोहल	भा. मा. - 1049--1957

टिप्पण : उपरोक्त सारणी में स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट ऐंथिल एल्कोहल के किसी भी प्रकार के संबंध में यदि भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा सुसंगत विनिर्देशों का पश्चात्तवर्ती संस्करण है, तो ऐसे ऐंथिल एल्कोहल पर लागू विनिर्देश ऐसे नवीनतम संस्करण के होंगे और इसके स्तम्भ 3 की तत्संबंधी प्रविष्टि में उल्लिखित विनिर्देश नहीं होंगे।

9. जाहलीन के लिए निर्देश

1. अपेक्षाएं:

1.1 विवरण-- सामग्री बैन्जोन तथा टोलुइन को पृथक् करने के पश्चात् शुद्धिकरण करके तथा उपयुक्त खंडनों द्वारा कोक ओवन तथा भक्षकों में कोयले से उत्पन्न हुई गैस के निष्कर्षण द्वारा प्राप्त कच्चे बैन्जोन से व्युत्पन्न सामग्री होगी या पेट्रोकेमिकल संक्रियाओं या पेट्रोसियम परिष्करण के उपोत्पाद द्वारा प्राप्त की जाएगी। ये साफ होगी और निरुज्ज्वल पदार्थों और बिना धुले जल से मुक्त होगी। प्रयोगशाला अभिकर्मक श्रेणी या आईलीन (गंधक मुक्त) सैथनोल में मिश्रणीय होगी।

1.2 सामग्री के जब निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा तथा अनुमोदित मानक प्रक्रिया के अनुसार नमूने लिए जाते हैं और परीक्षण किया जाता है तब सामग्री नीचे सारणी में दी गई अपेक्षाओं के अनुरूप भी होगी।

सारणी

आईलीन के लिए विनिर्देश

क्रम सं.	लक्षण	अपेक्षाएं	प्रयोगशाला अभिकर्मक श्रेणी अपेक्षाएं
(i)	(क) 15.5°/15.5° से. ग्रेड	0.860 से. ग्रेड 0.975	---
	(ख) 27°/27° से. ग्रेड पर अपेक्षित घनत्व	0.850 से. ग्रेड 0.865	---
	(ग) चार प्रति मि. ली. 20° से. ग्रेड पर	---	0.850-0.856 ग्राम
(ii)	आबसतन श्रेणी	क्षपमान (बालू बिन्दु) के बीच का अन्तर जिस पर लिए गए आयतन का 1 प्रतिशत और 96 प्रतिशत संग्रहीत किया गया है 0.5° से. ग्रेड से अधिक नहीं होगा जब सूखे नमूने का परीक्षण किया जाता है। रेंज 137° से. ग्रेड तथा 145° से. ग्रेड के बीच होगा।*	
(iii)	वाष्पीकरण पर अवशिष्ट मि. ग्राम 100 मि. ली. अधिकतम।	10	--
(iv)	क्वथन रेंज (95 प्रतिशत)	--	137-142° से. ग्रेड
(v)	अशुद्धताओं की अधिकतम सीमाएं	--	
	(क) गंधक मिश्रण (सी एस 2)	--	0.0003%
	(ख) अवसतनीय पदार्थ	--	0.01 प्रतिशत
* 76 मि. ली. पारख के दाब से परिवर्तन के प्रत्येक 100 मि. ली. के लिए 0.7° से. ग्रेड का शुद्ध तापमान लागू होगा।			

2. पैक करना और बिम्बांकन

2.1 पैक करना--सामग्री एंबर रंग के या सामग्री के गुणों के अनुरूप अन्य उपयुक्त डिब्बों में पैक की जाएगी। सील करते समय निम्नलिखित पूर्वावधानियां बरती जाएंगी, अर्थात् :--

- (1) डिब्बों को बन्द करने के लिए रबर के स्टोपर या कम्पोजिशन कार्क का प्रयोग नहीं किया जाएगा।
- (2) प्रत्येक डिब्बों को स्टोपर पर प्रसेव सामग्री का ठककर प्रयुक्त करके संरक्षित किया जाएगा जिससे कि बोतल के मुह को नमी तथा धूल से दूर रखा जा सके और उठाई धराई करते समय संरक्षित रखा जा सके।
- (3) सीलिंग बैक्स या अन्य प्लास्टिक सामग्री का यदि प्रयोग किया जाता है तो उसे इस प्रकार से लगाया जाएगा जिससे कि डिब्बे को खोलते समय सामग्री को दूषित न करें।

2.2 बिम्बांकन--आईलीन के डिब्बे सुरक्षित रूप से बंद किए जाएंगे और उन पर स्पष्ट रूप से निम्नलिखित शब्द प्रदर्शित होंगे।

"अत्यन्त ज्वलनशील द्रव

उत्प्ला, विगारियों और ज्वाला से दूर रखें"

10. सोडियम साईट्रेट (नॉनफार्मा सिपोसिल) के लिए विनिर्देश

1. बर्णन--सामग्री रंगहीन क्रिस्टल या गंधक क्रिस्टलीन-चूर्ण के रूप में होगी। यह निर्जल होगी या इसमें क्रिस्टलीकरण जल के दो अणु सम्मिलित होंगे। ट्राइसोडियम साईट्रेट, एल. आर. श्रेणी छोटे सफेद क्रिस्टल या एक क्रिस्टलीन चूर्ण के रूप में होगी।

2. अपेक्षाएं

2.1 विलेयता--एक ग्राम निर्जलीय पदार्थ 1.5 मि. ली. जल में 25° से. ग्रेड पर और 0.6 मि. ली. जल में विलेय होगी।

2.2 सामग्री एल्कोहल में विलेय होगी। जल में ट्राइसोडियम साईट्रेट एल आर श्रेणी का 10 प्रतिशत घोल साफ और रंगहीन होगा।

2.3 जब निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा अनुमोदित मानक प्रक्रिया के अनुसार नमूने लिए जाते हैं और परीक्षण किया जाता है तब सामग्री नीचे सारणी में दी गई अपेक्षाओं के अनुरूप भी होगी।

सारणी

सोडियम साइट्रेट नॉनफार्मा सिपोसील के लिए प्रपेक्षाएँ

क्रम सं.	लक्षण	प्रपेक्षाएँ	प्रयोगशाळा अभिकर्मक
(i)	सूक्ष्म होने के आधार पर शुष्कता (सी 6 एच 5 एनए3 ओ7) सार के आधार प्रतिशत न्यूनतम।	99	99-100 प्रतिशत
(ii)	भाईता प्रतिशत सार के आधार पर अधिकतम		
	(क) निर्जल	1	--
	(ख) डिहाइड्रेट	13	--
(iii)	प्रकाशित्वीटी, प्रकटलेट और बीघ्र कार्बनीकृत होने योग्य पदार्थ।		*परीक्षण पास करने के लिए
(iv)	आर्सेनिक (एस) रूप में शुष्कता के आधार पर मि० ग्राम /कि० ग्राम अधिकतम	3	--
(v)	सीसा (पीबी) के रूप में शुष्कता के आधार पर मि. ग्राम/कि. ग्राम अधिकतम	10	--
(vi)	अशुद्धताओं की अधिकतम सीमा ग्रन्थीयता य. क्षारीयता	--	1 मि. ली. एन प्रतिशत
	क्लोराइड (सीएस) सल्फेट (एस ओप)	--	0.01 प्रतिशत
	सीसा (पीबी)	--	0.02 प्रतिशत
		--	0.001 प्रतिशत

* निम्नलिखित के लिए परीक्षण।

क्षारीयता--जस में सामग्री का 5 प्रतिशत घोल लिटमस पेपर के लिए क्षारीय किन्तु 0.2 मि.ली. गंधक अम्ल (0.1 एन) के मिलाने पर एक बूँद फिनोफथालीन से गुलाबी रंग उत्पन्न नहीं होगा।

अक्सेलेट--1 मि.ली. जल और 3 मि. ली. तनुकृत हाईड्रोक्लोरिक अम्ल के मिश्रण में एक ग्राम सामग्री घोलें। इसमें 90 प्रतिशत एल्कोहल का 4 मि. ली. और कैल्शियम क्लोराइड घोल का 4 बूँदे मिलाएँ एक घंटे के लिए रखें। यह मिश्रण साफ रहेगा।

तैयार कार्बनीकृत पदार्थ :--परीक्षण सूची में 10 मि. ली. गंधक अम्ल (एस एस ओप) का 94.5 से 95.5 प्रतिशत लें और एक ग्राम सामग्री मिलाएँ। जबतक पानी में एक घंटे तक गर्म करें। हल्के भूरे रंग से अधिक रंगदार पदार्थ नहीं मिलेगा।

2. पैक करना--सामग्री अच्छी तरह से ऋ डिब्बों में सुरक्षित रूप से पैक की जाएगी जिसमें प्रकाश और आद्रता की कम से कम पहुंच हो। डिब्बे ऐसे होंगे कि जिससे अस्तवस्तु धातु या अन्य अशुद्धताओं के संवर्धन से निवारित रहे।

[फाइल सं. 6(9)/90-ईमार्ड एण्डईपी]

MINISTRY OF COMMERCE ORDERS

New Delhi, the 3rd January, 1992

S.O. 190.—Whereas in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government had formulated certain proposals for amending the notification of the Government of India in the late Ministry of Commerce and Civil Supplies, No. S.O. 1197 dated the 15th April, 1966 relating to Organic Chemicals, and published in the Gazette of India, Part-II, Section, 3, Sub-Section (ii) dated the 20th July, 1991 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 1994 dated 3rd July, 1991 as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

And whereas the objections or suggestions with respect to the said proposals were invited within forty-five days

of the publication of the said Order in the Official Gazette from all persons likely to be affected thereby;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on 30th July, 1991;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said proposals have been considered by the Central Government.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, hereby makes the following amendment in the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 1197, dated the 15th April, 1966, namely :—

For Annexure-II, the following shall be substituted, namely :—

ANNEXURE-II

1. Specification of Acetic Acid.

1. Grades.—There shall be four grades of acetic acid, namely technical, pure, analytical reagent and laboratory reagent grade.

2. Requirements—

2.1 Description.—The technical grade material shall be either colourless or pale straw in colour. It shall not be darker than a freshly prepared solution of potassium dichromate obtained by dissolving 0.0030 gm. of pure potassium dichromate in 1000 ml. of water. The laboratory reagent grade shall not be more than 10 Hazen units in colour. The pure and analytical grade of the material shall be colourless.

2.2 The materials shall comply with the requirement given in the table below when sampled and tested as per the standard procedure approved by the Export Inspection Council.

TABLE
Requirement of Acetic Acid

Sl. No.	Characteristics	Technical grade	Pure grade.	Requirements Analytical Reagent grade.	For Laboratory Reagent grade.
1	2	3	4	5	6
(i)	Solubility in water	—	shall be completely mixible.	No turbidity within one hour.	—
(ii)	Acetic acid content (CH_3COOH) percent by weight min.	98.0	99.5	99.7	99.5
(iii)	Crystallizing point $^{\circ}\text{C}$ min.	—	15.6	16.0	15.8
(iv)	Chlorides (as Cl) ppm max.	35	15	1	5
(v)	Residue on evaporation per cent by weight max.	0.02	0.01	0.001	0.01
(vi)	Iron (as Fe) ppm max.	—	2	1	1
(vii)	Sulphates (as SO_4) max.	—	—	1	5
(viii)	Heavy metal (including iron) calculated as Pb , ppm. Max.	—	—	2	1
(ix)	Formic Acid (HCOOH) per cent by weight max.	0.35	0.15	—	0.1
(x)	Acetaldehyde (CH_3CHO) per cent by weight max.	0.15	0.05	—	—
(xi)	Arsenic (as As) per cent weight max.	—	—	—	0.001
(xii)	Weight per ml at 20°C .	—	—	—	1.048 to 1.050 gm

3. Packing and marking for export—

(i) Packing—The material shall be packed in suitable containers as agreed to between the buyer and the exporter

(ii) Marking—The containers of the acetic acid shall be securely closed and shall be suitably marked showing the weight, name and grade of the acetic acid and these shall also prominently display the words.

“CORROSIVE—VAPOUR AND LIQUID DANGEROUS TO EYES”

2. Specification for Hydroquinone.

1. Grades—There shall be three grades of hydroquinone, namely photographic, technical and laboratory reagent grade.

2. Requirements

2.1 For photographic grade

2.1.1 Physical appearance—The material shall be in the form of shining white or cream white needles, free from dirt and other extraneous impurities.

2.1.2 Appearance of solution in Dilute Acetic Acid. A 5% solution in the dilute acetic acid (1.19) at room temperature shall be clear and almost colourless or light straw coloured solution.

2.2 For Technical grade—The technical grade material shall be in the form of slightly brownish needles free from dirt and extraneous impurities.

2.3 For Laboratory Reagent Grade—The laboratory Reagent grade material shall be colourless or a most colourless crystals crystalline powder. Laboratory Reagent grade, 4% solution in water is clear and not more than faintly coloured.

2.4 General—The material shall also comply with the requirement given in the table below, when sampled and tested as per the standard procedure approved by the Export Inspection Council.

TABLE
REQUIREMENTS FOR HYDROQUINONE

Sl. No.	Characteristics	Photographic grade	Technical grade	Laboratory grade
(i)	Hydroquinone content per cent by weight min.	99.0	97.5	99.101
(ii)	Melting point	171°C to 175°C	—	170—174°C
(iii)	Sulphated ash per cent	0.10	0.75	0.05
(iv)	Sulphate (SO ₄) per cent by weight max.	0.075	—	0.05
(v)	Iron (as Fe), per cent by weight max.	0.002	0.001	—
(vi)	Phrocatechol per cent by weight max.	—	—	0.05

2.5 Packing—The material shall be packed in air-tight containers so as to protect the contents from light.

3. Specification for Oxalic Acid. Grades—There shall be three grade of the Oxalic acid namely, technical, analytical and laboratory reagent.

2. Requirements

2.1 Description—The material shall be in the form of colourless crystals and free from effere_sence. When heated, it shall volatilize without charring.

2.2 Solubility—Dissolve 5.0 g of the material in 50 ml. of warm water. A clear colourless solution shall be produced without sediment.

2.3 The material shall also comply with the requirements given in the Table below, when sampled and tested as per the standards procedure approved by the Export Inspection Council.

TABLE
Requirements for Oxalic Acid

Sl. No.	Characteristics	Requirement for Grade		
		Technical	Analytical Reagent	Laboratory Reagent
(i)	Oxalic acid (CO OH) ₂ 2H ₂ O per cent by weight min.	96.0	99.8	99.5
(ii)	Sulphated ash, per cent by weight max.	0.5	0.01	0.1
(iii)	Chlorides (as Cl), per cent by weight max.	0.1	0.001	0.005
(iv)	Sulphates (as SO ₄) percent by weight max.	0.1	0.01	0.02
(v)	Heavy metals (as pb) percent by weight max.	—	0.0005	—
(vi)	Nitrogen compounds (as N) per cent by weight max.	—	0.001	—
(vii)	Iron as (Fe) per cent by weight max.	0.5	0.0005	—
(viii)	Calcium (as Ca) per cent by weight max.	—	0.02	—
(ix)	Magnesium (as Mg) per cent by weight max.	—	0.003	—
(x)	Heavy metals and Iron (Fe) per cent by weight max.	—	—	0.005

4. Specification for Naphthalene.

1. Grades—There shall be three grades of Naphthalene, namely Grade-I Naphthalene (pure), Grade II Naphthalene (hot, pressed) and Naphthalene L.R. Grade.

2. Requirements

2.1 Description Grade I Material consist of prime white balls, blocks, flakes or crystalline powder and shall be free from dirt or oily impurities. It shall not produce any stain in contract with woollen fabrics when tested as prescribed below.

2.1.1 Wrap a small quantity of material tightly in a piece of white serge, and maintain it at 50°C±1°C for 4 hours. Then examine the piece of serge for stains, if any.

2.2 Grade II material may be obtained by not pressing centrifuging etc. It shall be white to light brown in colour and shall consist of lumps, blocks or granules. The colour shall however, be not darker than a solution of 20 mg. of potassium iodine in 100ml. mater.

2.3 Naphthalene LR. Grade shall be white or almost white crystalline powder and its 10% solution in warm ethanol would be clear.

2.4 The material shall also comply with the requirements given in the Table below. When sampled and tested as per the standard procedure approved by the Export Inspection Council.

TABLE
Requirements for Naphthalene

Sl. No.	Characteristics	Requirement		Laboratory Reagent Grade
		Grade-I	Grade-II	
1	2	3	4	5
(i)	Crystallizing points °C Min.	74.4	78.5	79.5-80°C
(ii)	Moisture content, per cent by weight Max.	0.2	0.2	—
(iii)	Ash, per cent by weight Max.	0.2	0.2	0.05
(iv)	Total sulphur, percent by weight, Max.	—	0.02	—
(v)	Total Nitrogen content per cent by weight max.	—	0.02	—
(vi)	Minimum Assay GLC.	—	—	99%

5. Specification for Benzene.

1. Grades—There shall be three Grades of Benzene, namely Grade-I, Grade-II and Reagent Grade.

1.2 Description—The material shall be derived by suitable fraction and refining by washing with acid or hydro refining of crude benzole recovered from the gas produced by carbonization of coal in a coke over the retorts or recovered as by production petroleum refining or petro-chemical operations. It shall be clear and free from suspended matter and undissolved water.

2. Requirements:

2.1 Grade-I Benzene pure used as raw materials in the manufacture of alkylated, nitrated and halogenated organic intermediate for the petrochemicals dye stuffs and fine chemical industries.

2.2 Grade-II Benzene, Ordinary (commercially known as benzole Industrial grade I) used as a chemical and solvent.

2.3 Reagent grade—The material shall be clear, colourless liquid with characteristic odour, insoluble in water but completely mixible with absolute alcohol or ether. It shall be free from suspended matter.

2.4 The material shall also comply with the requirements given in the Table below, when sampled and tested as per the standard procedure, approved by the Export Inspection Council.

Requirements for Benzene

S.No.	Characteristics	Requirement for		Reagent Grade
		Grade-I	Grade-II	
1	2	3	4	5
(i)	Specific gravity at (a) 15.5°/15.5°C (b) 27°/27°C	0.877 to 0.844 0.866 to 0.873	0.872 to 0.882 0.861 to 0.871	— 0.871 to 873
(ii)	Distillation range.	The difference between the temperature (running) points at which 1 and 96 percent of the volume taken have been collected shall not exceed 0.6°C. This range shall include the temperature 80.1°C.	The difference between the temperature (running points) at which 1 and 96 percent of the volume taken have been collected shall not exceed 1°C. This range shall include the temperature of 80.1°C.	Not less than 95 per cent shall distill over between 79 °C & 80.5° C.
(iii)	Residue on evaporation mg/100 ml Max.	5	5	0.002
(iv)	Total sulphur percent by weight Max.	0.015	0.1	—
(v)	Crystallizing point Min.	5.2°C	—	Not less than 5° C.
(vi)	Thiophene (as sulphur) per cent by weight Max.	0.01	—	—0.00025.

3. Packing and Marking. :

3.1—Packing—The material shall be packed in amber coloured Glass or other suitable containers compatible with the properties of the material. The containers shall be dry, clean, free from any substance soluble in Benzene, and leak proof, while sealing, the following precautions shall be observed, namely:—

(1) Rubber stoppers or composition corks shall not be used for closing the containers.

(2) Each container shall be protected by a cover of a suitable impervious material over the stopper to keep away moisture and dust from the mouth of the bottle and to protect it while being handled.

(3) Sealing wax or other plastic material, if used, shall be applied in such a way that it does not contaminate the material when the containers are opened.

3.2 Marking—The containers of Benzene shall be securely closed and shall also prominently display the words—
"HIGHLY FLAMABLE LIQUID KEEP A WAY FROM HEAT, SPARKS AND OPEN FLAME".

6. Specifications for Anthracene

1. Requirements

1.1 Description

The material shall be obtained from the suitable fraction of coal tar distillate. It shall be in the form of colourless or blue violet fluorescent crystalline solid, free from sediments.

1.2 The material shall conform to the requirements given in the Table below when sampled and tested as per the standard procedure approved by the Export Inspection Council.

TABLE
Requirements for Anthracene

Sl.No.	Characteristics	Requirement
(i)	Melting point	213°C to 216.2°C
(ii)	Boiling point	340°C to 351°C.

7. Specification for Toluene.

1. Grades—There shall be three grades of Toluene, namely Pure (nitration) Grade Reagent Grade, and Industrial Solvent Grade.

2. Pure (Nitration) Grade—The material shall be derived from crude benzol recovered from the gas produced by coal carbonization or recovered as a by-product in petroleum refining and petrochemical operations.

2.1 Requirements—The material shall be clear and free from sediment, suspended matter and undissolved water.

2.1.2 Reagent Grade—The material shall be clear, colourless liquid, with characteristic odour, insoluble in water but completely miscible with absolute alcohol or other. It shall be free from suspended matter.

2.1.3 Industrial solvent grade—The material shall be clear and free from sediment, suspended matter and undissolved water.

2.1.4 The material shall also comply with the requirements given in the table below, when sampled and tested as per the standard procedure approved by the Export Inspection Council.

TABLE
Requirements for Toluene

Sl. No.	Characteristics	Pure (nitration) Grade	Reagent Grade	Industrial solvent Grade
1	2	3	4	5
(i)	Specific gravity at	0.870 to 0.874	—	0.860 to 0.875.
	(a) 15.5°/15.5°	0.859 to 0.863	0.859 to 0.862	0.849 to 0.864.
	(b) 27°/27° C.			
(ii)	Distillation range	The difference between the temperature (running points) at which 1 and 96% of the volume taken have been collected shall not exceed 0.6° C. This range shall include the temperature of 110.6° C.	Not less than 95% shall distill over in 0.4°C in the temperature range of 110° C and 111° C.	*(a) Up to 105°C, 5 ml. (b) Up to 120°C, 90 ml. Min.
(iii)	Residue on evaporation mg/100ml. Max.	5	0.002	10.00
(iv)	Total sulphur percent by weight Max.	0.1	—	0.02

*The temperature being corrected for a pressure of 760 mm. Hg.

3. Packing and Marking

3.1 Packing—The material shall be packed in amber-coloured or other suitable containers compatible with the properties of the material. While sealing the following precautions shall be observed, namely:—

(1) Rubber stoppers or composition corks shall not be used for closing the containers.

(2) Each container shall be protected by a cover of a suitable impervious material over the stopper to keep away moisture and dust from the mouth of the bottle and to protect it while being handled.

(3) Sealing wax or other plastic material, if used, shall be applied in such a way that does not contaminate the material when the containers are opened.

3.2 Marking—The containers of toluene shall be securely closed and shall also prominently display the words—

“HIGHLY FLAMABLE LIQUID
KEEP AWAY FROM HEAT, SPARKS AND OPEN FLAME”.

8. Specification for Ethyl Alcohol.

1. The material shall be in five types, namely:—

Absolute alcohol, rectified spirit, ordinary denatured spirit, power alcohol and perfumery grade alcohol.

2. The requirements for various types of ethyl alcohol shall be as per the relevant Indian Standard given in the Table below:—

TABLE
Requirements for Ethyl Alcohol

S.No.	Type of Ethyl Alcohol	Relevant specification issued by the Bureau of Indian Standards
1	2	3
(1)	Absolute alcohol	IS—321—1964
(2)	Power Alcohol	IS—322—1952
(3)	Rectified Spirit	IS—323—1959
(4)	Ordinary denatured spirit	IS—324—1959
(5)	Alcohol perfumery grade	IS—1049—1957

NOTE:—If in respect of any type of Ethyl Alcohol specified in column No. 2 of the above table, there is any later version of the relevant specifications by the Bureau of Indian Standards, the specification applicable to such ethyl alcohol shall be the latest of such versions and not the specifications mentioned in the corresponding entry in column 3 thereof.

9. Specification for Xylene.

1. Requirements

1.1 Description—The material shall be derived from crude benzene obtained by extraction of the gas produced from coal in coke ovens and retorts, by suitable fractionation and refining after the removal of benzene and toluene or recovered as by product in petroleum refining or petrochemical operations. It shall be clear and free from suspended matter and undissolved water. Laboratory Reagent Grade or Xylene (Sulphur free) shall be mixible with methanol.

1.2 The material shall also comply with requirements given in the Table below, when sampled and tested as per the standard procedure approved by the Export Inspection Council.

TABLE
SPECIFICATION FOR XYLENE

S.No.	Characteristics	Requirement	Laboratory Reagent grade requirement.
(i)	Specific gravity at		
	(a) 15.5/15.5° C	0.860 to 0.975	—
	(b) 27/27° C	0.850 to 0.865	—
	(c) Weight per ml. at 20° C.	—	0.850 — 0.856 gm.
(ii)	Distillation range	The difference between the Temperature (running points) at which 1 percent and 96 percent of the volume taken have been collected shall not exceed 5° C when the dried sample is tested. The range shall be between 137° C and 145° C.*	
(iii)	Residue on evaporation mg/100ml. Max.	10	—
(iv)	Boiling range (95%)	—	137—142° C.
(v)	Maximum Limits of impurities.		
	(a) Sulphur compounds (Cs)	—	0.0003 %
	(b) Non-volatile matter	—	0.01 %
* A temperature correction of 0.7° C for every 100 mm change of pressure from 76 mm of mercury shall be applied.			

2. Packing and marking

2.1 Packing—The material shall be packed in amber coloured or other suitable containers compatible with the properties of the material. While sealing, the following precautions shall be observed, namely:—

(1) Rubber stoppers or composition corks shall not be used for closing the containers.

(2) Each container shall be protected by a cover of a suitable impervious material over the stopper to keep away moisture and dust from the mouth of the bottle and protect it while being handled.

(3) Sealing wax or other plastic materials, if used, shall be applied in such a way that it does not contaminate the material when containers are opened.

2.2 Marking—The container of Xylene shall be securely closed and shall also prominently display the words—

"HIGHLY FLAMABLE LIQUID

KEEPAWAY FROM HEAT, SPARKS AND OPEN FLAME".

10. Specification for Sodium Citrate (non-pharmaceutical)

1. Description

The material shall be in the form of colourless crystals or white crystalline powders. It shall be anhydrous or may contain two molecules of water of crystallization. Trisodium Citrate L.R. Grade shall be in the form of small white crystals or a crystalline powders.

2. Requirements

2.1 Solubility

One gram of dehydrated material shall be soluble in 1.5 ml of water at 25° C and in 0.6 ml of boiling water.

2.2 The material shall be insoluble in alcohol 10% solution of Trisodium citrate WR Grade in water shall be clear and colourless.

2.3 The material shall also conform to the requirements given in the Table below, when sampled and tested as per the standard procedure approved by the Expert Inspection Council.

TABLE
Requirements for Sodium Citrate (Non-Pharmaceutical)

S.No.	Characteristics	Requirement	Laboratory Reagent
1	2	3	4
(i)	Purity ($C_6H_5NaO_7$) on dry basis percent by weight, Min.	99	99—100%
(ii)	Moisture percent by weight Max.		
(a)	Anhydrous	1	—
(b)	Dehydrate	13	—
(iii)	Alkalinity, oxalate and substances, readily carbonisable.	To pass the test *	—
(iv)	Arsenic (as As) on dry basis mg/kg. Max.	3	—
(v)	Lead (as Pb) on dry basis mg/kg. Max.	10	—
(vi)	Maximum Limits of impurities acidity or Alkalinity	—	1 ml N%
	Chloride (Cl)	—	0.01%
	Sulphate (SO_4)	—	0.02%
	Lead (Pb)	—	0.001%

*Test for—

Alkalinity : A 5 per cent solution of the material in water in alkaline to litmus paper^b after the addition of 0.2 ml. of sulphuric acid (0.1N) no pink colour shall be produced by one drop of phenolphthalein.

Oxalate—Dissolve one gram of the material in a mixture of 1 ml. of water and 3 ml. of dilute hydrochloric acid. Add to it 4 ml of 90 per cent alcohol and 4 drops of calcium chloride solution. Allow to stand for one hour. The mixture shall remain clear.

Readily carbonisable substances—

Taking 10 ml. of sulphuric acid (94.5 to 95.5) per cent of H_2SO_4 in a test tube and, add one gram of the material. Heat in a boiling water bath for one hour. Not more than a pale brown colour shall produce.

3. Packing—The material shall be securely packed in well filled containers with minimum access to light and moisture. The containers shall be such as to preclude contamination of contents with metals or other impurities".

[F.No. 6/9/90-EI&EP]

Footnote:

The principal notification was published vide S.O. No. 1197 dated 15th April, 1966.

का. प्र. 191.—केन्द्रीय सरकार ने, नियमित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) को धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का. प्र. 1153 तारीख 9 अप्रैल, 1988 का संशोधन करने के लिए कतिपय प्रस्ताव बनाए हैं और उन्हे नियमित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उप नियम (2) को अपेक्षानुसार भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का. प्र. 2029 तारीख 27 जुलाई, 1991 के अन्तर्गत भारत के राजपत्र, भाग II खंड 3, उप खंड (ii) तारीख 27 जुलाई, 1991 में प्रकाशित कर दिया गया ;

ऐसे सभी व्यक्तियों से जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी उक्त आदेश के राजपत्र में प्रकाशन से पंचाशीस दिन के भीतर आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे ;

उक्त राजपत्र की प्रतियां जनता को 12 अगस्त, 1991 को उपलब्ध करा दी गई थी ;

उक्त प्रस्तावों पर जनता में कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, नियमित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) को धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नियमित निरीक्षण परिषद् से परामर्श करने के पश्चात् भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय का अधिसूचना सं. का. प्र. 1153 तारीख 9 अप्रैल, 1988 में इसके द्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में मद सं. 1C, "हिमाचलित मछली और मछली उत्पादों के अन्य प्रतिनिदिष्ट मछों के लिए विनिर्देश" के स्थान पर निम्नलिखित रखा जायेगा अर्थात्

"10. हिमशानित मछली और मछली उत्पादों के अन्य किसी अधिनियमित मदों के लिए विनिर्देश

"साधारण—हिमशानित मछली और मछली उत्पादों का अन्य किसी अधिनियमित मदों के मामलों में क्रेता और विक्रेता के बीच करार पाए विनिर्देश लागू होंगे, परन्तु यह तब, जबकि ये आयात करने वाले देश को खाद्य विधियों, यदि कोई हों, के अनुकूल हों। ऐसे विनिर्देशों के अभाव में निर्यात निरीक्षण परिषद् द्वारा नियुक्त विशेषज्ञों के पैनल द्वारा अनुमोदित विनिर्देश लागू होंगे, परन्तु यह तब जबकि ऐसे विनिर्देश आयात करने वाले देश को खाद्य विधियों, यदि कोई हों, के अनुकूल हों।

इस प्रयोजन के लिए विशेषज्ञों का पैनल निम्नलिखित से मिलकर बनेगा : --

- (क) सामुद्रिक उत्पाद नियंत्रण विकास प्राधिकरण से एक प्रतिनिधि।
- (ख) केन्द्रीय मछली उद्योग प्रोद्योगिकी संस्थान से एक प्रतिनिधि।
- (ग) सीफूड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन से एक प्रतिनिधि।
- (घ) निर्यात निरीक्षण अधिकरण से एक अधिकारी।

टिप्पण : सभी हिमशानित मछली तथा मछली उत्पादों की दशा में किसी अधिनियमित प्रकार और किस्म के लिए कोड सूचियों में वास्तविक पूरा नाम दिया जाएगा।

[फाइल सं. 6/12/84-ई आई एण्ड ई पी]

ए.के. चौधुरी, निदेशक

पाठ टिप्पण :—मूल अधिसूचना भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) में का. धा. सं. 1153 तारीख 9 अप्रैल, 1988 द्वारा 1550-1583 पृष्ठों पर तारीख 9 अप्रैल, 1988 को प्रकाशित की गई थी।

S.O. 191.—Whereas, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government had formulated certain proposal for amending the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 1153, dated 9th April, 1988 and published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated 27th July, 1991 under the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 2029, dated the 27th July, 1991 as required by Sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

And whereas objections and suggestions were invited within forty-five days of the publication of the said Order in the Official Gazette from all persons likely to be affected thereby;

And whereas copies of the said Gazette were made available to the public on 12th August 1991;

And whereas no objections or suggestions have been received from the public on the said proposal;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government, after consulting the Export Inspection Council, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce, No. S.O. 1153, dated the 9th April, 1988, namely :—

In the said notification, for item No. 10, SPECIFICATION FOR ANY OTHER UNSPECIFIED ITEMS OF FROZEN FISH AND FISHERY PRODUCTS, the following shall be substituted, namely :—

"10. SPECIFICATION FOR ANY OTHER UNSPECIFIED ITEMS OF FROZEN FISH AND FISHERY PRODUCTS

General—In the case of any other unspecified items of frozen fish and fishery products, the specifications agreed to between the buyer and seller shall be applicable provided these conform to the Food Laws, if any, of the importing country. In the absence of such specifications, the specifications approved by the panel of experts appointed by the Export Inspection Council, provided such specifications conform to the Food Laws, if any, of the importing country, shall be applicable.

For this purpose, panel of experts shall consist of—

- (a) a representative from Marine Product Export Development Authority;
- (b) a representative from Central Institute of Fisheries Technology;
- (c) a representative from Seafood Exporters Association; and
- (d) an officer from Export Inspection Agency.

Note :—For any unspecified type and variety, the actual name in full shall be given in the code slips in the case of all frozen fish and fishery products".

[F. No. 6/12/84-EI&EP]

A. K. CHAUDHAURI, Director

Foot Note :—The principal Notification was published vide No. S.O. 1153 dated 9th April, 1988 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) at pages 1550—1583 dated 9th April, 1988.

खाद्य एवं नागरिक पूर्ति मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति विभाग)

भारतीय मानक ब्यूरो

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर, 1991

का. धा. 192.—भारतीय मानक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) का खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्-द्वारा अधिसूचित करता है कि निम्नलिखित भारतीय मानक/मानकों, का/के बिबरन नीचे अनुसूची में दिया गया है/दिए गए हैं, बहु/बे विना को स्थापित हो गया है/हो गए हैं।

अनुसूची

क्रम सं.	स्थापित भारतीय मानक (कोड) की संख्या, वर्ष और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा प्रतिस्थापित टिप्पणी, यदि कोई हो भारतीय मानक अथवा मानकों, यदि कोई हों, की सं. और वर्ष
(1)	(2)	(3)
		(4)
1.	आई एस : 896-1991 हथकरघे के ऊनी कम्बल सूमस्टेट (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 896--1957 1991-06-30
2.	आई एस : 1110-1990 फेरामिलि कान—विशिष्ट (चौथा पुनरीक्षण)	आई एस : 1110--1981 1991-05-31

(1)	(2)	(3)	(4)
3. आई एस : 1448 (पृ : 137)---	1991 पेट्रोलियम और उसके उत्पाद पर करण की विधियाँ (भाग 137) आयुधानों टरबाइनों के ईंधन के जलदायक अभिलक्षण	--	1991-05-31
4. आई एस : 2039 (भाग 1 से 3)---	1991 बाह्य सफाई और साहकिल रिकशा के लिए इ स्थात के पाह्य विनिष्टि (इसरा पुनरक्षण)	आई एस : 2039--1981	1991-06-30
5. आई एस : 3211---	1991 इजोनियरों के इहाइय यंत्र, पेन प्वाइंट--विनिष्टि (पहला पुनरक्षण)	आई एस : 3211--1965	1991-06-30
6. आई एस : 3215---	1991 इजोनियरों के इहाइय यंत्र-सूची प्वाइंट--विनिष्टि (पहला पुनरक्षण)	आई एस : 3215--1965	1991-06-30
7. आई एस : 3460---	1991 नूल्ड डिबरो विनिष्टि (पहला पुनरक्षण)	आई एस : 3460--1972	1991-07-31
8. आई एस : 4027 (भाग 8)---	1991 कांसे के रासायनिक विश्लेषण की विधियाँ भाग 8 लोहे का निग्रहण (पहला पुनरक्षण)	आई एस : 4027--1967	1991-06-30
9. आई एस : 4338---	1991 घरेलू सिलाई मशीन के लिए ऊर्जाधर बोलन गडल-विनिष्टि (इसरा पुनरक्षण)	आई एस : 4338--1974	1991-06-30
10. आई एस : 4886---	1991 औद्योगिक अथर्वों की भाग से सुरक्षा : भाग का फैक्ट्रियाँ--रोसि संहिता (पहला पुनरक्षण)	आई एस : 4886--1968	1991-06-30
11. आई एस : 5553 (भाग 6)---	1990 रिफक्टर-विनिष्टि भाग 6 भूतंत्रकन ट्रांसफार्मर (स्पूटलकपलर) (पहला पुनरक्षण)	आई एस : 5553--1982	1991-08-31
12. आई एस : 7404 (भाग 2)---	1991 कागज से बने कागज यंत्र विनिष्टि भाग 2 आयताकार चालक (पहला पुनरक्षण)	आई एस : 7404 (भाग 2)--1991 आई एस : 1666--1961	1991-04-30
13. आई एस : 7531---	1990 शल्यक्रिया के यंत्र-संक्षारण प्रतिरोधी स्टेनलैस इस्पात के शल्यक्रिया यंत्र-परिक्षण विधियाँ (पहला पुनरक्षण)	आई एस : 7531--1975	1991-06-31
14. आई एस : 8335---	1991 हृदयवाहिनी शल्यक्रिया यंत्र-कलैम्प, स्टेनलैस पेटन- राइज, आकार आयाम (पहला पुनरक्षण)	आई एस : 8335--1977	1991-06-30
15. आई एस : 8583---	1991 शल्यक्रिया के यंत्र-पिसनलिका विस्फारक, वैक्स पेटन-विनिष्टि (पहला पुनरक्षण)	आई एस : 8583--1977	1991-04-30
16. आई एस : 9588---	1990 कपटन-नियर-विनिष्टि (पहला पुनरक्षण)	आई एस : 9588--1980	1991-06-30
17. आई एस : 10062---	1991 यांत्रिक बुझा द्वारा खुली खानों की चट्टानों की इकाई दर के विश्लेषण का प्रोफार्मा (पहला पुनरक्षण)	आई एस : 10062--1981	1991-07-31
18. आई एस : 10358---	1991 कार्बन ब्लैक, सुपर एबेशन फार्नेस (ए ए (एस-110)-विनिष्टि (पहला पुनरक्षण)	आई एस : 10358--1982	1991-05-31
19. आई एस : 10738 (भाग 2/खंड 2)---	1989 वेब ग्राइड के लिए फ्लैज-विनिष्टि भाग 2 साधारण आयताकार वेब ग्राइड के लिए फ्लैज खंड 2 फ्लैज टाइप ए	--	1991-04-30
20. आई एस : 10738 (भाग 2/खंड 5)---	1989 वेब ग्राइड के लिए फ्लैज-विनिष्टि भाग 2 साधारण आयताकार वेब ग्राइड के लिए फ्लैज खंड 5 फ्लैज टाइप डी	--	1991-03-31
21. आई एस : 10738 (भाग 5/खंड 1)---	1991 वेब ग्राइड के लिए फ्लैज-विनिष्टि भाग 5 मध्यम कपटे वेब ग्राइड की फ्लैज खंड 1 सामान्य	--	1991-05-31
22. आई एस : 10738 (भाग 6/खंड 1)---	1991 वेब ग्राइड के लिए फ्लैज-विनिष्टि भाग 6 वर्गाकार वेब ग्राइड की फ्लैज खंड 1 सामान्य	--	1991-06-30
23. आई एस : 10738 (भाग 6/खंड 2)---	1991 वेब ग्राइड के लिए फ्लैज की विनिष्टि भाग 6 वर्गाकार वेब ग्राइड की फ्लैज खंड 2 फ्लैज टाइप के	--	1991-07-31
24. आई एस : 1255 (भाग 5)---	1990 स्प्रिंग स्प्रिंग से लस्सर्न के मापन की विधियाँ भाग 5 कुल पञ्चो-राइड	--	1990-10-31
25. आई एस : 12308 (भाग 6)---	1991 कच्चे और ढलवाँ लोहे के रासायनिक विश्लेषण की विधियाँ भाग 6 सिलिका निर्धारण की आराधक विधि (0.1 से 6.0 प्रतिशत के लिए)	--	1991-06-30

(1)	(2)	(3)	(4)
26. आई एस : 12308 (भाग 10)-- 1991 कच्चे और डलवां लोहे के रासायनिक विश्लेषण की विधियाँ भाग 10 मैंगनीज का निर्धारण (7.0 प्रतिशत तक) की आर्सेनाइट विधि द्वारा	--		1990-05-31
27. आई एस : 13023-- 1991 एन्जाइम रेडॉक् (पेटोय) -- विधिपट्टि	--		1991-06-30
28. आई एस : 13044-- 1991 प्रजनन क्षेत्र के ताजे एकलिंग बीजों की तकनीकी प्रयोगाएँ	--		1991-05-31
29. आई एस : 13052-- 1991 आन्तरिक दहन इंजन-सिलिंडर आन्तर गुणता अभिलक्षण	--		1991-06-10
30. आई एस : 13054-- 1991 फॅरीलायज के उत्पादन के लिए क्वाटैरिड/क्वाटैज-विधिपट्टि	--		1991-05-31
31. आई एस : 13063-- 1991 चट्टान पर कम गहरी नींव वाले भवनों की संरचनात्मक सुरक्षा-रहित संहिता	--		1991-05-31
32. आई एस : 13065-- 1991 बल्क हैंडलिंग उपस्कर-बैगन मार्शलिंग उपस्कर-सिरा विह्वल रस्ते; टाइन- सामान्य प्रयोगाएँ	--		1991-05-31
33. आई एस : 13066-- 1991 विद्युत उपयोगों के लिए कांच बुने कपड़े पर आधारित प्रापेग-विधिपट्टि	--		1991-05-31
34. आई एस : 13076-- 1991 डाक पैलों को खोलने के लिए हथदाली-विधिपट्टि	--		1991-05-31
35. आई एस : 13079-- 1991 स्टीपिंग मोटर-विधिपट्टि	--		1991-06-10
36. आई एस : 13090-- 1991 मोटर वाहन व्यापारिक वाहन-कलब हाईड्रोलिक-आयाम	--		1991-05-31
37. आई एस : 13096-- 1991 फास्टर-प्रूफ कारमानों सहित डिब्रे-कम अन्तराल वाले पूर्णिया- यांत्रिक गुणधर्म	--		1991-06-10
38. आई एस : 13108 (भाग 1)-- 1991 प्रकाशिकी पंख-सूक्ष्मदर्शियों भाग 1 प्रकाश सूक्ष्मदर्शिकी के सामान्य प्रयोग के लिए मज्जन तेल	--		1991-06-30
39. आई एस : 13114-- 1991 जंकल कार्पी के लिए फॉजित गेट, ग्लोब और जंक वाल्व-विधिपट्टि	--		1991-06-30
40. आई एस : 13115-- 1991 सामान्य प्रयोग के लिए सुबाह्य प्राथमिक उपकरणिक	--		1991-06-30
41. आई एस : 13122 (भाग 2)-- 1991 औद्योगिक प्रक्रम नियंत्रण तंत्र में प्रयोग के लिए ट्रांजिस्टर- विधिपट्टि	--		1991-07-31
भाग 2 संस्थापन निरीक्षण और नैमी परीक्षण के विषय निर्देश			
42. आई एस : 13129 (भाग 1)-- 1991 सौर तापन-घरेलू जल तापन तंत्र भाग 1 अंतरण परीक्षण विधि का प्रयोग करते हुए कार्यकारिता रेटिंग प्रक्रिया	--		1991-07-31
43. आई एस : 13129 (भाग 2)-- 1991 सौर तापन-घरेलू जल तापन तंत्र भाग 2 तंत्र कार्यकारिता अभिलक्षण अंकन और वार्षिक कार्यकारिता पूर्वानुमान	--		1991-07-31
44. आई एस : 13129 (भाग 3)-- 1991 सौर तापन-घरेलू जल तापन तंत्र भाग 3 तंत्र घटक कार्यकारिता अभिलक्षण अंकन और वार्षिक कार्यकारिता पूर्वानुमान	--		1991-07-31
45. आई एस : 13129 (भाग 4)-- 1991 सौर तापन-घरेलू जल तापन तंत्र भाग 4 टिकाऊपन और विश्वसनीयता का निर्धारण	--		1991-07-31

इन मानकों की प्रतियाँ भारतीय मानक दफ्तरी, मानक भवन, 9 बहादुर शाह जकर मार्ग, नई दिल्ली-110002 और क्षेत्रीय कार्यालयों बम्बई, कलकत्ता, कोलकाता तथा मद्रास और राष्ट्रीय कार्यालयों भद्रमपुर, बंगलूर, भोपाल, चण्डीगढ़, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, काठमांडू तथा त्रिनेश्वर में बिक्री के लिए उपलब्ध हैं।

[सं. के. प्र. वि. / 13:2]

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES
(Department of Civil Supplies)

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

New Delhi, the 19th December, 1991

S.O. 191 -- In pursuance of clause (b) of Sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules, 1987, The Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standard(s), Particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, has/have been established on the date indicated against each :

SCHEDULE

Sl. No.	No., Year and Title of the Indian Standard(s) Established	No. and year of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Date of Establishment
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 896—1991 Handloom woollen Kamblies, loomstate (First Revision)	IS : 896—1957	1991-06-30
2.	IS : 1110—1990 Ferrosilicon—Specification (Fourth Revision)	IS : 1110—1981	1991-05-31
3.	IS : 1448 (P : 137)—1991 Methods of test for petroleum and its products (P : 137) Water separation characteristics of aviation turbine fuels.	—	1991-05-31
4.	IS : 2039 (Part I to 3)—1991 Steel tubes for bicycles and cycle rickshaws—Specification. (Second Revision).	IS : 2039—1981	1991-06-30
5.	IS : 3211—1991 Engineers' drawing instruments, pen points (First Revision)	IS : 3211—1965	1991-06-30
6.	IS : 3215—1991 Engineers' drawing instruments—needle points—Specification. (First Revision)	IS : 3215—1965	1991-06-30
7.	IS : 3460—1991 Knurled nuts—Specification (Second Revision)	IS : 3460—1972	1991-07-31
8.	IS : 4027 (Part 8)—1991 Methods of chemicals analysis of bronzes Part 8 Determination of Iron (First Revision)	IS : 4027—1967	1991-06-30
9.	IS : 4333—1991 Household sewing machines vertical oscillating shuttle—Specification. (Second Revision)	IS : 4333—1974	1991-06-30
10.	IS : 4886—1991 Fire safety of industrial buildings : Tea factories—Code of practice (First Revision)	IS : 4886—1968	1991-06-30
11.	IS : 5553 (Part 6)—1990 Reactors—Specification Part 6 Earthing transformers (Neutral couplers) (First Revision)	IS : 3151—1982	1991-08-31
12.	IS : 740 (Part 2)—1991 Paper covered copper conductors—Specification Part 2 Rectangular conductors (First Revision).	IS : 7404 (Part 2)—1974 & IS : 1666—1961	1991-04-30
13.	IS : 7531—1990 Surgical instruments—corrosion resistance of stainless steel surgical instruments—Methods of tests (First Revision).	IS : 7531—1975	1991-05-31
14.	IS : 8335—1991 Cardiovascular surgery instruments—clamps, auricle, satinsky pattern-sizes, shape and dimensions. (First Revision).	IS : 8335—1977	1991-06-30
15.	IS : 8583—1991 Surgical instruments—gall duct dilators, baker's pattern—Specification. (First Revision)	IS : 8583—1977	1991-04-30
16.	IS : 9588—1990 Kraft liner—Specification. (First Revision)	IS : 9588—1980	1991-06-30
17.	IS : 10062—1991 Proforma for analysis of unit rate of quarrying rock by mechanical means (First Revision)	IS : 10062—1981	1991-07-31
18.	IS : 10358—1991 Carbon black, super abrasion furnace (SAF (N-110))—Specification (First Revision)	IS : 10358—1982	1991-05-31
19.	IS : 10738 (Part 2/Sec. 2)—1989 Flange for waveguides—Specification Part 2 Flanges for ordinary rectangular waveguides Section 2 Flange Type A.	—	1991-04-30
20.	IS : 10738 (Part 2/Sec 5)—1989 Flanges for waveguides—Specification Part 2 Flanges for ordinary rectangular waveguides Section 5 Flange Type D	—	1991-03-31

(1)	(2)	(3)	(4)
21.	IS : 10738 (Part 5/Sec 1)—1991 Flanges for waveguides Part 5 Flanges for medium Flat rectangular waveguides Section 1 General	—	1991-05-31
22.	IS : 10738 (Part 6/Sec 1)—1991 Flanges for waveguides—Specification Part 6 Flanges for square waveguides Section 1 General.	—	1991-06-30
23.	IS : 10738 (Part 6/Sec 2)—1991 Specification for flanges for waveguides Part 6 Flanges for square waveguides Section 2 Flange Type K	—	1991-07-31
24.	IS : 11255 (Part 5)—1990 Methods of measurement of emissions from stationary sources Part 5 Total fluoride	—	1990-10-31
25.	IS : 12308 (Part 6)—1991 Methods for chemical analysis of cast iron and pig iron. Part 6 Determination of silicon by gravimetric method (for silicon 0.1 to 6.0 percent).	—	1990-06-30
26.	IS : 12308 (Part 10)—1991 Methods of chemical analysis of cast iron and pig iron Part 10 Determination of manganese (Up to 7.0 Percent) by arsenite (Volumetric) method	—	1000-05-31
27.	IS : 13023—1991 Enzyme bases (Acidic)—Specification	—	1991-06-30
28.	IS : 13044—1991 Technical requirements for freshly collected semen of breeding sheep.	—	1991-05-31
29.	IS : 13052—1991 Internal combustion engines—cylinder liners—quality characteristics.	—	1991-06-30
30.	IS : 13054—1991 Quartzite/quartz for the production of ferroalloys—Specification.	—	1991-05-31
31.	IS : 13063—1991 Structural safety of buildings on shallow foundations on rocks—Code of practice.	—	1991-05-31
32.	IS : 13065—1991 Bulk handling equipment—wagon marshalling equipment—endless rope type—General requirements.	—	1991-05-31
33.	IS : 13066—1991 Prepreg based on glass woven fabric for electrical applications—Specification.	—	1991-05-31
34.	IS : 13076—1991 Hand trolley for carrying mail bags—Specification	—	1991-05-31
35.	IS : 13079—1991 Steeping motors—Specification	—	1991-06-30
36.	13090—1991 Automotive Vehicles—commercial vehicles—clutch housings—Dimensions	—	1991-07-31
37.	IS : 13096—1991 Fasteners—nuts with specified proof load values—fine pitch thread—mechanical properties.	—	1991-06-30
38.	13108—(Part 1) 1991 Optics and optical instruments—microscopes Part 1 Immersion oil for general use in light microscopy	—	1991-06-30
39.	IS : 13114—1991 Forged brass gate, globe and check valves for water works purposes—Specification	—	1991-06-30
40.	IS : 13115—1991 Portable first aid kit for general use—Specification	—	1991-06-30
41.	IS : 13122 (Part 2)—1991 Transmitters for use in industrial process control systems—Specification Part 2 Guidance for installation, inspection and routine testing.	—	1991-07-31
42.	IS : 13129 (Part 1)—1991 Solar heating—domestic water heating systems Part 1 Performance rating procedure using indoor test methods	—	1991-07-31
43.	IS : 13129 (Part 2)—1991 Solar heating—domestic water heating systems Part 2 Procedure for system performance characterization and yearly performance predication.	—	1991-07-31
44.	IS : 13129 (Part 3)—1991 Solar heating—domestic water heating systems Part 3 Procedures for system component characterization and predication for yearly performance using component performance data.	—	1991-07-31
45.	IS : 13129 (Part 4)—1991 Solar heating—domestic water heating systems Part 4 Determination of durability and reliability.	—	1991-07-31

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Office: Bombay, Calcutta, Chandigarh and Madras and also Branch Offices: Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Patna and Trivandrum.

का.आ. 193 — भारतीय मापक ब्यूरो नियम, 1987 के नियम 7 के उपनियम (1) की खंड (ख) के अनुसरण में भारतीय मानक ब्यूरो एतद्वारा अधिसूचित करता है कि जिस/जिन भारतीय माप/मानकों, का के विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है/दिए गए हैं, बहु/के दिनांक को स्थापित हो गया है/हो गए हैं ।

अनुसूची

क्रम सं.	स्थापित भारतीय मानक (को) की संख्या वर्ष और शीर्षक	नए भारतीय मानक द्वारा प्रतिस्थापित भारतीय मानक तथा मानकों, यदि कोई हों, की सं. और वर्ष	दिनांक यदि कोई हो
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	आई एस : 10 (भाग 4) — 1989 प्लास्टिक की चाय की पेटियों की विशिष्ट भाग 4 धातु फिटिंग (पांचवां पुनरीक्षण)	आई एस : 10 (भाग 4) — 1978	1990-12-01
2.	आई एस : 269 — 1989 साधारण पांटेलेण्ड सोमेट, 33 ग्रेड-विशिष्ट (चौथा पुनरीक्षण)	आई एस : 269 — 1976	1990-12-01
3.	आई एस : 916 — 1989 चौकोर 18 लिटर-विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 916 — 1975	1990-04-30
4.	आई एस : 1137 — 1990 चद्वर की मोटाई और तार का व्यास (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 1137 — 1959	1991-02-28
5.	आई एस : 1447 (भाग 4) — 1989 पेट्रोलियम और उसके उत्पाद-नमूने की विधियां भाग 4 प्रयोगशाला विश्लेषण के लिए कोक के नमूने (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 1447 (भाग 4) — 1984	1990-12-31
6.	आई एस : 1536 — 1989 जल, गैस मल-जल हेतु अपकेन्द्री डल (स्नन) लोहे के दात्र पाइप-विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 1536 — 1976	1990-06-30
7.	आई एस : 1592 — 1989 एस्बेस्टस बाब पाइप आई एस : विशिष्ट (तीसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 1592 — 1980	1991-01-01
8.	आई एस : 1610 — 1989 थरेलू सिलाई मशीन-सामान्य अपेक्षाएं (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 1610 — 1931	1991-05-01
9.	आई एस : 1879 — 1987 धातुबर्धन बलवां लोहे के दात्र फिटिंग की विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	ई एस : 1879 (भाग 1 में 10) — 1975	1991-04-16
10.	आई एस : 1891 (भाग 3) — 1988 रबड़ कनवेयर और उत्पापक बस्तादि पट्टे की विशिष्ट भाग 3 लेम प्रति रॉन्धी पट्टे (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 1891 (भाग 3) — 1978	1990-09-01
11.	आई एस : 2291 — 1990 स्पर्शज्य की और की बे (तीसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 2291 — 1981	1991-02-28
12.	आई एस : 5423 — 1989 नोटर वाहन-गाक प्राबजर्बर-विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 5423 — 1978	1991-01-31
13.	आई एस : 5658 — 1990 स्निप नोत्र प्वाक-विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 5658 — 1970	1991-02-28
14.	आई एस : 6240 — 1989 तप्त बेल्चन हस्मान प्लेट (6 मिमी तक) चद्वर और रचो, जरा वास ब्रबणीय गैसों मिलिडर हेतु-विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 6240 — 1976	1990-12-01
15.	आई एस : 6893 (भाग 7) — 1990 मशीन औजार खरीदने के लिए विशिष्ट हेतु प्रोकार्मा भाग 7 क्षेत्रीय तर्कु सहित वाल्व मिलिडर पिसाई मशीन		1991-02-28
16.	आई एस : 8041 — 1990 शीघ्र जमने वाला सोमेट-विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 8041 — 1978	1991-05-01
17.	आई एस : 8042 — 1989 सफेद पोर्टलैण्ड सोमेट की विशिष्ट (दूसरा पुनरीक्षण)	आई एस : 8042 — 1978	1991-05-01
18.	आई एस : 8112 — 1989 43 पोर्टलैण्ड सोमेट विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 8112 — 1976	1991-05-01
19.	आई एस : 8271 (भाग 6/खंड 5) — 1991 प्राकृति चयन और नियंत्रण हेतु प्रयुक्त क्वाटेंज फ्रिस्टल-विशिष्ट भाग 6 श्रेणी बी एफ डोलिज खंड 5 क्वाटेंज फ्रिस्टल क्वाटेंज पाइप बी एफ-05		1991-02-26

(1)	(2)	(3)	(4)
20. आई एस : 8271 (भाग 6/खंड 6)--1991 आकृति चयन और नियंत्रण हेतु प्रयुक्त क्वार्टेज फिस्टल-विशिष्ट भाग 6 श्रेणी बी एफ कोलित खंड 6 क्वार्टेज फिस्टल इकाई बी एफ-06	---	1991-02-28	
21. आई एस : 8373 (भाग 1)--1991 स्टील लॉच-विशिष्ट भाग 1 एकल ह्वे पैमेंजर फेरी लॉच (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 8373 (भाग 1)--1977	1991-02-28	
22. आई एस : 8409-1991 हृदय बाहिरी का शल्यक्रिया यंत्र-डाइलेटर वाल्व, टिबिड्रल पैटर्न-विशिष्ट (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 8409-1977	1991-02-28	
23. आई एस : 8824 (भाग 2)-1988 बिजली के सभी मापी की विशिष्ट भाग 2 पटसन हेतु (चालकता केवल)	---	1991-01-31	
24. आई एस : 3269-1990 द्रवीय फिल्टर तत्व भार फिल्टर के वायु कमी और द्रवाह प्रमिनकरण के बीच मूल्यांकन परीक्षण विधि (पहला पुनरीक्षण)	आई एस : 9269-1979	1991-02-28	
25. आई एस : 10242 (भाग 3/खंड 7)-1990 जलपोत में बिजली के संस्थापन-विशिष्ट, भाग 3 उपकरण खंड 7 तापन और कुकिंग उपस्कर	---	1991-02-28	
26. आई एस : 12418 (भाग 4)-1991 अन्तः मूत्राशयी गर्भ निरोधक युक्ति-विशिष्ट भाग 4 कापर-टी (200 बी)	आई एस : 12418 (भाग 4)-1987	1991-02-28	
27. आई एस : 12933 (भाग 1)-1990 सपात प्लेट सौर संग्राहक भाग 1 सामान्य अपेक्षाएं	---	1991-01-31	
28. आई एस : 12962-1990 मूलभूत इंजीनियरी संयंत्र डिजाइन हेतु अग्रकक्षा पत्र	---	1991-02-28	
29. आई एस : 2966 (भाग 2)-1990 बाधों में गैलरी और अन्य खुली जगहों की रीति संहिता भाग 2 संरचना डिजाइन	---	1991-02-28	
30. आई एस : 12968-1991 समुद्री इंजनों हेतु कैंक साफ्ट हेतु हस्यान की क्लाइप्स-विशिष्ट	---	1991-02-28	
31. आई एस : 12976-1990/गामी करने के लिए सौर ऊर्जा संकलन-रीति संहिता	---	1991-02-28	
32. आई एस : 12983-1980 तिलहन अवशिष्ट कुल अवशिष्ट हेक्सेन का निर्धारण	---	1991-02-28	
33. आई एस : 19894-1990 संयंत्र बंकन मशीन की खरीद विशिष्ट हेतु प्रोफार्मा	---	1991-02-28	
34. आई एस : 12985-1990 नीपर और कटिंग टांगल लिबर लगा-विशिष्ट	---	1991-02-28	
35. आई एस : 12991-1990 कैम्प लगाने वाले तम्बू-नाभकरण	---	1941-02-28	
36. आई एस : 12992 (भाग 2)-1990 स्प्रिंग लगे निरापव मोचक बाल्व-विशिष्ट भाग 2-परीक्षण	आई एस :	1991-02-28	
37. आई एस : 12993-1991 अंत देशीय जलपोत हस्त छेद-विशिष्ट	---	1991-01-31	
38. आई एस : 13008-1990 उपथे मालीदार एम्बेस्टस सोमेंट की चक्षुर-विशिष्ट	---	1991-02-28	
39. आई एस : 13012-1990 थेले का फाफ्ट कागज एक्सटेन्सिबल फाफ्ट कागज-विशिष्ट	---	1991-02-28	
40. आई एस : 10316-1991 अन्तःग्रहण इंजन-रेडिएट ड्रेन प्रेंक-विशिष्ट	---	1991-03-31	

इन मानकों की प्रतियां भारतीय मानक ब्यूरो, मानक भवन, 9 बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 और क्षेत्रीय कार्यालयों बम्बई, कलकत्ता, बंबीगढ़ तथा मद्रास और शाखा कार्यालयों अहमदाबाद, बंगलूर, भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, पटना और त्रिवेन्द्रम में बिक्री हेतु उपलब्ध हैं।

[सं. के. प्र. बि. / 13 : 2]

एन. श्रीनिवासन, अपर महानिदेशक

S.O. 193—In pursuance of clause (b) of Sub-rule (1) of Rule 7 of the Bureau of Indian Standards Rules 1987, The Bureau of Indian Standards hereby notifies that the Indian Standard(s), Particulars of which is/are given in the Schedule hereto annexed, has/have been established on the date indicated against each :

SCHEDULE

Sl. No.	No. Year and Title of the Indian Standard(s) Established	No. and year of the Indian Standard or Standards, if any, superseded by the new Indian Standard	Date of Establishments
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	IS : 10 (Part 4)—1989 Specification for plywood tea-chests, Part 4 Metal fittings (Fifth Revision)	IS : 10 (Part 4)—1978	1990-12-01
2.	IS : 269—1989 Ordinary portland cement, 33 Grade— Specification (Fourth Revision)	IS : 269—1976	1990-12-01

(1)	(2)	(3)	(4)
3.	IS : 916—1989 Square Tins, 18 Litre—Specification (Third Revision)	IS : 916—1975	1990-04-30
4.	IS : 1137—1990 Thicknesses of sheet and diameter of wire (First Revision)	IS : 1137—1959	1991-02-28
5.	IS : 1447 (Part 4)—1989 Petroleum and its products—Methods of sampling Part 4 Sampling of petroleum coke for laboratory analysis. (First Revision).	IS : 1447 (Part 4)—1984	1990-12-31
6.	IS : 1536—1989 Centrifugally cast (spun) iron pressure pipes for water, gas and sewage—specification. (Third Revision)	IS : 1536—1976	1990-06-30
7.	IS : 1592—1989 Asbestos cement pressure pipes—Specification (Third Revision).	IS : 1592—1980	1991-01-01
8.	IS : (1610)—1989 Household sewing machines-general requirements (Second Revision).	IS : 1610—1981	1991-05-01
9.	IS : 1879—1987 Specification for malleable cast iron pipe fittings (Second Revision).	IS : 1879 (Part 1 to 10)— 1975	1991-04-16
10.	IS : 1891 (Part 3)—1988 Specification for rubber conveyor and elevator textile belting Part 3 Oil resistant belting. (Second Revision)	IS : 1891 (Part 3)—1978	1990-09-01
11.	IS : 2291—1990 Tangential keys and keyways (Third Revision).	IS : 2291—1981	1991-02-28
12.	IS : 5423—1989 Automotive vehicles-shock absorbers—Specification (Second Revision)	IS : 5423—1978	1991-01-31
13.	IS : 5658—1990 Snipe nose pliers—Specification (First Revision).	IS : 5658—1970	1991-02-28
14.	IS : 6240—1989 Hot rolled steel plate (upto 6 mm), sheet and strip for the manufacture of low pressure liquifiable gas cylinders—Specification (Second Revision).	IS : 6240—1976	1990-12-01
15.	IS : 6893 (Part 7)—1990 Proforma for purchase specification for machine tools Part 7 External cylindrical grinding machines with horizontal spindle.	—	1991-02-28
16.	IS : 8041—1990 Rapid hardening portland cement—Specification (Second Revision)	IS : 8041—1978	1991-05-01
17.	IS : 8042—1989 Specification for white portland cement (Second Revision).	IS : 8042—1978	1991-05-01
18.	IS : 8112—1989 43 Grade ordinary portland cement—Specification (First Revision).	IS : 8112—1976	1991-05-01
19.	IS : 8271 (Part 6/Sec. 5)—1991 Quartz crystal units used for frequency control and selection—Specification Part 6 Series BF oscillators section 5 Quartz crystal unit type BF-05.	—	—
20.	IS : 8271 (Part 6/Sec. 6)—1991 Quartz crystal units used for frequency control and selection—Specification Part 6 Series BF for oscillators Section 6 Quartz crystal unit type BF-06	—	1991-02-28
21.	IS : 8373 (Part 1)—1991 Steel launches—Specification Part 1 Single hull passenger ferry launches (First Revision).	IS : 8373 (Part 1)—1977	1991-02-28
22.	IS : 8409—1991 Cardiovascular surgery instruments—dilator, valve, tubb's mitral pattern—Specification (First Revision).	IS : 8409—1977	1991-02-28
23.	IS : 8824 (Part 2)—1988 Specification for electrical moisture meters Part 2 for jute (conductivity type)	—	1991-01-31
24.	IS : 9269—1990 Evaluation of pressure drop versus flow characteristics of hvh/aulic filter elements and filters—Method of test. (First Revision).	IS : 9269—1979	1991-02-28
25.	IS : 10242 (Part 3/Sec. 7)—1990 Electrical installations in ships— Specification. Part 3 Equipment Section 7 Heating and cooking appliances.	—	1991-02-28

(1)	(2)	(3)	(4)
26. IS : 12418 (Part 4)—1991 Intra-uterine contraceptive devices—Specification Part 4 Copper T(200 B). (First Revision.)	IS : 12418 (Part 4)—1987		1991-02-28
27. IS : 12933 (Part 1)—1990 Solar flat plate collector Part 1 General requirements.	—		1991-01-31
28. IS : 12962—1990 Data sheet for basic engineering plant design	—		1991-02-28
29. IS : 12965 (Part 2)—1990 Code of practice for galleries and other openings in dams Part 2 Structural Design.	—		1991-02-28
30. IS : 12968—1991 Steel castings for crankshafts for marine engines—Specification.	—		1991-02-28
31. IS : 12976—1990 Solar water heating systems—Code of practice	—		1991-02-28
32. IS : 12983—1990 Oil seed residues—Determination of Total residual hexane	—		1991-02-28
33. IS : 12984—1990 Proforma for purchase specification for plate bending machines.	—		1991-02-28
34. IS : 12985—1991 Nippers, oil-cutting—toggle lever assisted—Specification	—		1991-02-28
35. IS : 12991—1990 Camping tents—nomenclature	—		1991-02-28
36. IS : 12992 (Part 2)—1990 Spring loaded safety relief valves—Specification Part 2 Testing.	—		1991-02-28
37. IS : 12993—1991 Inland vessels—hand—holes—Specification	—		1991-01-31
38. IS : 13003—1990 Shallow corrugated asbestos cement sheets—Specification	—		1991-02-28
39. IS : 13012—1990 Sack kraft paper and extensible kraft paper—Specification	—		1991-02-28
40. IS : 13016—1991 Internal combustion engines—Radiator drain cocks—Specification	—		1991-03-31

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Bureau of Indian Standards, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and Regional Office : Bombay, Calcutta, Chandigarh and Madras and also Branch Office : Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Patna and Trivandrum.

[No. CMD /13/2]

N. SRINIVASAN, Addl. Director General

नागरिक पूर्ति और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 1991

का.मा. 194. :—भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम, 1986 (1986 का 63) की धारा 7 की उप धारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार एतद्वारा ले. जनरल ए.एस. भुल्लर को 7300-100-7600/- रु. के वेतनमान में 20 दिसम्बर, 1991 (पूर्वाह्न) से प्रागामी आदेशों तक भारतीय मानक ब्यूरो के महा निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[का. 2/16/91-बी-आई-एस]

ए.पी. श्रीवास्तव निदेशक

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES & PUBLIC DISTRIBUTION

New Delhi, the 20th December, 1991

S.O. 194.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 7 of the Bureau of Indian Standards Act, 1986 (63 of 1986), the Central Government hereby appoints Lt. Genl. A. S. Bhullar as Director-General of the Bureau of Indian Standards in the scale of pay of Rs. 7300-100-7600 with effect from the 20th December, 1991 (FN), until further orders.

[F. No. 2/6/91BIS]

A. P. SRIVASTAVA, Director

कृषि मंत्रालय

(कृषि अनुसंधान तथा शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 9 दिसम्बर, 1991

का.मा. 195 :—केंद्रीय सरकार, कृषि मंत्रालय, कृषि अनुसंधान तथा शिक्षा विभाग राजभाषा (संघ) के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग नियम 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में एतद्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थान केंद्रीय कन्द फसल अनुसंधान संस्थान श्रीकार्य, तिरुवनन्तपुरम, केरल जिनके 80% से अधिक कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है को अधिसूचित करती है।

[का.सं. 13-11/91-हिन्दी]

टी.सी. सूद, अधीन सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE (Deptt. of Agricultural Research & Education)

New Delhi, the 9th December, 1991

S.O. 195.—The Central Government, Ministry of Agriculture, Deptt. of Agricultural Research & Education hereby declares the Central Tuber Crops Research Institute, Indian Council of Agricultural Research, Sreekarayam Trivandrum, Kerala where more than 80 per cent of staff have acquired the working knowledge of Hindi, as notified office in pursuance of Sub-Rule 4 of Rule 10 of the official Language (use of official purpose of the union) Rule 1976.

[No. 13/11/91-Hindi]

T. C. SUD, Under Secy.

जल संसाधन मंत्रालय

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 1991

का.आ. 196 :—तुंगभद्रा बोर्ड के गठन के संबंध में तत्कालीन मिचार्ड और विद्युत मंत्रालय की दिनांक 10 मार्च, 1955 की अधिसूचना सं. डी डब्ल्यू-VI-4 (9) (समय-समय पर यथासंशोधित) में निम्नलिखित और संशोधन किया जाता है अर्थात् :—

पैरा-1 में "सदस्यो" के अन्तर्गत विद्यमान प्रविष्टि अर्थात् "सचिव-II सार्वजनिक कार्य, कमान क्षेत्र विकास तथा विद्युत विभाग, कर्नाटक सरकार" के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाए।

"सचिव, कर्नाटक सरकार, मिचार्ड विभाग, बंगलूर"।

[सं. 19/4/76-डी डब्ल्यू I/पी. IV/पी. -II/खंड-I]

बी.के. विद्या, अधीक्षक सचिव

MINISTRY OF WATER RESOURCES

New Delhi, the 20th December, 1991

S.O. 196.—The following further amendment is made in the erstwhile Ministry of Irrigation and Power Notification No. DW VI-4(9) dated 10th March, 1955 (as amended from time to time) relating to the constitution of the Tungabhadra Board, namely :—

For the existing entry under "Members" in para 1 namely "Secretary-II Public Works, CAD and Electricity Department Government of Karnataka" the following entry shall be substituted :—

"Secretary to the Government of Karnataka, Irrigation Department, Bangalore".

[No. 19/4/76-DW.I/P.IV/P.II/Vol.II.]

V. K. TRIKHA, Under Secy.

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(युवा कार्यक्रम और खेल विभाग)

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का.आ. 197 :—इस विभाग की दिनांक 7 मई, 1986 की अधिसूचना सं. 13-11/85-डी-1 (खेल) जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय कल्याण निधि योजना अधिसूचित की गई थी तथा जिसमें समय-समय पर संशोधन किये गये हैं; एतद्वारा उसमें निम्न संशोधन और किया जाता है :—

भाग II पैरा 4(I) में "युवा कार्यक्रम और खेल उप-मंत्री—अध्यक्ष" शब्दों के स्थान पर "युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री—अध्यक्ष" शब्द रखे जाएंगे।

2. उपर्युक्त अधिसूचना के पैरा 4(भाग II) में उल्लिखित राष्ट्रीय खिलाड़ी कल्याण निधि के प्रबन्ध तथा प्रशासन हेतु गठित जनरल कमेटी का निम्न प्रकार से पुनर्गठन किया गया है जिसकी अवधि उपर्युक्त अधिसूचना के अंतर्गत बताये गये नियमों के अनुसार इसकी प्रथम बैठक की तिथि से 3 वर्ष होगी :—

अध्यक्ष

- | | |
|---------------------------------------|-------------------------|
| 1. युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री | —सुश्री समता बनर्जी |
| सदस्य | |
| 2. सचिव, भारत सरकार, | —श्री एम.एम. राजेन्ध्रन |
| युवा कार्यक्रम और खेल विभाग | |
| 3. बितीय सहायकार, | —श्री एस. बनर्जी |
| युवा कार्यक्रम और खेल विभाग | |
| 4. अध्यक्ष, भारतीय ओलम्पिक एसोसिएशन | —श्री बी.एस. आश्वित्थ |
| 5. महानिदेशक, | —श्री ए.के. पाण्ड्या |
| भारतीय खेल प्राधिकरण | |

8. अध्यक्ष,

—श्री बी.एस. बनर्जी

फैडरेशन ऑफ इण्डियन वेलफेयर ऑफ कोमर्स एण्ड इण्डस्ट्री

7. केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित किये जाने वाले 3 वयोवृद्ध खिलाड़ी :—

- (1) श्री एम.ए.के. पटोदी
- (2) श्री मिलखा सिंह
- (3) श्री पी.के. बनर्जी

8. केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित किये जाने वाले राज्य खेल परिषदों/राज्य सरकार के 5 प्रतिनिधि :—

- (1) विशेष सचिव, पश्चिम बंगाल सरकार, खेल तथा युवा सेवाएं विभाग।
- (2) निदेशक, खेल तथा युवा कार्यक्रम मेघालय सरकार।
- (3) आयुक्त व सचिव, खेल विभाग, हरियाणा सरकार।
- (4) उपाध्यक्ष तथा प्रबन्ध निदेशक, प्रान्तीय प्रदेश खेल प्राधिकरण, लाल बहादुर स्टेडियम, हैदराबाद
- (5) सचिव (खेल), गोवा सरकार

9. केन्द्रीय सरकार द्वारा नामित किये जाने वाले राष्ट्रीय खेल मंत्रों के 5 प्रतिनिधि :—

- (1) अध्यक्ष, भारतीय बास्केट बॉल संघ
- (2) अध्यक्ष, भारतीय शिम्नास्टिक संघ
- (3) सचिव, भारतीय हॉकी संघ
- (4) मानद सचिव, भारतीय तीरंदाजी संघ
- (5) मानद सचिव, भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड

10. संयुक्त सचिव (खेल), युवा कार्यक्रम और खेल विभाग, सदस्य-सचिव तथा सहायक

—श्रीमती नीता रंजन

[सं. 13-3/91-खेल-4]

नीता रंजन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(Department of Youth Affairs and Sports)

New Delhi, the 31th December, 1991

S.O. 197.—This Department's Notification No. F. 13-11/85-D-I(SF) dated 7th May, 1986 vide which the scheme of National Welfare Funds Scheme was notified and which has since been modified from time to time, is hereby further modified as follows :—

In Part II, Para 4 (i) the words "Deputy Minister for Youth Affairs & Sports—Chairman" shall be substituted with the words "Minister of State for Youth Affairs & Sports—Chairperson".

2. In accordance with para 4 (Part II) of the Notification quoted above, the General Committee for the purpose of management and administration of National Welfare Fund for Sports persons stands re-constituted as follows for a period

of 3 years in accordance with the Rules framed under the above mentioned notification from the date of its first meeting :-

Chairperson

1. Minister of State for Youth Affairs and Sports.
—Ms. Mamata Banerjee.

Members

2. Secretary to the Govt. of India, Department of Youth Affairs & Sports.—Sh. M. M. Rajendran.
3. Financial Adviser, Deptt. of Youth Affairs & Sports.—Sh. S. Banerjee.
4. President, Indian Olympic Association.—Sh. B. S. Adityan.
5. Director General, Sports Authority of India.—Sh. A. K. Pandya.
6. President, Federation of Indian Chamber of Commerce and Industry.—Sh. V. L. Dutt.
7. 3 Veteran Sportspersons to be nominated by the Central Government.
 - (i) Sh. M.A.K. Pataudi
 - (ii) Sh. Mukha Singh.
 - (iii) Sh. P. K. Banerjee.
8. 5 Representatives of State Sports Councils/State Governments to be nominated by the Central Government.
 - (i) Special Secretary, Govt. of West Bengal, Department of Sports and Youth Services.
 - (ii) Director, Sports & Youth Affairs Government of Meghalaya.
 - (iii) Commissioner & Secretary, Sports Department, Govt. of Haryana.
 - (iv) Vice-Chairman and Managing Director, Sports Authority of Andhra Pradesh, Lal Bahadur Stadium, Hyderabad.
 - (v) Secretary (Sports) Govt. of Goa.
9. 5 Representatives of National Sports Federations to be nominated by the Central Government :
 - (i) President, Basketball Federation of India.
 - (ii) President, Gymnastics Federation of India.
 - (iii) Secretary, Indian Hockey Federation.
 - (iv) Hony. Secy. Archery Association of India.
 - (v) Hony. Secretary, Board of Control for Cricket in India.
10. Joint Secretary (Sports) Department of Youth Affairs and Sports Member-Secretary & Treasurer.—Smt. Neena Ranjan.

[No. F. 13-3/91-SP.IV]
NEENA RANJAN, Jt. Secy.

कल्याण मंत्रालय
(बक प्रभाग)

नई दिल्ली, 1 जनवरी, 1992

का.भा. 198:—केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के तत्कालीन विश्व, न्याय और कंपनी कार्य मंत्रालय, विधायी विभाग की अधिसूचना संख्यांक का.भा. 247, तारीख 30 दिसम्बर, 1975, जो भारत के राजपत्र, भाग-2, खण्ड-3, उपखण्ड (2) तारीख 17 जनवरी, 1976 को गई थी, के साथ पड़ित बक अधिनियम, 1954 (1954 का 29) की धारा 21 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिल्ली, अण्डमान और निकोबार द्वीप सिविल सेवा के अधिकारी 1 जनवरी, 1992 को और उम्मेदवार वर्ग की

बक के लिए प्रतिनियुक्ति पर पंजाब बक बोर्ड के सचिव के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. 4/3/91-बक]

एम.एस. पण्डित, संयुक्त सचिव

**MINISTRY OF WELFARE
(Wakf Division)**

New Delhi, the 1st January, 1992

S.O. 198.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 21 of the Wakf Act, 1954 (29 of 1954) read with the Notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Law, Justice and Company Affairs, Legislative Department, number S.O. 247 dated the 30th December, 1975 published in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii), dated the 17th January 1976, the Central Government hereby appoints Shri F. O. Hashmi an officer of Delhi, Andaman and Nicobar Islands Civil Services, as Secretary of the Punjab Wakf Board on deputation basis, for a period of one year, on and from, the 1st day of January, 1992.

[No. 4/3/91-Wakf]

M. S. PANDIT, Jt. Secy.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 15 मार्च, 1991

का.भा. 199:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का.भा.सं. 2611 तारीख 6-10-90 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग के अधिकार को पाइपलाइनों को बिछाने के लिए अर्जित करने का अपना आशय घोषित कर दिया था।

और यतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे, यतः केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब, अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद् द्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय तेल और प्राकृतिक गैस आयोग में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में, घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

ताडा-1 से जी.एन.ए.क्यू तक पाईप लाईन बिछाने के लिए।

राज्य—गुजरात	जिला—मरुच	तापुका जंबुसर		
गांव	ब्लाक नं.	है.	घार.	मोहटी
1	2	3	4	5
टंकारी	1962	0	07	50
	1961	0	06	75
	1957	0	07	50
	1960	0	07	50

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
ढकारी (जारी)	1959	0	09	75		458	0	01	95
	1950	0	20	40		457	0	03	04
	1951	0	05	25		459	0	03	75
	1935	0	12	75		467	0	00	34
	1942	0	12	75		460	0	09	80
	1942/1	0	06	30		461	0	00	12
	1941/ए	0	11	78		462	0	08	25
	1945	0	05	40		463	0	05	10
	1940	0	05	12		464	0	04	80
	1939	0	14	41		484	0	13	20
	2011	0	16	50		485	0	13	95
	2123	0	09	00		495	0	20	85
	2122	0	05	10		494	0	00	12
	2121	0	21	75		489	0	14	55
	2100	0	17	55		491	0	17	25
	2141	0	06	90		490	0	00	90
	2142	0	21	90		430	0	10	50
	2143	0	13	20		429	0	05	87
	2148/ए/बी	0	06	30		427	0	07	05
	2146	0	06	75		Govt. Bund Protection	0	00	90
	2145	0	08	30		Minor Sub Course	0	00	60
	2144	0	02	66		Govt. Bund Khar land	0	00	90
	2088	0	02	53			0	95	40
	गाडावाट	0	15	41					
	2158	0	13	62					
	2159	0	14	85					
	2164	0	22	65					
	2162	0	22	95					
	2168	0	10	65					
	2169	0	09	60					
	2181	0	11	89					
	2180	0	14	70					
	2178	0	08	40					
	2177	0	08	19					
	2176	0	00	62					
	गाडावाट	0	09	60					
	1586	0	09	00					
	575	0	08	40					
	176	0	03	60					
	1796	0	03	15					
	1795	0	02	70					
	1858	0	02	14					
	1981	0	00	56					
	672	0	28	69					
	2335	0	14	70					
	54	0	07	50					
	55	0	20	85					
	35	0	04	50					
	36	अ	09	00					
	38/ए/बी	0	09	00					
	39	0	18	00					
	गाडावाट	0	08	42					
	450	0	01	54					
	454	0	18	90					
	गाडावाट	0	03	75					

[सं. ओ.-11027/99/90-ओ. एन. जी. सी.-III]

के. विवेकानन्द, डी.एस. अधिकारी

MINISTRY OF PETROLEUM & NATURAL GAS

New Delhi, the 15th March, 1991

S.O. 199.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of petroleum & Natural Gas S.O. No. 2611 dated 6-10-90 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, submitted report to the Government.

And Further Whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands in the schedule appended to this notification ;

Now therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Oil & Natural Gas Commission free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from NADA-1 to GNAQ

State : Gujarat District : Bharuch Taluka : Jambusar

Village	Block No.	Hec-tare	Are	Centi-are
1	2	3	4	5
Tankari	1962	0	07	50
	1961	0	06	75

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Tenkari—Contd.	1957	0	07	50		484	0	13	20
	1960	0	07	50		485	0	13	95
	1959	0	09	75		495	0	20	85
	1950	0	20	40		494	0	00	12
	1951	0	05	25		489	0	14	55
	1935	0	012	75		491	0	17	25
	1942	0	12	75		490	0	00	90
	1942/1	0	06	30		430	0	10	50
	1941/A	0	11	78		429	0	05	87
	1945	0	05	40		427	0	07	05
	1940	0	05	12		Govt. Bund			
	1939	0	14	41		Protection	0	00	90
	2011	0	16	50		Minor Sub			
	2123	0	09	00		Course	0	00	60
	2122	0	05	10		Govt. Bund	0	00	90
	2121	0	21	75		Khar land	0	95	40
	2100	0	17	55					
	2141	0	06	90					
	2142	0	21	90					
	2143	0	13	20					
	2148/A/B	0	06	30					
	2146	0	06	75					
	2145	0	68	30					
	2144	0	02	66					
	2088	0	02	53					
	Cart track	0	15	41					
	2153	0	13	62					
	2159	0	14	85					
	2164	0	22	65					
	2162	0	22	95					
	2168	0	10	65					
	2169	0	09	60					
	2181	0	11	89					
	2180	0	14	70					
	2178	0	08	40					
	2177	0	08	19					
	2176	0	00	62					
	Cart track	0	06	60					
	1586	0	09	00					
	575	0	08	40					
	1760	0	03	60					
	1796	0	03	15					
	1795	0	02	70					
	1858	0	02	14					
	1981	0	08	56					
	672	0	28	69					
	2335	0	14	70					
	54	0	07	50					
	55	0	20	85					
	35	0	04	50					
	36	0	09	00					
	38/A/B	0	09	00					
	39	0	18	00					
	Cart track	0	08	42					
	450	0	01	54					
	454	0	18	90					
	Cart track	0	03	75					
	458	0	01	95					
	457	0	03	04					
	459	0	03	75					
	467	0	00	34					
	460	0	09	80					
	461	0	00	12					
	462	0	08	25					
	463	0	05	10					
	464	0	04	80					

[No. O-11027/99/90-ONG. D-II]]

K. VIVEKANAND, Desk Officer

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1991

का.भा. 200 :—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कांडला से पंजाब राज्य में भटिंडा तक राजस्थान और हरियाणा से होकर पेट्रोलियम के परिवहन के लिए इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछायी जाए;

और ऐसा प्रतीत होता है कि ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए इस अधिसूचना से उपाय्य अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है;

अतः, केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है।

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितवन् कोई व्यक्ति उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन या भूमि के अन्दर पाइपलाइन बिछाने पर आक्षेप लिखित रूप में श्री कृपाल सिंह सम्पर्क अधिकारी और सक्षम अधिकारी, इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, कांडला-भटिंडा पाइपलाइन परियोजना, एससीओ 178, सेक्टर 37-सी, चंडीगढ़ को, राजपत्र में प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां जनता को उपलब्ध कराए जाने की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

अनुसूची

तहसील : मुनाम जिला : संगरूर राज्य : पंजाब

गांव का नाम	हववस्त नं.	मुस्तलीन नं. / किला नं.	क्षेत्रफल हेक्टेयर	भार	वर्गमीटर
1	2	3	4	5	6
महलान	54	8/2	—	12	39
		8	—	6	32
		9	—	08	09
		13/1	—	5	56
		13/2	—	7	59
		14	—	3	60
		16	—	9	36

1	2	3	4	5	6
महलान—भारी		17/1	—	2	53
		17/2	—	4	05
		17/3	—	—	76
कमालपुर	126	93/16	—	—	51
		17	—	13	41
		24/3	—	1	26
		25	—	12	14
		114/1/1	—	12	14
		1/2	—	—	51
		8	—	2	53
		9	—	14	16
		10/1	—	01	01
		10/2	—	1	52
		12	—	—	25
कमालपुर	126	13/1	—	6	07
		13/2	—	3	04
		14/1	—	6	83
		14/2	—	2	02
		16/3	—	1	26
		17/2/1	—	6	07
		115/5	—	4	55
खनालकला	122	51/23/1	—	—	76
		24/1	—	1	52
		24/2	—	2	51
		77/9	—	1	77
		10	—	13	41
		11	—	—	53
		12	—	12	39
	122	18/4/1	—	14	67
		5	—	6	07
		6	—	9	11

[सं.प्रार.-31015/4/91-ओ.प्रार. I]

New Delhi, the 31st December, 1991

S.O. 200.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab, via Rajasthan and Haryana, Pipeline should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962); the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user there in.

Any person interested in the land described in the schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user there in or laying of the pipeline under the land to Shri Kripal Singh, Liaison Officer

and Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited
Kandla-Bhatinda Pipeline Project, Sector 37-C SCO 178
Chandigarh.

SCHEDULE

Tehsil : Sunam District : Sangrur State : Punjab

Name of Village	Hadbast No.	Survey No./ Khasra No./ Mustateel No. Killa No.	Hec- tare	Area Are	Cen- ture
1	2	3	4	5	6
Mehlan	54	8/2	—	12	39
		8	—	6	32
		9	—	8	09
		13/1	—	5	56
		13/2	—	7	59
		14	—	8	60
		16	—	9	36
		17/1	—	2	53
		17/2	—	4	05
		17/3	—	—	76
Kamalpur	126	93/16	—	—	51
		17	—	13	41
		24/3	—	1	26
		25	—	12	14
		114/1/1	—	12	14
		1/2	—	—	51
		8	—	2	53
		9	—	14	16
		10/1	—	01	01
		10/2	—	1	52
		12	—	—	25
Kamalpur	126	13/1	—	6	07
		13/2	—	3	04
		14/1	—	6	83
		14/2	—	2	02
		16/3	—	1	26
		17/2/1	—	6	07
		115/5	—	4	55
Khanal Kaln	122	51/23/1	—	—	76
		24/1	—	1	52
		24/2	—	2	53
		77/7	—	1	77
		10	—	13	41
		11	—	—	53
		12	—	12	39
		18/4/1	—	14	67
		5	—	6	07
		6	—	9	11

[No. R-31015/4/91-O.R.I.]

का. प्रार. 201—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में काडला से पंजाब राज्य में बटिन्डा तक राजस्थान और हरियाणा से होकर पेट्रोलियम के परिवहन के लिए इन्डियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछायी जाए ;

और ऐसा प्रतीत होता है कि ऐसी पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए इस अधिनियम से उपाययुक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है —

अतः केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने प्राण्य की घोषणा करती है।

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन या भूमि के अन्दर पाईपलाईन बिछाने पर आशेष निम्नित रूप में श्री कृपाल सिंह सम्पर्क अधिकारी और सक्षम अधिकारी, इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, कारला भटिंडा पाईपलाईन परियोजना एस सी ओ 178 सेक्टर 37 सी चंडीगढ़ को राजपत्र में प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां जनता को उपलब्ध कराए जाने की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

अनुसूची

तहसील	मानसा	जिला	मानसा	राज्य	पंजाब—
गांव का नाम	हवबस्व नं.	मुस्तनीउम नं. जिला नं.	क्षेत्रफल हे.	आर	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	
गग्गापुर	55	1391	—	31	11
		320/2			
		322	—	—	51
गग्गापुर	55	357/1	—	14	67
		366	—	1	26

[सं. प्रार. 31015/4/91 ओ. प्रार. -I]

S. O. 201.—Where as it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for transport of petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab, via Rajasthan and Haryana, Pipelines should be laid on the Indian Oil Corporation Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (1) of section 13 of the Petroleum and Minerals Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Any person interested in the land described in the said Schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri Kirpal Singh, Liaison Officer and Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Kandla-Bhatinda Pipeline Project, Sector 37-C, SCO 178 Chandigarh.

SCHEDULE

Tehsil : Sangrur District : Sangrur State : Punjab

Name of Village	Hajbast No.	Survey No. Khasra No./ Mustatcel H ctare No. Killa No.	Area CentiArc		
1	2	3	4	5	6
Gaggarpur	55	1391			
		320/2	—	31	11
		322	—	..	51
		357/1	—	14	67
		366	—	1	26

[No. R-31015/4/91-O.R.-I]

का. प्रार. —202—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि संकल्पित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में कांडला से पंजाब राज्य में भटिंडा तक राजस्थान और हरियाणा से होकर पेट्रोलियम के परिवह के लिए इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा पाईपलाईन बिछाया जाए

और ऐसा प्रतीत होता है कि ऐसी पाईपलाईन बिछाने के प्रयोजन के लिए इस अधिसूचना से उपावद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है;

अतः केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने प्राण्य की घोषणा करती है।

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन या भूमि के अन्दर पाईपलाईन बिछाने पर आशेष निम्नित रूप में श्री कृपाल सिंह सम्पर्क अधिकारी और सक्षम अधिकारी, इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड कांडला भटिंडा पाईपलाईन परियोजना एस सी ओ 178 सेक्टर 37—सी चंडीगढ़ को राजपत्र में प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां जनता को उपलब्ध कराए जाने की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

अनुसूची

तहसील	मानसा	जिला भटिंडा	राज्य	पंजाब	
गांव का नाम	हवबस्व नं.	मुस्तनीउम नं. जिला नं.	क्षेत्रफल हे.	आर वर्ग	
1	2	3	4	5	6
अकलिया	6	71 / 11/2	.	50.56	..
		12	—	—	11.39
अकलिया	6	13/2	—	12.39	—
		20/1	—	5.06	—

[सं. प्रार. 31015/4/91 ओ. प्रार. -1]

S.O. 201.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab, via Rajasthan and Haryana pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Any person interested in the land described in the said Schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public, object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri Kirpal Singh, Liaison Officer and Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited Kandla-Bhatinda Pipeline Project, SCO 178 Sector 37-C, Chandigarh.

SCHEDULE

Tehsil : Mansa District : Bhatinda State : Punjab

Name of Village	Hadbast No.	Survey No. Khasra No./ Mustate 1	Area Hectare Arc	Centi Arc
		Killa No.		
1	2	3	4	5
Akha	6	71		
		11/2	5.56	
		12	11.39	
	6	13/2	12.39	
		20/1	5.06	

[No. R-31015/4/91-O.R.-I]

का. आ. 203—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में काठला से पंजाब राज्य में भंडिडा तक राजस्थान और हरियाणा से होकर पेट्रोलियम के परिवहन के लिए इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा पाईपलाइन बिछायी जाए;

और ऐसा प्रतीत होता है कि ऐसी पाईपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए हम अधिसूचना से उपायक अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करना आवश्यक है

अतः केन्द्रीय सरकार पेट्रोलियम और खनिज पाईपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 52) 1 की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उनमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने प्राणय की घोषणा करती है।

उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन या भूमि के अन्दर पाईप लाइन बिछाने पर आक्षेप लिखित रूप में श्री कृपाल सिंह सम्पर्क अधिकारी और सक्षम अधिकारी, इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड, काठला भंडिडा पाईपलाइन परियोजना एस सी ओ ओ! 178 सेक्टर 37-सी चंडीगढ़ को राजपत्र में प्रकाशित इस अधिसूचना की प्रतियां जनता को उपलब्ध कराए जाने की तारीख से 21 दिन के भीतर कर सकेगा।

तहसील	कुल	जिला भंडिडा	राज्य	पंजाब
गांव का नाम	हस्त नं.	मुस्तसीत नं.	हे	क्षेत्रफल वर्गमीटर
		जिला नं.		घार
1	2	3	4	5
ठाडे	3	584	—	6.58
		585/1	—	12.64
		585/2	—	3.54
		587/1/2	—	15.68
ठाडे	3	589/4/1	—	7.08
		589/3/1	—	6.58
		591/1/1	—	12.65
		591/2/1	—	1.26
		592/2	—	4.05

[नं. गा. 31015/4/91 ओ.आर.-1]

S.O. 203.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Kandla in the State of Gujarat to Bhatinda in the State of Punjab, via Rajasthan and Haryana, Pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited;

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines it is necessary to acquire the right of user in the land described in the Schedule annexed to this notification:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Any person interested in the land described in the said Schedule may within 21 days from the date on which the copies of this notification, as published in the Gazette of India, are made available to the general public object in writing to the acquisition of the right of user therein or laying of the pipeline under the land to Shri Kirpal Singh, Liaison Officer and Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Kandla-Bhatinda Pipeline Project SCO Sector 37-C, Chandigarh.

SCHEDULE

Tehsil : Phul District : Bhatinda State : Punjab

Name of Village	Hadbast No.	Survey No. Khasra No./ Mustateel No.	Area Hectare Arc	Centi Arc
		Killa No.		
1	2	3	4	5
Dhade	3	584	—	6.58
		585/1	—	12.64
		585/2	—	3.54
		587/1/2	—	15.68
		589/4/1	—	7.08
		589/3/1	—	6.58
		591/1/1	—	12.65
		591/2/1	—	1.26
		592/2	—	4.05

[No. R-31015/4/91-O.R.-I]

का. प्रा. 204.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या. 832 तारीख 23 मार्च, 1991 द्वारा पेट्रोलियम परिवहन के लिए पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी;

और राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 8 अप्रैल, 1991 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे रही है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है;

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त भूमियों के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाए सभी जिल्लों से रहित, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अधिसूची

सहस्रक: संगरूर जिला: संगरूर राज्य: पंजाब

गांव का नाम हदबंस्त नं. मुस्तलील नं./किला नं./ क्षेत्रफल हेक्टर भार वर्ग मीटर

1	2	3	4	5	6
नागरा	109	2720	0	12	65
		2732	0	01	26
		2733	0	15	94
		2734	0	05	06
		2735	0	03	29
		2740	0	13	40
		2741	0	09	36
		2753	0	01	77
		2754	0	15	68
		2755/1	0	07	59
		2768	0	15	68
		2767	0	00	51
		2769/2	0	08	85
		2880	0	13	91
		2781	0	07	33
		2799	0	01	52
		2800	0	15	68
		2800/1/1	0	04	30
		2809	0	10	12
		4123/2810/2	0	13	15
		2871	0	07	08

1	2	3	4	5	6
नागरा	109	2872	0	15	18
		2873	0	01	77
		2878	0	15	93
		2879	0	00	51
		2881	0	05	82
		2882	0	11	38
		2884	0	09	37
		2889	0	01	52
		2890	0	05	56
बठिण्डा	55	112	0	18	21
		210	0	03	29
		211/1	0	10	62
		211/2/2/2	0	02	02
		211/2/2/2/1	0	10	12
		212	0	02	02
		215/1	0	16	70
		215/2	0	05	06
		208/1	0	11	89
		208/2	0	00	76
		207	0	09	61
		206	0	22	00
		223	0	00	76
		201/2	0	00	76
		200/1	0	09	11
		194/2/2	0	07	59
		185/2	0	07	59
		185/1	0	10	11
		343	0	00	51
		344/1	0	24	78
		350	0	01	26
		200/2	0	16	68
		351	0	26	06
		352/1	0	00	51
		352/2	0	00	75
		353	0	28	05
		358/1	0	03	04
		357/1	0	13	40
		357/2	0	12	65
		321	0	09	35
		320/2	0	23	02
		317	0	03	05
		318	0	22	00
		315	0	10	37
		450/2	0	16	69
		462/1/2	0	10	37
खेरी	47	14			
		16/1	0	01	77
		16/2	0	08	36
		16/3	0	01	01
खेरी	47	15			
		19/2	0	06	07
		20	0	12	90

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
खेरी	47	22	0	03	04	खेरी	47	13	0	00	51
		23	0	12	14			14	0	08	84
		24	0	12	65			17	0	04	55
		25/1	0	01	26	कम्बो मजिख					
		25/2	0	09	10	कला	45	34/2	0	13	92
		16						335/31/1	0	20	23
		21	0	00	51			32/1	0	13	91
		19						337/32/2	0	06	32
		11	0	08	85			423/33/1	0	10	11
		18	0	00	51			422/33/2	0	10	12
		19	0	11	59			150	0	20	23
		20	0	04	89			165	0	20	23
		22/2	0	01	26			173	0	20	24
		23	0	14	16			174	0	05	06
		24	0	02	28			179/2	0	06	32
		20						180/1	0	20	23
		1/2	0	10	87			196/2	0	15	17
		02	0	12	90			197/1/2	0	16	45
		03	0	10	88			197/2	0	02	53
		07	0	01	01			198/	0	08	85
		07	0	13	91			199	0	1	38
		08	0	01	26			200/2	0	01	26
		15	0	10	88	धीर मजिखान	38	8			
		06	0	04	55						
		34						12	0	03	04
		04	0	11	63			13	0	02	27
		05	0	07	85			18	0	00	50
		06	0	06	07			18	0	16	95
		35						23	0	01	52
		08	0	00	26			24	0	13	66
		10	0	12	65			16			
		11	0	02	02			10	0	08	09
		12	0	11	38			11	0	10	12
		13/2	0	01	77			12	0	05	31
		18	0	12	65			18	0	02	26
		19	0	00	26			19	0	12	90
		17	0	07	58			22	0	22	25
		24	0	06	83			23	0	23	66
		25	0	11	38			17			
		26	0	03	29						
		37						04	0	04	55
		01	0	11	63			05	0	10	88
		09	0	01	77			06	0	07	34
		38						18			
		05						03	0	03	54
		05	0	03	29			04	0	11	89
		06						06	0	08	85
		06						07	0	06	32

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
बीर अस्वाम	38	07	0	08	32	उपली	7	536	0	02	53
		15	0	09	61			539	0	14	66
								540	0	11	63
		19						1291	0	06	58
								1292	0	01	52
								1293	0	14	16
		11	0	05	06			1294/2	0	13	91
		19	0	01	77			1479	0	17	96
		20	0	11	64			1480	0	13	91
								1481	0	13	91
राम नगर सिबियाल	37	102						1495/1	0	03	79
								1495/2	0	09	87
		02	0	17	71			1496	0	13	91
		105	0	20	22			1497	0	12	39
		106	0	20	24			1498/2	0	09	61
		109/1	0	08	83			1807	0	06	32
		109/2	0	03	79			1808	0	12	64
		110	0	03	04			1815	0	13	15
		111	0	11	39			1818	0	13	91
		624/243	0	20	23			1819	0	13	91
		677/246	0	20	24			1920	0	00	77
		249	0	08	85			1822	0	01	27
		250	0	19	47			2087	0	05	06
		251	0	00	76			1853	0	04	55
		252	0	11	38			2129/1	0	09	86
		442	0	18	22			2129/2	0	01	26
		443/1	0	20	24			2130	0	00	76
		444	0	20	23			2131/1	0	08	55
		391/2	0	21	75			2132/1	0	06	83
		392	0	19	48			2132/2	0	03	04
		373	0	18	21			2139	0	13	91
		374	0	00	76			2140	0	13	91
		372	0	14	92						
		393/2	0	03	29	बट्टा सेवधान	8	241	0	15	18
		363	0	10	37			246	0	13	91
		365	0	22	51			311	0	13	15
		359	0	02	02			318	0	13	91
		360	0	06	33			319	0	09	61
								320/2	0	03	29
कनोई	46	01	0	08	85			321	0	10	62
								322	0	04	30
उपली	7	451/2	0	20	23			357	0	13	91
		456	0	13	91			358	0	13	91
		457	0	13	91			362	0	13	91
		458	0	13	91			363	0	05	06
		459	0	13	91						
		490	0	13	91	उबेवाल	6	99			
		491	0	10	88			17/2	0	04	30
		495	0	07	59			18	0	11	89
		496	0	04	30			19	0	09	11
		501	0	00	51			20	0	03	28
		511	0	15	68			21/2	0	09	11
		512	0	13	91			22	0	03	28
		513	0	13	40			23	0	00	26
		534	0	09	62						
		535	0	06	32						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
उ देवाल	6	22	0	12	39	उ देवाल	6	150			
		23	0	12	40			04	0	03	28
		24 /2-3	0	11	13			05	0	09	11
		25	0	12	39			06	0	03	29
		126						7/1	0	00	76
		14	0	01	77			7/2	0	00	76
		15	0	12	40			151			
		16	0	00	76						
		17/1	0	06	32			01	0	09	61
		17/2	0	04	05			02	0	10	12
		18/2-3	0	13	15			3/1	0	07	34
		19	0	03	29			3/2	0	03	29
		22/1	0	06	07			04	0	12	14
		22/2	0	03	54			5/1	0	04	30
								5/2	0	08	09
		127						07	0	00	25
								08	0	01	01
		06	0	12	39			09	0	02	28
		07	0	12	39			10	0	02	78
		08	0	11	89						
		09	0	07	94			152			
		10	0	00	51						
		11	0	13	15			1/1	0	12	40
		12/1	0	03	54			02	0	11	63
		12/2	0	01	26			3/2	0	09	87
		13	0	00	51			04	0	12	39
								05	0	12	39
		128									
								153			
		04	0	02	78						
		05	0	10	37			01	0	12	40
		07	0	09	61						
		08	0	12	65						
								02	0	12	40
		09	0	11	13			03	0	12	39
		10	0	12	40			4/2	0	06	07
								4/3	0	06	07
		129						5/1	0	07	33
								5/2	0	05	06
		01	0	10	12						
		02	0	12	39			154			
		10	0	02	27						
								01	0	12	40
		140						02	0	12	39
								03	0	12	39
		19	0	13	41			04	0	12	40
		20/2	0	04	05			5/1	0	10	12
		21/1	0	01	52			5/2	0	02	27
		21/2	0	07	84						
								155			
		141									
								01	0	12	40
		24	0	08	60			02	0	12	39
		25	0	13	40			3/2	0	12	40

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
उमवाल	6	04	0	12	39	किला भारियात	5	21	0	05	56
		5/2	0	12	39			22	0	07	84
		156						23/1	0	09	11
								23/2	0	02	78
		01	0	11	38			24	0	12	40
		02	0	12	39			25	0	12	39
		03	0	12	40			52			
		04	0	12	39			16/1	0	08	60
		05	0	12	39			17	0	11	13
		157						18	0	12	39
								19	0	12	39
		01	0	12	40			20/1	0	06	07
		02	0	12	40			20/2	0	06	33
		03	0	12	39			24/1	0	00	25
		04	0	12	39			25	0	02	78
		05	0	12	40			53			
		158						11	0	01	77
								16	0	12	39
		02	0	12	39			17	0	12	40
		2/1	0	02	79			18	0	12	39
		2/2	0	07	07			19/1	0	01	52
		3/1	0	04	30			19/2	0	01	52
		3/2	0	08	35			20/1	0	10	63
		04	0	06	32			54			
किला भारियात	6	48						15	9	01	26
		21	0	05	31			16	0	03	04
		48						59			
		22	0	02	78						
		23	0	00	50			04	0	01	01
		49						5/2	0	04	05
		21	0	12	39			60			
		22/3	0	10	63						
		23	0	12	39			01	0	06	83
		24	0	11	13			02	5	09	11
		25/2	0	08	34			04	0	12	39
		50						5/1	0	06	58
		21	0	12	39			61			
		22	0	12	40						
		23	0	12	39			1/1	0	08	09
		24	0	12	40			2/1	0	12	40
		25	0	12	39			03	0	11	63
								04	0	12	40
		51						5/2/2	0	12	39
		18	0	01	52			62			
		19	0	04	55						
		20/1	0	01	52			01	0	11	13
		20/2	0	05	06			02	0	11	89

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
किला चारिकम (जारी)	5	3/2 4/2 07 08 9/1	0 0 0 0 0	10 05 01 01 00	82 31 52 77 51	सोंगोवाल (जारी)	4	5/2 6/2 7/1 7/2 08 09 10	0 0 0 0 0 0 0	02 01 05 01 12 12 12	78 52 06 26 39 39 40
सोंगोवाल	4	248						254			
		24	0	03	04						
		25	0	09	12						
		249						01 02 03 04 05 06 07	0 0 0 0 0 0 0	12 11 12 12 09 03 00	39 38 40 14 11 28 25
		21/1	0	08	35			255			
		21/2	0	04	05			01 3/1 06	0 0 0	05 00 13	56 25 66
		22	0	12	39			256			
		23/1	0	12	39			07 8/1 8/2	0 0 0	08 06 06	10 07 07
		24	0	11	38			09 10	0 0	09 06	61 83
		25	0	11	64						
		250						257			
		16	0	12	39			7/1 08 09	0 0 0	00 02 06	25 53 07
		17	0	12	39			10 15/2	0 0	12 00	39 51
		18	0	12	40			258			
		19	0	12	39			11/1 12	0 0	12 12	40 39
		250									
		20	0	07	59						
		21	0	02	28						
		251									
		12	0	02	53						
		13	0	08	35						
		14	0	12	39						
		15	0	12	39						
		18	0	04	05						
		19	0	08	85						
		20	0	12	40						
		252									
		06	0	12	40						
		07	0	06	84						
		14/1	0	03	54						
		14/2	0	01	01						
		08	0	00	76						
		11	0	12	39						
		12/1	0	05	31						
		12/2	0	07	08						
		13	0	11	64						
		253									
		04	0	03	79						
		5/1	0	08	10						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	5	5	6
लॉगोबाल (जारी)	4	13/1	0	03	54	लॉगोबाल (जारी)	4	22	0	06	83
		13/2	0	03	03			23	0	04	05
		14	0	12	39			24	0	01	01
		15/1	0	04	05						
		15/2	0	05	31			263			
		259						16/1	0	02	78
								16/2	0	09	61
		11	0	11	13			17	0	12	39
		12	0	09	11			18	0	12	40
		13	0	06	07			19	0	12	39
		14	0	02	78			20/1	0	08	09
		16	0	07	59			20/2	0	02	79
		17	0	06	32						
		18	0	06	07			264			
		19	0	03	29						
		20/1	0	00	50			16	0	12	39
		20/2	0	00	51			17	0	12	40
		260						264			
								18	0	12	39
		16	0	12	39			19	0	13	15
		17	0	12	40			20	0	09	61
		18/2	0	07	08			265			
		19/1	0	08	60			11	0	01	01
		19/2	0	03	79			12	0	03	29
		20/1/2	0	10	88			13	0	05	56
		20/2	0	00	51			14	0	08	35
								15	0	11	38
		261						16	0	01	01
								17/1	0	02	28
		16/1	0	00	25			17/2	0	01	52
		16/2	0	01	01			18	0	06	88
		16/3	0	03	04			19	0	09	11
		17	0	07	84			20	0	11	38
		18/1	0	02	02			266			
		18/2	0	09	11			11	0	11	38
		19	0	12	39			12	0	12	39
		20/1	0	02	53			13/1	0	03	25
		20/2	0	09	86			13/2	0	09	11
		23	0	01	01			14	0	12	39
		24	0	04	55			15	0	12	39
		25	0	08	35			267			
								11/2	0	12	14
		262						12	0	10	12
								13	0	07	08
		16	0	12	40			16/1	0	03	54
		17	0	11	38			16/2	0	02	28
		18	0	08	35			17/1	0	06	83
		19/1	0	04	30			18	0	04	55
		19/2	0	01	52			19	0	02	28
		20/1	0	01	01			20	0	00	25
		20/2	0	01	01			289			
		20/3	0	01	01			2/2	0	12	40
		21	0	09	11			03	0	12	13
								04	0	8	35

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
लॉगोवाल (जारी)	4	05	0	03	29	लोहा खेरा (जारी)	1	17	0	00	51
		290						23	0	09	86
		03	0	02	53			24	0	11	89
		04	0	09	11			25	0	06	83
		05	0	12	39			80			
		07	0	03	29			16	0	12	14
		290						17	0	12	39
		08	0	09	61			18	0	12	89
		9/1	0	03	29			19/1	0	02	53
		9/2	0	08	10			19/2	0	07	33
		10/1	0	12	39			20	0	11	89
		291						21	0	00	50
		06	0	12	39			81			
		07	0	11	39			20	0	04	30
		08	0	04	55			88			
		09	0	00	51			2/2	0	01	52
		11/1	0	00	78			09	0	10	12
		11/2	0	11	63			10/1	0	12	39
		12	0	10	88			89			
		13	0	07	84			06	0	12	39
		14	0	01	01			07	0	12	15
		292						08	0	00	76
		11/1	0	04	55			09	0	06	83
		12	0	11	89			10	0	01	01
		13/2	0	12	39			11/1	0	11	38
		14	0	12	40			12	0	04	80
		15/2	0	06	07			90			
		15/3	0	06	32			11	0	10	88
		19	0	00	51			12	0	12	39
		20	0	02	53			90			
		293						13	0	12	40
		15	0	00	25			14	0	10	87
		294						15	0	12	39
		21/2	0	11	37			91			
		22	0	13	67			15	0	04	56
		295						16	0	07	84
		24	0	02	28			17	0	12	39
		25	0	07	33			18	0	04	55
		307									
		02	0	00	76	रतोंके	78	08			
		03	0	08	35			22	0	01	01
		04	0	12	39			23	0	08	35
		05	0	12	39			24	0	11	89
		08	0	03	04			25/1	0	00	26
		308						25/3/2	0	05	56
		01	0	12	39			09			
		02	0	12	40			16	0	11	13
		03	0	11	89			17	0	07	33
		04	0	06	83			18	0	01	77
		256						21/2	0	12	39
		06	0	11	89			22	0	12	39
		07	0	12	39			23/2	0	10	37
								24	0	05	66
								25	0	01	01
लोहा खेरा	1	79									
		16	0	05	56						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
स्तोके 76(जारी)		10				मन्देर बुर्द 81 (जारी)	12		0	11	63
		18/2	0	07	59		13		0	12	39
		19	0	12	39		14		0	12	40
		20	0	12	40		15		0	09	36
		15					44				
		1/1/1	0	11	63		13		0	01	01
		02	0	11	38		14		0	02	79
		03	0	04	05		15		0	05	31
		16					17		0	03	79
		1/2	0	03	28		18		0	11	38
		2/2	0	09	62		19		0	12	39
		03	0	12	39		50				
		04	0	12	39		11		0	05	06
		05	0	12	40		20		0	07	33
		09	0	02	78		51				
		10/1	0	08	35		14		0	00	25
साहोके	76	17					15		0	02	79
		6/1	0	05	81		16		0	09	61
		6/3	0	04	53		17/2		0	12	14
		07	0	12	39		17/1		0	11	13
		08	0	08	60		19/1/2		0	07	84
मन्देर बुर्द	82	06					19/2/2		0	00	51
		08	0	03	79		20/1		0	11	13
		9/1	0	12	40		20/2		0	01	26
		10	0	09	35		52				
		11/1	0	03	04		16		0	12	40
		07					17		0	12	39
		18/1	0	02	53		18		0	12	39
		08					19		0	12	39
		14	0	03	54		20		0	12	39
		15	0	06	07		53				
		16	0	01	01		16		0	10	12
		17	0	02	02		17		0	06	83
		09					18		0	04	05
		16	0	00	75		19/2		0	00	50
		10					21/2		0	06	58
		11/2	0	11	63		21/1/2		0	01	26
		12					22		0	11	89
		1/2	0	00	25						
		2/2	0	04	05		53				
		18	0	13	91		23		0	08	35
		19/2	0	07	59		24		0	05	56
		11					25		0	02	27
		11/1	0	03	54		60				
		11/3	0	03	54		2/2		0	00	50
		12/2	0	12	39		46				
		13	0	12	39		21		0	11	63
		14/1	0	04	66		22		0	09	36
		14/2	0	07	84		23/1		0	09	35
		15/1	0	01	52		23/2		0	03	04
		15/2	0	10	88						
		12									
		15	0	12	39						
मन्देर बुर्द	81	43									
		11	0	12	39						

[सं. आर-31015/2/90—ओ. आर-I]

S.O. 204.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 832 dated the 23rd, March, 1991 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum ;

And whereas the copies of the Gazette notification were made available to the public on 8th April, 1991;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

SCHEDULE

Tehsil : Sangrur District : Sangrur State : Punjab

Name of Village	Haddast No.	Survey No./ Khasra No./ Mustateel No./ Killa No./	Area		
			Hec-tare	Are	Square Meter
1	2	3	4	5	6
Nagra	109	2720	0	12	65
		2732	0	01	26
		2733	0	15	94
		2734	0	05	06
		2735	0	03	29
		2740	0	13	40
		2741	0	09	36
		2753	0	01	77
		2754	0	15	68
		2755/1	0	07	59
		2768	0	15	68
		2767	0	00	51
		2769/2	0	08	85
		2780	0	13	91
		2781	0	07	33
		2799	0	01	52
		2800	0	15	68
		2801/1	0	04	30
		2809	0	10	12
		4123/2810/2	0	13	15
		2871	0	07	08
Nagra	109	2872	0	15	18
		2873	0	01	77
		2878	0	15	93
		2879	0	00	51
		2881	0	5	82
		2882	0	11	38

1	2	3	4	5	6
		2884	0	09	37
		2889	0	01	52
		2890	0	05	56
Ghaggarpur	55	112	0	18	21
		210	0	03	29
		211/1	0	10	62
		211/2/2/2	0	02	02
		211/2/2/1	0	10	12
		212	0	02	02
		215/1	0	16	70
		215/2	0	05	06
		208/1	0	11	89
		208/2	0	00	76
		207	0	09	61
		206	0	22	00
		223	0	00	76
		201/2	0	00	76
		200/1	0	09	11
		194/2/2	0	07	59
		185/2	0	07	59
		185/1	0	10	11
		343		00	51
		344/1	0	24	78
		350	0	01	26
		200/2	0	16	68
		351	0	26	06
		352/1	0	00	51
		352/2	0	00	75
		353	0	26	05
		358/1	0	03	04
		357/1	0	13	40
		357/2	0	12	65
		321	0	09	35
		320/2	0	23	02
		317	0	03	05
		318	0	22	00
		315	0	10	37
		450/2	0	16	69
		452/1/2	0	10	37
Kheri	47	14			
		16/1	0	01	77
		16/2	0	08	35
		16/3	0	01	01
		15			
		19/2	0	06	07
		20	0	12	90
		22	0	03	04
		23	0	12	14
		24	0	12	65
		25/1	0	01	26
		25/2	0	09	10
		16			
		21	0	00	51
		19			
		11	0	08	85
		18	0	00	51
		19	0	11	89
		20	0	04	89
		22/2	0	01	26
		23	0	14	16
		24	0	02	28
		20			
		1/2	0	10	87
		02	0	12	90

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Kheri (Contd.)	47	03	0	10	88	Beer Ashwan Contd.	38	12	0	05	31
		04	0	01	01			18	0	01	26
		07	0	13	91			19	0	12	90
		08	0	01	26			22	0	00	25
		15	0	10	88			23	0	13	66
		06	0	04	55			17			
		34									
		04	0	11	63			04	0	04	55
		05	0	07	85			05	0	10	88
		06	0	06	07			06	0	07	34
		35						18			
		09	0	00	26			03	0	03	54
		10	0	12	65			04	0	11	89
		11	0	02	02			06	0	08	85
		12	0	11	38			07	0	06	32
		13/2	0	01	77			15	0	09	61
		18	0	12	65			19			
		19	0	00	26			11	0	05	06
		17	0	07	58			19	0	01	77
		24	0	06	83			20	0	11	64
		25	0	11	38						
		26	0	03	29	Ram Nagar Sibian	37	102 m			
		37						02	0	17	71
		01	0	11	63			105	0	20	22
		09	0	01	77			106	0	20	24
		38						109/1	0	08	85
		05	0	03	29			109/2	0	03	79
		06						110	0	03	04
		13	0	00	51			111	0	11	39
		14	0	08	84			624/243	0	20	23
		17	0	04	55			677/246	0	20	24
Kambo Majra Kalan	45	34/2	0	13	92			249	0	08	85
		335/31/1	0	20	23			250	0	19	47
		32/1	0	13	91			251	0	00	76
		337/32/2	0	06	32			252	0	11	38
		422/33/1	0	10	11			442	0	18	22
		422/33/2	0	10	12			443/1	0	20	24
		150	0	20	23			444	0	20	23
		165	0	20	23			391/2	0	21	75
		173	0	20	24			392	0	19	48
		174	0	06	32			373	0	18	21
		179/2	0	05	06			374	0	00	76
		180/1	0	20	23			372	0	14	92
		196/2	0	15	17			393/2	0	03	29
		197/1/2	0	16	45			363	0	10	37
		197/2	0	02	53			365	0	22	51
		198	0	08	85			359	0	02	02
		199	0	1	38			360	0	06	33
		200/2	0	01	26			01	0	08	85
Beer Ashwan	38	8				Upli	7	451/2	0	20	23
		12	0	03	04			456	0	13	91
		13	0	02	27			457	0	13	91
		17	0	00	50			458	0	13	91
		18	0	16	95			459	0	13	91
		23	0	01	52			490	0	13	91
		24	0	13	66			491	0	10	88
		16						495	0	07	59
		10	0	08	09			496	0	04	30
		11	0	10	12			501	0	00	51
								511	0	15	68
								512	0	13	91
								513	0	13	40

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Upli--Countd.		534	0	09	62	Ubewal--Contd.	6	18/2-3	0	13	15
		535	0	06	32			19	0	03	29
		536	0	02	53			22/1	0	06	07
		539	0	14	60			22/2	0	03	54
		540	0	11	63			127			
		1291	0	06	58			06	0	12	39
		1292	0	01	52			07	0	12	39
		1293	0	14	16			08	0	11	89
		1294/2	0	13	91			09	0	07	84
		1479	0	17	96			10	0	00	51
		1480	0	13	91			11	0	13	15
		1481	0	13	91			12/1	0	03	54
		1495/1	0	03	79			12/2	0	01	26
		1495/2	0	09	87			13	0	00	51
		1496	0	13	91			128			
		1497	0	12	39			04	0	02	78
		1498/2	0	09	61			05	0	10	37
		1807	0	06	32			07	0	09	61
		1808	0	12	64			08	0	12	65
		1815	0	13	15			09	0	11	13
		1818	0	13	91			10	0	12	40
		1819	0	13	91			129			
		1820	0	00	77			01	0	1	12
		1822	0	01	27			02	0	12	39
		2087	0	05	06			10	0	02	27
		1853	0	04	55			140			
		2129/1	0	09	86			19		13	41
		2129/2	0	01	26			20/2		04	05
		2130	0	00	76			21/1	0	01	52
		2131/1	0	08	85			21/2	0	07	84
		2132/1	0	06	83			141			
		2132/2	0	03	04			24	0	08	60
		2139	0	13	91			25	0	13	40
		2140	0	13	91			150			
Chatha	8	241	0	15	18			04	0	03	28
Sekwan		246	0	13	91			05	0	09	11
		311	0	13	15			06	0	03	29
		318	0	13	91			7/1	0	00	76
		319	0	09	61			7/2	0	00	76
		320/2	0	03	29			151			
Chatha	8	321	0	10	62			01	0	09	61
Sekwan		322	0	04	30			02	0	10	12
Contd.		357	0	13	91			3/1	0	07	34
		358	0	13	91			3/2	0	03	29
		362	0	13	91			04	0	12	14
		363	0	05	06			5/1	0	04	30
Ubewal	6	99						5/2	0	08	09
		17/2	0	04	30			07	0	00	25
		18	0	11	89			08	0	01	01
		19	0	09	11			09	0	02	28
		20	0	03	28			10	0	02	78
		21/2	0	09	11			132			
		22	0	03	28			1/1	0	12	40
		23	0	00	26			02	0	11	63
		100						3/2	0	09	87
		22	0	12	39			04	0	12	39
		23	0	12	40			05	0	12	39
		24/2-3	0	11	13			153			
		25	0	12	39			01	0	12	40
		126									
		14	0	01	77						
		15	0	12	40						
		16	0	00	76						
		17/1	0	06	32						
		17/2	0	04	05						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Ubawal—Contd.	6	153				Killa Bharian—Contd.	5	20/2	0	05	06
		02	0	12	40		21		0	05	56
		03	0	12	39		22		0	07	84
		4/2	0	06	07		23/1		0	09	11
		4/3	0	06	07		23/2		0	02	78
		5/1	0	07	33		24		0	12	40
		5/2	0	05	06		25		0	12	39
		154					53				
		01	0	12	40		16/1		0	08	60
		02	0	12	39		17		0	11	13
		03	0	12	39		18		0	12	39
		04	0	12	40		19		0	12	39
		5/1	0	10	12		20/1		0	06	07
		5/2	0	02	27		20/2		0	06	33
		155					24/1		0	00	25
		01	0	12	40		25		0	02	78
		02	0	12	39		53				
		3/2	0	12	40		11		0	01	77
		04	0	12	39		16		0	12	39
		5/2	0	12	39		17		0	12	40
		156					18		0	12	39
		01	0	11	38		19/1		0	01	52
		02	0	12	39		19/2		0	01	52
		03	0	12	40		20/1		0	10	63
		04	0	12	39		54				
		05	0	12	39		15		0	01	26
		157					16		0	03	04
		01	0	12	40		59				
		02	0	12	40		04		0	01	01
		03	0	12	39		5/2		0	04	05
		04	0	12	39		60				
		05	0	12	40		01		0	06	83
		158					02		0	09	11
		01	0	12	39		04		0	12	39
		2/1	0	02	79		5/1		0	06	58
		2/2	0	07	07		61				
		3/1	0	04	30		1/1		0	08	09
		3/2	0	08	35		2/1		0	12	40
		04	0	06	32		03		0	11	63
Killa Bharian	5	48					04		0	12	40
		21	0	05	31		5/2/2		0	12	39
		48					62				
		22	0	02	78		01		0	11	13
		23	0	00	50		02		0	11	89
		49					3/2		0	10	62
		21	0	12	39		4/2		0	05	31
		22/3	0	10	63		07		0	01	52
		23	0	12	39		08		0	01	77
		24	0	11	13		9/1		0	00	51
		25/2	0	08	34	Longowal	4	248			
		50					24		0	03	04
		21	0	12	39		25		0	09	12
		22	0	12	40		249				
		23	0	12	39		21/1		0	08	35
		24	0	12	40		21/2		0	04	05
		25	0	12	39		22		0	12	39
		51					23/1		0	12	39
		18	0	01	52		24		0	11	38
		19	0	04	55						
		20/1	0	01	52						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6	
Longowal Contd.	4	25		0	11	64	Longowal—Contd.	4	8/1	0	06	07
								8/2	0	06	07	
								09	0	09	61	
								10	0	06	83	
								256				
	250							08	0	12	39	
	16		0	12	39			09	0	12	40	
	17		0	12	39			10	0	12	39	
	18		0	12	40			15/2	0	00	51	
	19		0	12	39			257				
	250							7/1	0	00	25	
	20		0	07	59			08	0	02	53	
	21		0	02	28			09	0	06	07	
	251							10/2	0	01	01	
	12		0	02	53			10/3	0	08	60	
	13		0	08	35			11	0	02	78	
	14		0	12	39			12	0	06	07	
	15		0	12	39			13/1	0	07	84	
	18		0	04	05			13/2	0	01	52	
	19		0	08	85			14	0	12	14	
	20		0	12	40			15	0	12	39	
	252							258				
	06		0	12	40			11/1	0	12	40	
	07		0	06	84			12	0	12	39	
	14/1		0	03	54			13/1	0	03	54	
	14/2		0	01	01			13/2	0	03	03	
	08		0	00	76			14	0	12	39	
	11		0	12	39			15/1	0	04	05	
	12/1		0	05	31			15/2	0	05	31	
	12/2		0	07	08			259				
	13		0	11	64			11	0	11	13	
	253							12	0	09	11	
	04		0	03	79			13	0	06	07	
	5/1		0	08	10			14	0	02	78	
	5/2		0	02	78			16	0	07	59	
	6/2		0	01	52			17	0	06	32	
	7/1		0	05	06			18	0	06	07	
	7/2		0	01	26			19	0	03	29	
	08		0	12	39			20/1	0	00	50	
	09		0	12	39			20/2	0	00	51	
	10		0	12	40			260				
	254							16	0	12	39	
	01		0	12	39			17	0	12	40	
	02		0	11	38			18/2	0	07	08	
	03		0	12	40			19/1		08		
	04		0	12	14			19/2	0	03	79	
	05		0	09	11			20/1/2	0	10	88	
	06		0	03	28			20/2	0	00	51	
	07		0	00	25			261				
	255							16/1	0	00	25	
	01		0	05	56			16/2	0	01	01	
	3/1		0	00	25			16/3	0	03	04	
	06		0	13	66			17	0	07	84	
	255							18/1	0	02	02	
	07		0	08	10			18/2	0	09	11	
								19	0	12	39	
								20/1	0	02	53	
								20/2	0	09	86	
								23	0	01	01	

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Longowal—Contd.	4	24	0	04	55	Longowal—Contd.	4	16/2	0	02	28
		25	0	08	35			17/1	0	06	83
		262						18	0	04	55
		16	0	12	40			19	0	02	28
		17	0	11	38			20	0	00	25
		18	0	08	35			289			
		19/1	0	04	30			2/2	0	12	40
		19/2	0	01	52			03	0	12	13
		20/1	0	01	01			04	0	08	35
		20/2	0	01	01			05	0	03	29
		20/3	0	01	01			290			
		21	0	09	11			03	0	02	53
		22	0	06	83			04	0	09	11
		23	0	04	05			05	0	12	39
		24	0	01	01			07	0	03	29
		263						290			
		16/1	0	02	78			08	0	09	61
		16/2	0	09	61			9/1	0	03	29
		17	0	12	39			9/2	0	08	10
		18	0	12	40			10/1	0	12	39
		19	0	12	39			291			
		20/1	0	08	09			06	0	12	39
		20/2	0	02	79			07	0	11	39
		264						08	0	04	55
		16	0	12	39			09	0	00	51
		17	0	12	40			11/1	0	00	76
		264						11/2	0	11	63
		18	0	12	39			12	0	10	88
		19	0	13	15			13	0	07	84
		20	0	09	61			14	0	01	01
		265						292			
		11	0	01	01			11/1	0	04	55
		12	0	03	29			12	0	11	89
		13	0	05	56			13/2	0	12	39
		14	0	08	35			14	0	12	40
		15	0	11	38			15/2	0	06	07
		16	0	01	01			15/3	0	06	32
		17/1	0	02	28			19	0	00	51
		17/2	0	01	52			20	0	02	53
		18	0	06	88			293			
		19	0	09	11			15	0	00	25
		20	0	11	38			294			
		266						21/2	0	11	37
		11	0	11	38			22	0	13	67
		12	0	12	39			295			
		13/1	0	03	25			24	0	02	28
		13/2	0	09	11			25	0	07	33
		14	0	12	39			307			
		15	0	12	39			02	0	00	76
		267						03	0	08	35
		11/2	0	12	14			04	0	12	39
		12	0	10	12			05	0	12	39
		13	0	07	08			08	0	03	04
		16/1	0	03	54			308			
								01	0	12	39

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Longowal Contd.		02	0	12	40						
		03	0	11	89	Rattoke Contd.	76	22	0	01	01
		04	0	06	83			23	0	08	35
		256						24	0	11	89
		06	0	11	89			25/1	0	00	26
		07	0	12	39			25/3/2	0	05	56
Loha Khera	1	79						09			
		16	0	05	56			16	0	11	13
		17	0	00	51			17	0	07	33
		23	0	09	86			18	0	01	77
		24	0	11	89			21/2	0	12	39
		25	0	06	83			22	0	12	39
		80						23/2	0	10	37
		16	0	12	14			24	0	05	06
		17	0	12	39			25	0	01	01
		18	0	12	89			10			
		19/1	0	02	53			18/2	0	07	59
		19/2	0	07	33			19	0	12	39
		20	0	11	89			20	0	12	40
		21	0	00	50			15			
		81						1/1/1	0	11	63
		20	0	04	30			02	0	11	38
		88						03	0	04	05
		2/2	0	01	52			16			
		09	0	10	12			1/2	0	03	28
		10/1	0	12	39			2/2	0	09	62
		89						03	0	12	39
		06	0	12	39			04	0	12	39
		07	0	12	15			05	0	12	40
		08	0	00	76			09	0	02	78
		09	0	06	83			10/1	0	08	35
		10	0	01	01			17			
		11/1	0	11	38			6/1	0	05	81
		12	0	04	80			6/3	0	04	55
		90						07	0	12	39
		11	0	10	88	Sahoke	82	08	0	08	60
		12	0	12	39			06			
		90						08	0	03	79
		13	0	12	40			9/1	0	12	40
		14	0	10	87			10	0	09	35
		15	0	12	39			11/1	0	03	04
		91						07			
		15	0	04	56			15/1	0	02	53
		16	0	07	84			08			
		17	0	12	39			14	0	03	54
		18	0	04	55			15	0	06	07
Rattoke	76	08						16	0	01	01
								17	0	02	02
								09			
								16	0	00	75
								10			
								11/2	0	11	63
								12			

1	2	3	4	5	6
Sahoke—Contd	82	1/2	0	00	25
		2/2	0	04	05
		18	0	13	91
		19/2	0	07	59
		11			
		11/1	0	03	54
		11/3	0	03	54
		12/2	0	12	39
		13	0	12	39
		14/1	0	04	56
		14/2	0	07	84
		15/1	0	01	52
		15/2	0	10	88
		12			
		15	0	12	39
Mander Khurd	81	43			
		11	0	12	39
		12	0	11	63
		13	0	12	39
		14	0	12	40
		15	0	09	36
		44			
		13	0	01	01
		14	0	02	79
		15	0	05	31
		17	0	03	79
		18	0	11	38
		19	0	12	39
		50			
		11	0	05	06
		20	0	07	33
		51			
		14	0	00	25
		15	0	02	79
		16	0	09	61
		17/2	0	12	14
		17/1	0	11	13
		19/1/2	0	07	84
		19/2/2	0	00	51
		20/1	0	11	13
		20/2	0	01	26
		52			
		16	0	12	40
		17	0	12	39
		18	0	12	39
		19	0	12	39
		20	0	12	39
		53			
		16	0	10	12
		17	0	06	83
		18	0	04	05
		19/2	0	00	50
		21/2	0	06	58
		21/1/2	0	01	26
		22	0	11	89

1	2	3	4	5
Mander Khurd Contd. 81	53			
	23	0	08	35
	24	0	05	56
	25	0	02	27
	60			
	2/2	0	00	50
	46			
	21	0	11	63
	22	0	09	36
	23/1	0	09	35
	23/2	0	03	04

[No. R-31015/2/90-O.R.-I]

का. भा. 205.—केन्द्रीय सरकार में, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. भा. 835 तारीख 23 मार्च, 1991 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के पने प्राप्ति की घोषणा की थी ;

और राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 8 अप्रैल, 1991 को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसारण में श्रम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है ;

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त भूमि के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी जिल्लों में से मुक्त इंडियन आयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

तहसील : फूल	जिला : अटिठा	राज्य : पंजाब			
गांव का नाम	हवबस्त नं.	मुस्तलील नं./ किला नं./	क्षेत्रफल		
			हैक्टर	भार	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6
आऊके	450	207 22/2 23	0 0	01 10	51 12

1	2	3	4	5	6
बाऊ के	450	209			
		01	0	12	90
		2/1	0	02	53
		2/2	0	09	11
		03	0	01	01
		210			
		04	0	01	01
		5/2	0	06	07
		06	0	00	76
		7/1	0	14	17
		8/1	0	06	07
		8/2	0	06	07
		09	0	11	13
		10	0	01	52
		11/1	0	11	38
		12	0	01	77
		211			
		13/2	0	00	76
		14	0	10	62
		15/1	0	05	06
		15/2	0	08	09
		17/1	0	02	28
		18	0	11	88
		19	0	12	90
		20/1	0	02	28
		20/2	0	04	30
		21	0	01	01
		212			
		17/2	0	02	03
		18	0	01	01
		21	0	12	39
		22	0	12	40
		23	0	11	38
		24	0	09	11
		25/2	0	01	26
		213			
		21	0	12	39
		22	0	12	39
		23	0	12	40
		24	0	12	39
		25/1	0	03	29
		25/2	0	07	33
		214			
		21	0	12	39
		22	0	10	13
		23	0	12	65
		24	0	12	39
		25	0	12	39
		215			
		21/2	0	07	84
		22	0	10	12
		23	0	11	13
		24	0	12	39
		25	0	12	40

1	2	3	4	5	6
बाऊ के	450	216			
		22	0	00	51
		23	0	01	77
		24/2	0	03	29
		25	0	05	56
		227			
		1/2	0	00	51
		03	0	00	50
		04	0	01	77
		05	0	02	28
		06	0	10	12
		07	0	10	62
		8/2	0	11	89
		09	0	12	14
		228			
		01	0	02	78
		02	0	03	29
		03	0	04	05
		4/1	0	00	25
		4/2	0	03	54
		05	0	04	55
		06	0	07	84
		07	0	07	34
		8/2	0	08	09
		09	0	09	11
		10	0	09	61
		229			
		01	0	04	55
		2/1	0	03	04
		2/2	0	02	02
		03	0	05	57
		04	0	05	56
		05	0	06	08
		06	0	06	07
		07	0	05	83
		08	0	05	83
		09	0	07	33
		10	0	07	84
		230			
		01	0	06	83
		02	0	07	33
		03	0	07	84
		08	0	01	51
		09	0	02	78
		10	0	03	29
		232			
		5/2	0	04	56
		5/1	0	07	5
		233			
		01	0	12	39
		02	0	12	40
		03	0	12	39
		04	0	12	40
		05	0	12	39

1	2	3	4	5	9	1	2	3	4	5	6
साऊके	450	234				खोखर	1	944	0	25	55
		01	0	12	40			972	0	04	55
		2/1	0	09	60			973	0	00	25
		03	0	08	09			976	0	15	43
		4/1	0	12	39			977	0	15	18
		5/1	0	11	13			977/1	0	13	90
		5/2	0	01	01			978	0	06	07
		235						981	0	17	96
		01	0	12	39			982	0	11	63
		02	0	11	89			984	0	15	43
		03	0	10	62	कुटे	3	156	0	22	76
		04	0	09	11			157	0	15	43
		05	0	08	83			158	0	15	43
		236						160/1	0	15	43
		01	0	04	55			165/2	0	01	26
		02	0	02	28			165/3	0	14	16
खोखर		561	0	05	06			166/1/2	0	13	91
		562	0	06	07			167/2	0	10	62
		563	0	18	46			408/2	0	06	57
		568	0	05	31			577	0	10	62
		568/1	0	11	63			578	0	15	43
		569	0	04	30			580	0	15	43
		685	0	16	19			582	0	15	43
		705	0	22	00			583	0	05	82
		713	0	22	51			589/4/2	0	01	77
		714/1	0	06	58			599/1/1/2	0	07	08
		715	0	01	26			599/1/2	0	07	84
		716	0	15	43			600/1	0	15	43
		717	0	15	43			605	0	15	43
		723	0	15	43			607	0	15	43
		724	0	15	43			898/5/1	0	01	01
		735	0	05	06			898/4/1	0	05	56
		736	0	15	43			898/4/2	0	07	85
		737	0	15	43			899/2/2/1	0	15	43
		754/1	0	23	78			900/2/2/1	0	04	55
		1476/756	0	02	53			900/2/2/3	0	10	87
		1477/757	0	19	98			901/1	0	15	43
		761	0	15	43			910/2/1	0	00	76
		855/1	0	14	92			911/1/2	0	07	84
		857	0	10	62			915	0	06	58
		858	0	15	43			916	0	14	67
		859	0	15	43			912	0	09	87
		860	0	15	43			914/2/2	0	00	25
		862	0	14	42			965	0	00	26
		888	0	15	43			966/2/1	0	11	89
		889	0	13	91			966/2/2	0	02	76
		898	0	15	43			967/2	0	02	78
		901	0	15	43			967/3	0	12	65
		919	0	15	43			968/1	0	15	43
		920	0	09	36			971/1	0	04	55
		922	0	11	38			971/4	0	00	51
		1491/925	0	28	08			971/3	0	10	12
		940	0	22	26			972/1	0	15	43
		1502/941	0	15	43			975/2	0	07	24
		942	0	20	74						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
कुछे	3	975/3	0	03	84	बालियावाली	6	3/2/1	0	15	43
		977/2/1	0	01	01			4/1	0	09	86
		977/2/2	0	13	91			4/2	0	04	56
		978/2/1	0	15	43			140			
		981/3/1/1	0	04	54			3/1	0	04	30
		981/3/2	0	10	88			4/2	0	11	38
		982/1/2/2	0	01	26			05	0	03	28
		982/1/1/2/1	0	07	34			06	0	11	13
		990	0	09	36			07	0	10	43
		991/2/1	0	07	84			08	0	15	43
		991/2/2	0	06	07			147			
		992/1/1	0	01	01			5/1	0	15	43
रामनवास	4	20						6/1	0	12	90
		11/2	0	01	26			6/2/2	0	00	76
		12/1/1	0	04	55			7/2/1/2	0	02	28
		12/2	0	01	52			7/2/2/2	0	12	64
		13/1	0	09	61			8/2	0	15	42
		14/1	0	12	14			148			
		15/1	0	07	33			5/1	0	01	52
		15/2	0	02	78			148			
		17/1	0	00	25			5/2	0	13	91
		18/1	0	02	28			06	0	15	43
		18/2	0	00	76			7/1	0	13	66
		19	0	06	07			7/2	0	01	77
		20	0	03	04			08	0	15	43
		21						149			
		11/1	0	08	09			5/1	0	04	05
		12/1/1	0	05	31			5/2	0	11	38
		12/2	0	03	79			6/1/1	0	06	07
		13/1	0	12	39			6/2	0	07	59
		14/2	0	12	39			7/1	0	15	43
		21						8/3	0	15	42
		15/1/1	0	01	26			150			
		15/2	0	11	13			5/1/2	0	09	36
		22						6/3	0	02	02
		06	0	11	13			158			
		07	0	08	09			5/1	0	01	52
		08	0	05	06			5/2	0	01	52
		9/1	0	01	01			159			
		11	0	12	39			5/2	0	15	43
		12	0	11	38			6/1	0	15	43
		13/1	0	02	02			7/2	0	15	43
		13/2	0	05	06			8/1	0	15	43
		14	0	03	79			160			
		15	0	01	01			05	0	15	43
बालियावाली	6	144						06	0	14	42
		01	0	15	43			07	0	15	42
		2/1	0	10	12			8/1	0	11	89
		3/2	0	12	90			8/2	0	03	54
		04	0	07	08			161			
		145						3/2	0	01	26
		1/2	0	15	43			5/1	0	05	56
		2/1	0	15	43			06	0	14	17
								7/1	0	15	43

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		162				शंभुके	11	15/2	0	01	26
		1/1	0	14	42			85/2	0	07	83
		02	0	15	43			86/1	0	09	36
		03	0	15	13			86/2	0	05	57
		4/2	0	15	43			89/1/1/1	0	12	90
बालियावाली	6	163						92	0	15	43
		01	0	15	43			94/1	0	054	06
		2/1	0	10	11			94/2	0	10	62
		2/2	0	05	31			101/1	0	15	43
		3/2	0	14	92			102/1	0	14	42
		4/1	0	00	51			103	0	15	43
		4/2	0	14	92			104	0	15	43
		164			4			107/1	0	15	43
		01	0	15	43			108//1/1	0	12	90
		02	0	15	43			109	0	00	76
		03	0	15	43			141	0	11	38
		04	0	13	91			142/1	0	02	53
		165						142/2	0	12	90
		01	0	13	91			143/1	0	01	26
		02	0	15	43			143/2/1	0	04	56
		03	0	13	41			143/2/2	0	08	09
		4/1	0	05	31			144	0	09	11
								150	0	00	25
								151	0	03	54
नंदगढ़	9	88/1	0	00	25			169/1	0	05	31
		88/2	0	01	52			169/2	0	01	27
		89/1	0	14	92			170/1	0	00	25
		90/1	0	01	77			170/3	0	09	36
		103	0	13	91			171/1/2	0	04	56
		104	0	15	68			171/1/3	0	05	06
		105	0	12	65			172/3/2	0	03	03
गिलखुर्द	8	60						172/2	0	07	08
		15/2	0	00	51			213/2	0	19	98
		16	0	12	14			214/2	0	14	92
		17/1	0	09	61			221/1/1	0	01	01
		17/2	0	03	04			222/1	0	05	31
		18	0	12	14			222/3	0	00	76
		19	0	12	90			230/1/1	0	01	26
		61						230/1/2/2	0	10	63
		11	0	06	07			246/3/1	0	03	54
		12	0	11	38			246/4/2	0	11	89
		13	0	01	52			247/1/2	0	04	05
		19	0	00	25			247/3/2	0	01	01
		20	0	06	07			247/4/2	0	10	62
		65						248/2/1	0	15	69
		08	0	00	72			249	0	15	68
		09	0	00	25			250	0	15	68
शंभुके	11	06	0	11	63	शंभुके	11	252	0	10	88
		09	0	15	43			261/2	0	05	57
		10	0	15	43			261/3	0	09	86
		14/1	0	05	06						
		14/2	0	10	62						
		15/1/1	0	04	05						
		15/1/2	0	00	51						

[सं. गार-31015/2/90-ओ. गार.-1]

S.O. 205.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 835, dated the 23rd, March 1991 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines

(Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the Gazette notification were made available to the public on 8th April, 1991;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

SCHEDULE

Tehsil : Phul District : Bhatinda State : Punjab					
Name of Village	Had- bast No.	Survey No / Khasra No./ Mustateel No./ Killa No./	Area Hec- tare	Sq. M.	
1	2	3	4	5	6
Chouke	450	207			
		22/2	0	01	51
		23	0	10	12
		209			
		01	0	12	90
		2/1	0	02	53
		2/2	0	09	11
		03	0	01	01
		210			
		04	0	01	01
		5/2	0	06	07
		06	0	00	76
		7/1	0	14	17
		8/1	0	06	07
		8/2	0	06	07
		09	0	11	13
		10	0	01	52
		11/1	0	11	38
		12	0	01	77
Chouke Contd.	450	211			
		13/2	0	00	62
		14	0	10	76
		15/1	0	05	06
		15/2	0	08	09

1	2	3	4	5	6
Chouke Contd.	450	17/1	0	02	28
		18	0	11	88
		19	0	12	90
		20/1	0	02	28
		20/2	0	04	30
		21	0	01	01
		212			
		17/2	0	02	03
		18	0	01	01
		21	0	12	39
		22	0	12	40
		23	0	11	38
		24	0	09	11
		25/2	0	01	26
		213			
		21	0	12	39
		22	0	12	39
		23	0	12	40
		24	0	12	39
		25/1	0	03	29
		25/2	0	07	33
		214			
		21	0	12	39
		22	0	10	13
		23	0	12	65
		24	0	12	39
		25	0	12	39
		215			
		21/2	0	07	84
		22	0	10	22
		23	0	11	13
		24	0	12	39
		25	0	12	40
		216			
		22	0	00	51
		23	0	01	77
		24/2	0	03	29
		25	0	05	56
		227			
		1/2	0	00	51
		03	0	00	50
		04	0	01	77
		05	0	02	28
		06	0	10	12
		07	0	10	62
		8/2	0	11	89
		09	0	12	14
		228			
		01	0	02	78
		02	0	03	29
		03	0	04	05
		4/1	0	00	25
		4/2	0	03	54
		05	0	04	55
		06	0	07	84
		07	0	07	34
		8/2	0	08	09
		09	0	09	11
		10	0	09	61

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Chouke Contd.	450	229				Khokhar Contd.	1	724	0	15	43
		01	0	04	55			735	0	05	06
		2/1	0	03	04			736	0	15	43
		2/2	0	02	02			737	0	15	43
		03	0	05	57			754/1	0	23	78
		04	0	05	56			1476/756	0	02	53
		05	0	06	08			1477/757	0	19	98
		06	0	06	07			761	0	15	43
		07	0	05	83			855/1	0	14	92
		08	0	05	83			857	0	10	62
		09	0	07	33			858	0	15	43
		10	0	07	84			859	0	15	43
		230						860	0	15	43
		01	0	06	83			862	0	14	42
		02	0	07	33			888	0	15	43
		03	0	07	84			889	0	13	91
		08	0	01	51			898	0	15	43
		09	0	02	78			901	0	15	43
		10	0	03	29			919	0	15	43
		232						920	0	09	36
		5/2	0	04	56			922	0	11	38
		5/1	0	07	85			1491/925	0	28	08
		233						940	0	22	26
		01	0	12	39			1502/941	0	15	43
		02	0	12	40			942	0	20	74
		03	0	12	39			944	0	25	55
		04	0	12	40			972	0	04	55
		05	0	12	39			973	0	00	25
		234						976	0	15	43
		01	0	12	40			977	0	15	18
		2/1	0	09	60			977/1	0	13	90
		03	0	08	09			978	0	06	07
		4/1	0	12	39			981	0	17	96
		5/1	0	11	13			982	0	11	63
		5/2	0	01	01			984	0	15	43
		235									
		01	0	12	39						
		02	0	11	89						
		03	0	10	62						
		04	0	09	11						
		05	0	06	83						
		236									
		01	0	04	55						
		02	0	02	28						
Khokhar	1	561	0	05	06						
		562	0	06	07						
		563	0	18	46						
		568	0	05	31						
		568/1	0	11	63						
		569	0	04	30						
		685	0	16	19						
		705	0	22	00						
		713	0	22	51						
		714/1	0	06	58						
		715	0	01	26						
		716	0	15	43						
		717	0	15	43						
		723	0	15	43						
</											

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Dhadde Contd.	3	915	0	06	58	Balian Wali	6	144			
		916	0	14	67			01	0	15	43
		912	0	09	87			2/1	0	10	12
		914/2/2	0	00	25			3/2	0	12	90
		965	0	00	26			04	0	07	08
		966/2/1	0	11	89			145			
		966/2/2	0	02	78			1/2	0	15	43
		967/2	0	02	78			2/1	0	15	43
		967/3	0	12	65			3/2/1	0	15	43
		968/1	0	15	43			4/1	0	09	86
		971/1	0	04	55			4/2	0	04	56
		971/4	0	00	51			146			
		971/3	0	10	12						
		972/1	0	15	43			3/1	0	04	30
		975/2	0	07	84			4/2	0	11	38
		975/3	0	03	84			05	0	03	28
		977/2/1	0	01	01			06	0	11	13
		977/2/2	0	13	91			07	0	15	43
		978/2/1	0	15	43			08	0	15	43
		981/3/1/1	0	04	54			147			
		981/3/2	0	10	88						
		982/1/2/2	0	01	26			5/1	0	15	43
		982/1/1/2/1	0	07	34			6/1	0	12	90
		990	0	09	36			6/2/2	0	00	76
		991/2/1	0	07	84			7/2/1/2	0	02	28
		991/2/2	0	06	07			7/2/2/2	0	12	64
		992/1/1	0	01	01			8/2	0	15	42
Ramanwas	4	20						148			
		11/2	0	01	26			5/1	0	01	52
		12/1/1	0	04	55	Balian Wali (Contd.)	6	148			
		12/2	0	01	52			5/2	0	13	91
		13/1	0	09	61			06	0	15	43
		14/1	0	12	14			7/1	0	13	66
		15/1	0	07	33			7/2	0	01	77
		15/2	0	02	78			08	0	15	43
		17/1	0	00	25			149			
		18/1	0	02	28			5/1	0	04	05
		18/2	0	00	76			5/2	0	11	38
		19	0	06	07			6/1/1	0	06	07
		20	0	03	04			6/2	0	07	59
		21						7/1	0	15	43
		11/1	0	08	09			8/3	0	15	42
		12/1/1	0	05	31			150			
		12/2	0	03	79			5/1/2	0	09	36
		13/1	0	12	39			6/3	0	02	02
		14/2	0	12	39			158			
Ramanwas (Contd.)	4	21						5/1	0	01	52
		15/1/1	0	01	26			5/2	0	01	52
		15/2	0	11	13			159			
		22						5/2	0	15	43
		06	0	11	13			6/1	0	15	43
		07	0	08	09			7/2	0	15	43
		08	0	05	06			8/1	0	15	43
		9/1	0	01	01			160			
		11	0	12	39			05	0	15	43
		12	0	11	38			06	0	14	42
		13/1	0	02	02			07	0	15	42
		13/2	0	05	06						
		14	0	03	79						
		15	0	01	01						

[No. R-31015/2/90-O.R.-I]

नई दिल्ली, 7 जनवरी, 1992

का.प्र. 206—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं.का.प्र. 1147 तारीख 20 अप्रैल, 1991 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी,

और राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 30 अप्रैल, 1991 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार की रिपोर्ट दे दी है,

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए :

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है;

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निवेद्य देती है कि उक्त भूमि के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी विप्लवगमों से मुक्त इंडियन आयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

तहसील : गुरुडला		जिला : कैथल				राज्य : हरियाणा	
गांव का नाम	हूबवस्तु नं. नं.	क्षेत्रफल					
		खसरा	कनाल	मरला	हेक्टर	घार	वर्ग मीटर
1	2	3	4	5	6	7	8
खेड़ी सलाम अली	83	04					
		11	0	16	0	09	11
		12	0	00	0	00	00
		18	1	03	0	05	82
		19	2	16	0	14	16
		20	0	12	0	03	03
		23	1	14	0	08	60
		25	0	05	0	01	26
		05					
		03	0	19	0	04	81
		06	0	07	0	01	77
		07	2	14	0	13	66
		08	1	11	0	07	84
		14	0	02	0	00	51
		15	2	06	0	11	63
		11					
		04	0	02	0	00	51
		05	2	10	0	12	64
		12					
		08	0	03	0	00	76
		12					
		09	2	17	0	14	42
		10	0	18	0	04	55
		12	0	05	0	01	27
		13	2	18	0	14	92
		14	0	11	0	02	78
		16	1	02	0	05	56
		14					
		01	1	07	0	06	83
		02	2	06	0	11	63
		08	2	17	0	14	42
		09	0	15	0	03	79
		13	0	06	0	01	52
14	0	10	0	02	53		

1	2	3	4	5	6	7	8
उमेशपुर	82	47					
		18	0	07	0	01	77
		19	2	17	0	14	42
		20	1	04	0	06	07
		22	0	02	0	00	51
		23	2	12	0	13	15
		24	1	07	0	06	83
		50					
		04	1	07	0	06	83
		06	0	08	0	02	02
		51					
		01	0	01	0	00	25
		09	0	15	0	03	79
		10	2	18	0	14	67
		11	0	00	0	00	00
		12	2	04	0	11	13
		13	1	15	0	08	85
		16	0	10	0	02	53
		17	2	16	0	14	16
		18	1	03	0	05	82
		24	0	00	0	00	00
		25	2	02	0	10	62
		52					
		21	2	05	0	11	38
		22/1	0	00	0	00	
		66					
		01	0	10	0	02	53
		2/1	0	19	0	04	81
		2/2	1	06	0	06	58
		03	0	00	0	00	00
प्रभावत	81	06					
		07	2	12	0	13	15
		14	1	15	0	08	85
		15	0	11	0	02	78
		16	2	06	0	11	64
		17	0	01	0	00	25
		10					
		11/1	1	03	0	05	82
		11/2	1	03	0	05	82
		19	0	11	0	02	78
		20	1	15	0	08	85
		21	0	01	0	00	25
		22	2	03	0	10	88
		16					
		20	0	10	0	02	53
		21	2	09	0	12	39
		22	1	11	0	07	84
		17					
		2/1	0	06	0	01	52
		2/2	2	01	0	10	37
		08	1	04	0	06	07
		09	1	13	0	08	35
		13	1	09	0	07	33
		14/1	0	13	0	03	29

1	2	3	4	5	6	7	8
प्रभावत	81	14/2	1	05	0	06	32
		15/1	0	00	0	00	00
		16	2	18	0	14	67
		17					
		25/1	0	01	0	00	25
		25					
		02	0	09	0	02	28
		3/1	0	18	0	04	55
		3/2	1	12	0	08	09
		04	0	02	0	00	51
		06	0	18	0	04	55
		07	2	17	0	14	42
		8/1	0	07	0	01	77
		15	2	00	0	10	12
		26					
पहाड़पुर	80	11	1	03	0	05	82
		19					
		19	0	07	0	01	77
		20/1	1	12	0	08	10
		20/2	0	10	0	02	53
		21	0	01	0	00	23
		22	2	15	0	13	91
		23	0	16	0	04	05
		22					
		03	2	06	0	11	63
मदाना बक्कू	97	04	1	01	0	05	31
		11					
		02	0	02	0	00	51
		09	2	17	0	14	42
		08	0	00	0	00	00
		10/1	0	08	0	02	02
		12	0	08	0	02	02
		13	2	16	0	14	16
		17	2	10	0	12	65
		18	0	13	0	03	29
		24	1	00	0	05	06
		25	2	01	0	10	37
		24					
		1/1	0	05	0	01	26
		1/2	1	10	0	07	59
		09	1	09	0	07	34
		10	1	12	0	08	09
		12	1	19	0	09	86
		13	1	03	0	05	82
		17	0	17	0	04	30
		18	2	07	0	11	89
		24/1	0	10	0	02	53
		25	0	12	0	03	04
		25					
		5/1	0	12	0	03	03
		5/2	0	13	0	03	29
		33					
		04	0	00	0	00	00

1	2	3	4	5	6	7	8
लक्ष्मी देवकु	97	05	2	13	0	13	41
		06	0	01	0	00	25
		34					
		01	0	03	0	00	76
		09	0	04	0	01	91
		10	2	16	0	14	16
		11	0	04	0	01	01
		12	2	17	0	14	42
		13	0	00	0	00	00
		18	2	14	0	13	66
		19	0	08	0	02	02
		23	0	12	0	03	03
		24	2	08	0	12	14
		46					
		01	1	03	0	05	82
		09	2	01	0	10	37
		10	1	03	0	05	82
		12	2	06	0	11	63
		13	0	06	0	01	52
		18	2	11	0	12	90
		19	0	02	0	00	51
		23	1	12	0	08	09
		24	1	01	0	05	31
		47					
		05	2	12	0	13	15
		56					
		04	2	10	0	12	65
		06	1	14	0	08	60
		07	0	19	0	04	81
		15/1	1	09	0	07	33
		15/2	0	07	0	01	77
		16/1	0	04	0	01	01
		57					
		11/1	0	01	0	00	25
		20	2	05	0	11	38
		21	2	05	0	11	39
		22	0	08	0	02	02
		66					
		21	1	01	0	05	31
		22	1	04	0	06	07
		09	1	13	0	08	35
		13	2	13	0	13	40
		17	1	16	0	08	85
		18	0	18	0	04	55
		66					
		24/1	1	07	0	06	83
		24/2	1	04	0	06	07
		25	0	02	0	00	51
		79					
		4/2	0	04	0	01	01
		80					
		11	1	10	0	07	59
		19/2	0	02	0	00	51

1	2	3	4	5	6	7	8
समाना वषर	97	20/1	1	08	0	07	08
		20/2	1	01	0	05	31
		21	0	08	0	02	03
		22/1	1	00	0	05	06
		22/2	1	15	0	08	85
		23	1	01	0	05	31
		85					
		18	0	00	0	00	00
		20	2	10	0	12	65
		22	1	01	0	05	31
		23	2	14	0	13	66
		24	1	12	0	08	09
		86					
		10	1	03	0	05	82
		11	1	15	0	08	85
		12/1	0	14	0	03	54
		12/2	1	11	0	07	84
		13/1	1	02	0	05	57
		13/2	0	09	0	02	28
		14	0	03	0	00	76
		16	2	10	0	12	64
		17/1/1	2	01	0	10	37
		17/1/2	0	07	0	01	77
		18	0	14	0	03	54
		87					
		03	0	17	0	04	30
		05	0	02	0	00	51
		06	2	13	0	13	40
		07	1	03	0	05	82
		107					
		04	1	03	0	05	82
		05	2	15	0	13	91
		108					
		01	1	04	0	06	07
		08	0	10	0	02	53
		09	2	15	0	13	91
		10	1	11	0	07	84
		205/1	5	15	0	29	08
सायबाली	101	08					
		24	0	00	0	00	00
		15					
		19/1	0	04	0	01	01
		19/2	0	00	0	00	00
		20	2	10	0	12	65
		22	2	07	0	11	89
		16					
		1/2	0	05	0	01	26
		08	0	04	0	01	01
		09	2	09	0	12	39
		10	1	07	0	06	83
		12	0	04	0	01	01
		13	2	09	0	12	39

1	2	3	4	5	6	7	8
ताराबाली (जारी)	101	14	2	9	0	12	39
		15	0	4	0	01	01
		16	2	7	0	11	89
		17	0	4	0	01	01
		17					
		04	2	03	0	10	88
		05	1	18	0	09	61
		6/1	0	13	0	03	29
		26					
		03	0	01	0	00	25
		04	2	01	0	10	37
		05	2	10	0	12	65
		06	0	01	0	00	25
		27					
		01	0	09	0	02	28
		09	2	13	0	14	40
		12	0	01	0	00	25
		13	2	03	0	10	88
		14	2	13	0	13	40
		17	0	01	0	00	25
कसोरे	102	78					
		22	0	17	0	04	30
		23	2	14	0	13	66
		24	1	15	0	08	85
		81					
		04	0	18	0	04	55
		05	2	11	0	12	90
		82					
		01	1	12	0	08	09
		8/1	0	08	0	02	02
		09	2	14	0	13	66
		10/1	0	15	0	03	79
		10/2	0	06	0	01	52
		13/1	1	08	0	07	8
		14	2	14	0	13	66
		15	1	01	0	05	31
		83					
		22	1	12	0	08	10
		23	2	14	0	13	66
		24	0	18	0	04	55
		94					
		19/2	0	12	0	03	05
		20	2	10	0	12	63
		31	0	00	0	00	00
		22/1	1	08	0	07	08
		22/2	0	13	0	03	29
		23	2	13	0	13	40
		24	0	10	0	02	53
		95					
		01	0	15	0	03	79
		08	0	15	0	03	79
		09	2	13	0	13	41
		10	1	17	0	09	36

1	2	3	4	5	6	7	8
कसोरे (जारी)	102	13	1	17	0	09	36
		14/1	1	09	0	07	33
		14/2	1	04	0	06	07
		15	0	13	0	03	29
		16	1	18	0	09	61
		17	0	00	0	00	00
		98					
		04	1	15	0	08	85
		96					
		05	1	11	0	12	90
		103					
		03	0	00	0	00	00
		04	1	12	0	08	09
		05	2	11	0	12	90
		06	0	02	0	00	31
		104					
		01	0	08	0	02	02
		08	0	08	0	02	02
		09	2	12	0	13	15
		10	2	08	0	11	64
		12	0	02	0	00	51
		13	2	02	0	10	62
		14	2	10	0	12	64
		15	0	06	0	01	52
		16	2	07	0	11	89
		17	0	03	0	00	76
		105					
		19	0	06	0	01	52
		20	2	10	0	12	64
		21	0	03	0	00	76
		22	2	07	0	11	89
		23	2	09	0	12	39
		24	0	02	0	00	51
		107					
		03	0	02	0	0	51

[सं. प्रार-31015/6/90-प्रो प्रार-1]

New Delhi, the 7th January, 1992

S.O. 206.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 1147, dated the 20th April, 1991, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the Gazette notification were made available to the public on 30th April, 1991;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Corporation Limited.

SCHEDULE

Tehsil : Guhla		District : Kailthal			State : Haryana		
Name of Village	Hadbast No.	Survey No./Khasra No.			Area		Square Meter
		Killa	Kanal	Marla	Hectare	Area	
1	2	3	4	5	6	7	
Khan Gulam Ali	83	04					
		11	1	16	0	09	11
		12	0	00	0	00	00
		18	1	03	0	05	82
		19	2	16	0	14	16
		20	0	12	0	03	03
		23	1	14	0	08	60
		25	0	05	0	01	26
		05					
		03	0	19	0	04	81
		06	0	07	0	01	77
		07	2	14	0	13	66
		08	1	11	0	07	84
		14	0	02	0	00	51
		15	2	06	0	11	63
		11					
		04	0	02	0	00	51
		05	2	10	0	12	64
		12					
		08	0	03	0	00	76
		12					
		09	2	17	0	14	42
		10	0	18	0	04	55
		12	0	05	0	01	27
		13	2	19	0	14	92
		14	0	11	0	02	78
		16	1	02	0	05	56
		14					
		01	1	07	0	06	83
		02	2	06	0	11	63
		08	2	17	0	14	42
		09	0	15	0	03	79
		13	0	06	0	01	52
		14	0	10	0	02	53
Umedpur	82	47					
		18	0	07	0	01	77
		19	2	17	0	14	42
		20	1	04	0	06	07
		22	0	02	0	00	51
		23	2	12	0	13	15
		24	1	07	0	06	83
		50					
		04	1	07	0	06	83
		06	0	08	0	02	02
		51					
		01	0	01	0	00	25
		09	0	15	0	03	79
		10	2	18	0	14	67
		11	0	00	0	00	00
		12	2	04	0	11	13
		13	1	15	0	08	85
		16	0	10	0	02	53

1	2	3	4	5	6	7	8
Umedpur Contd.	82	17	2	16	0	14	16
		18	1	03	0	05	82
		24	0	00	0	00	00
		25	2	02	0	10	62
		52					
		21	2	05	0	11	38
		22/1	0	00	0	00	
		66					
		01	0	10	0	02	53
		66					
		2/1	0	19	0	04	81
		2/2	1	06	0	06	58
		03	0	00	0	00	00
Parbhawat	81	06					
		07	2	12	0	13	15
		14	1	15	0	08	85
		15	0	11	0	02	78
		16	2	06	0	11	64
		17	0	01	0	00	25
		10					
		11/1	1	03	0	05	82
		11/2	1	03	0	05	82
		19	0	11	0	02	78
		20	1	15	0	08	85
		21	0	01	0	00	25
		22	2	03	0	10	88
		16					
		20	0	10	0	02	53
		21	2	09	0	12	39
		22	1	11	0	07	84
		17					
		2/1	0	06	0	01	52
		2/2	2	01	0	10	37
		08	1	04	0	06	07
		09	1	13	0	08	35
		13	1	09	0	07	33
		14/1	0	13	0	03	29
		14/2	1	05	0	06	32
		15/1	0	00	0	00	00
		16	2	18	0	14	67
		17					
		25/1	0	01	0	00	25
		25					
		02	0	09	0	02	28
		3/1	0	18	0	04	55
		3/2	1	12	0	08	09
		04	0	02	0	00	1
		06	0	18	0	04	55
		07	2	17	0	14	42
		8/1	0	07	0	01	77
		15	2	00	0	10	12
		26					
		11	1	03	0	05	82
Paharpur	80	19					
		19	0	07	0	01	77
		20/1	1	12	0	08	10
		20/2	0	10	0	02	53
		21	0	01	0	00	25
		22	2	15	0	13	91
		23	0	16	0	04	05
		22					
		03	2	06	0	11	63
		04	1	01	0	05	31

1	2	3	4	5	6	7	8
Ladana Chakku	97	11					
		02	0	02	0	00	51
		09	2	17	0	14	42
		08	0	00	0	00	00
		10/1	0	08	0	02	02
		12	0	08	0	02	02
		13	2	16	0	14	16
		17	2	10	0	12	65
		18	0	13	0	03	29
		24	1	00	0	05	06
		25	2	01	0	10	27
		24					
		1/1	0	05	0	01	26
		1/2	1	10	0	07	59
		09	1	09	0	07	34
		10	1	12	0	08	09
		12	1	19	0	09	86
		13	1	03	0	05	82
		17	0	17	0	04	30
		18	2	07	0	11	89
		24/1	0	10	0	02	53
		25	0	12	0	03	04
		25					
		5/1	0	12	00	03	03
		5/2	0	13	0	03	29
		33					
		04	0	00	0	00	00
		05	2	13	0	13	41
		06	0	01	0	00	25
		34					
		01	0	03	0	00	76
		09	0	04	0	01	01
		10	2	16	0	14	16
		11	0	04	0	01	01
		12	2	17	0	14	42
		13	0	00	0	00	00
		18	2	14	0	13	66
		19	0	08	0	02	02
		23	0	12	0	03	03
		24	2	08	0	12	14
		46					
		01	1	03	0	05	82
		09	2	01	0	10	37
		10	1	03	0	05	82
		12	2	06	0	11	63
		13	0	06	0	01	52
		18	2	11	0	12	90
		19	0	02	0	00	51
		23	1	12	0	08	09
		24	1	01	0	05	31
		47					
		05	2	12	0	13	15
		56					
		04	2	10	0	12	65
		06	1	14	0	08	60
		07	0	19	0	04	81
		15/1	1	09	0	07	33
		15/2	0	07	0	01	77
		16/1	0	04	0	01	01
		57					
		11/1	0	01	0	00	25
		20	2	05	0	11	38
		21	2	05	0	11	39
		22	0	08	0	02	02
		66					

1	2	3	4	5	6	7	8
Ladana Chakku Contd.	96	2/1	1	01	0	05	31
		2/2	1	04	0	06	07
		09	1	13	0	08	35
		13	2	13	0	13	40
		17	1	15	0	08	85
		18	0	18	0	04	55
		66					
		24/1	1	07	0	06	83
		24/2	1	04	0	06	07
		25	0	02	0	00	51
		79					
		4/2	0	04	0	01	01
		80					
		11	1	10	0	07	59
		19/2	0	02	0	00	51
		20/1	1	08	0	07	08
		20/2	1	01	7	05	31
		21	0	08	0	02	03
		22/1	1	00	0	05	06
		22/2	1	15	0	08	85
		23	1	01	0	05	31
		85					
		18	0	00	0	00	00
		20	2	10	0	12	65
		22	1	01	0	05	31
		23	2	14	0	13	66
		24	1	12	0	08	09
		86					
		10	1	03	0	05	82
		11	1	15	0	08	85
		12/1	0	14	0	03	54
		12/2	1	11	0	07	84
		13/1	1	02	0	05	57
		13/2	0	09	0	02	28
		14	0	03	0	00	76
		16	2	10	0	12	64
		17/1/1	2	01	0	10	37
		17/1/2	0	07	0	01	77
		18	0	14	0	03	54
		87					
		03	0	17	0	04	30
		05	0	02	0	00	51
		06	2	13	0	13	40
		07	1	03	0	05	82
		107					
		04	1	03	0	05	82
		05	2	15	0	13	91
		108					
		01	1	04	0	06	07
		08	p	10	0	02	53
		09	2	15	0	13	91
		10	1	11	0	07	84
		205/1	5	15	0	29	08
Taranwali	101	08					
		24	0	00	7	00	00
		15					
		19/1	0	04	0	01	01
		19/2	0	00	0	00	00
		20	2	10	0	12	65
		22	2	07	0	11	89
		16					
		1/2	0	05	0	01	26
		08	0	04	0	01	01
		09	2	09	0	12	39
		10	1	07	0	06	83

1	2	3	4	5	6	7	8
		12	0	04	0	01	01
		13	2	09	0	12	39
		14	2	9	0	12	39
		15	0	4	0	01	01
		16	2	7	0	11	89
		17	0	4	0	01	01
		17					
		04	2	03	0	17	88
		05	1	18	0	09	61
		6/1	0	13	0	03	29
		26					
		03	0	01	0	00	25
		04	2	01	0	10	37
		05	2	10	0	12	65
		06	0	01	0	00	25
		27					
		01	0	09	0	02	28
		09	2	13	0	13	40
		12	0	01	0	00	25
		13	2	03	0	10	88
		14	2	13	0	13	40
		17	0	01	0	00	25
Kasore	102	78					
		22	0	17	0	04	30
		23	2	14	0	13	66
		24	1	15	0	08	85
		81					
		04	0	18	0	04	35
		05	2	11	0	12	90
		82					
		01	1	12	0	08	09
		8/1	0	08	0	02	02
		09	2	14	0	13	66
		10/1	0	15	0	03	79
		10/2	0	06	0	01	52
		13/1	1	08	0	07	8
		14	2	14	0	13	66
		15	1	01	0	05	31
		83					
		22	1	12	0	08	10
		23	2	14	0	13	66
		24	0	18	0	04	55
		94					
		19/2	0	12	0	03	03
		20	2	10	0	12	65
		21	0	00	0	00	00
		22/1	1	08	0	07	08
		22/2	0	13	0	03	29
		23	2	13	0	13	40
		24	0	10	0	02	53
		95					
		01	0	15	0	03	79
		08	0	15	0	03	79
		09	2	13	0	13	41
		10	1	17	0	09	36
		13	1	17	0	09	36
		14/1	1	09	0	07	33
		14/2	1	04	0	06	07
		15	0	13	0	03	29
		16	1	18	0	09	61
		17	0	00	0	00	00
		96					
		04	1	15	0	08	85
Kasore Contd.	102	96					

1	2	3	4	5	6	7	8
Kasore (Contd.)	102	05	2	11	0	12	90
		103					
		03	0	00	0	00	00
		04	1	12	0	08	09
		05	2	11	0	12	90
		06	0	02	0	00	51
		104					
		01	0	08	0	02	02
		08	0	08	0	02	02
		09	2	12	0	13	15
		10	2	06	0	11	64
		12	0	02	0	00	51
		13	2	02	0	10	62
		14	2	10	0	12	64
		15	0	06	0	01	52
		16	2	07	0	11	89
		17	0	03	0	00	76
		105					
		19	0	06	0	01	52
		20	2	10	0	12	64
		21	0	03	0	00	76
		22	2	07	0	11	89
		23	2	09	0	12	39
		24	0	02	0	00	51
		107					
		03	0	02	0	00	51

[No. R-31015/6/90-Q.R.L.]

का.भा. 207.—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पदार्थ-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसने इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.भा. 2781, तारीख 27 अक्तूबर, 1990 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने भाष्य की घोषणा की थी;

और राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियां जनता की तारीख 6 नवम्बर, 1990 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है;

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए, सभी विलक्षणताओं से मुक्त इंडियन कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची				
तहसील : रायनपुर	जिला : बनावसफाठा	राज्य : गुजरात		
गांव का नाम	सर्वे संख्या	क्षेत्रफल		
		हेक्टर	घोर	वर्गमीटर
1	2	3	4	5
घाणबडी	103	0	54	94
	102	0	16	90
	105	0	14	09
	106	0	33	10
	108	0	31	09
	110	0	24	65
	111	0	28	17
	113	0	20	43
	114	0	18	50
	115	0	14	09
	116	0	24	65
	117	0	12	68
	118	0	13	38
	119	0	07	04
	260	0	26	06
	275	0	33	10

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
	27 4	0	06	34	सरदापुरा	42	0	22	15
	277	0	00	7 0		43	0	32	48
	278	0	15	49		44	0	13	29
	279	0	34	7 4		50	0	00	74
	285	0	28	88		47/1	0	32	48
	288	0	07	40		48	0	32	48
	289	0	04	58		64	0	23	62
						76	0	08	86
मानपुरा	87	0	21	7 5		72	0	18	48
	88	0	25	38		73	0	18	46
	89	0	30	45		81	0	28	06
	90	0	26	83		82	1	18	12
	93	0	21	7 5		91	0	32	49
	112	0	06	16	रामपुर	408	0	21	10
	109	0	44	95		409	0	03	77
	108	0	29	73		410	0	05	27
	107	0	22	48		400	0	34	66
	105	0	48	58		399	0	28	63
	104/2	0	13	05		329/10/3	0	01	51
	150	0	16	67		331	0	36	17
	151	0	09	42		314/7	0	25	62
	27 2	0	38	43		314/5	0	16	58
	269	0	13	05		314/2	0	03	77
	27 5	0	18	12		312	0	32	40
	27 6	0	21	7 5		313/2	0	15	07
	261	0	36	25		313/1	0	22	60
	262	0	16	68		301/10	0	07	53
	263	0	15	95		301/8	0	19	59
	259	0	26	10		301/7	0	21	10
	258	0	25	38		301/6	0	28	63
	254	0	44	23		301/2	0	18	08
	295	0	54	38		301/3	0	19	59
	308	0	46	40		274	0	21	10
	309	0	65	25		272	0	75	35
	304	0	06	53	सावुन	241/14	0	28	64
मीनाबा	262	0	03	41		226	0	41	12
	273	0	17	41		222/4	0	10	28
	264	0	05	12		222/2	0	27	90
	265	0	26	95		230	0	06	61
	27 2	0	00	68		231	0	02	94
	27 1	0	01	03		222/1	0	16	89
	266	0	07	85		233	0	19	09
	27 0	0	07	85		235	0	32	31
	269	0	36	86		181	0	26	44
	268	0	16	38		180	0	27	90
	286	0	29	35		173	0	47	00
	287/2	0	24	37		172	0	29	37
	288	0	21	84		170	0	25	70
	298	0	25	94		169/3	0	16	16
	309	0	25	26		53	0	27	90
	310	0	11	60		56	0	18	35
	308	0	11	60		57	0	00	73
	311	0	19	79		55	0	17	62
	297	0	04	78		42	0	15	42

1	2	3	4	5	6
सावन (जारी)	58		0	15	42
	38		0	44	07
	37		0	07	34
	36		0	05	88
	30		0	30	84
सरस्वपुरा	283		0	12	45
	303		0	01	38
	287		0	48	42
	259		0	02	77
	257		0	23	52
	251		0	22	14
	252		0	09	68
	250		0	18	80
	249		0	30	44
	246		0	35	96
	244		0	11	07
	12		0	27	67
	13		0	17	99
	16		0	24	90
	19		0	30	43
	20		0	08	30
	18		0	01	39
	21		0	12	45
	22		0	09	69
	23		0	08	30
	24		0	08	30
	27		0	08	30
	29		0	11	07
	30		0	11	07
	31		0	16	60
	33		0	13	84
मानीसीपली	21		0	22	80
	22		0	22	80
	31		0	27	36
	39		0	36	47
	60		0	44	07
	4		0	01	52
	61		0	10	64
	117		0	10	64
	123/3		0	38	47
	123/2		0	122	80
	123/1		0	33	44
	126		0	51	67
	134		0	01	52
	130		0	39	51
	149/2		0	36	47
	151		0	34	95
मोदी पीपली	10		0	21	43

[सं. 31015/11/89-ओ.आर.-I]

Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum.

And whereas the copies of the Gazette notification were made available to the public on 6th November, 1990;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

SCHEDULE

Tehsil—Radhanpur District—Banaskantha State Gujarat

Name of Village	Survey No.	Area		
		Hec- tare	Acres	Sq. M.
1	2	3	4	5
Dharavadi	103	0	54	94
	102	0	16	90
	105	0	14	09
	106	0	33	10
	109	0	31	69
	110	0	24	65
	111	0	28	17
	113	0	20	43
	114	0	15	50
	115	0	14	09
	116	0	24	65
	117	0	12	68
	118	0	13	38
	119	0	07	04
	260	0	26	06
	275	0	33	10
	274	0	06	34
	277	0	00	70
	278	0	15	49
	279	0	38	74
Nanapura	285	0	28	88
	288	0	07	40
	289	0	04	58
	87	0	21	75
	88	0	25	38
	89	0	30	45
	90	0	26	83
	93	0	21	75
	112	0	06	16
	109	0	44	95

S.O. 207.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 2781, dated the 27th October, 1990, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5
Nanapura (Contd.)	108	0	29	73	Radhanpura (Contd.)	313/1	0	22	60
	107	0	22	48		301/10	0	07	53
	105	0	48	58		301/8	0	19	59
	104/2	0	13	05		301/7	0	21	10
	150	0	16	67		301/6	0	28	63
	151	0	09	42		301/2	0	18	08
	272	0	38	43		301/3	0	19	59
	269	0	13	05		274	0	21	10
	275	0	18	12		272	0	75	35
	276	0	21	75	Satun	241/4	0	28	64
	261	0	36	25		226	0	41	12
	262	0	16	68		222/4	0	10	28
	263	0	15	95		22/22	0	27	90
	259	0	26	10		230	0	06	61
	258	0	25	38		231	0	02	94
	254	0	44	23		222/1	0	16	89
	295	0	54	38		233	0	19	09
	308	0	46	40		235	0	32	31
	309	0	65	25		181	0	26	44
	304	0	06	53		180	0	27	90
Shinad	262	0	03	41		173	0	47	00
	273	0	17	41		172	0	29	37
	264	0	05	12		170	0	25	70
	265	0	26	95		169/3	0	16	16
	272	0	00	68		53	0	27	90
	271	0	01	03		56	0	18	35
	266	0	07	85		57	0	00	73
	270	0	07	85		55	0	17	62
	269	0	36	86		42	0	15	42
	268	0	16	38		58	0	15	42
	286	0	29	35		38	0	44	07
	287/2	0	24	57		37	0	07	34
	288	0	21	84		36	0	05	88
	298	0	25	94		30	0	30	84
	309	0	25	26	Sarkarpura	295	0	12	45
	310	0	11	60		303	0	01	38
	308	0	11	60		267	0	48	42
	311	0	19	79		259	0	02	77
	297	0	04	78		257	0	23	52
Sardarpura	42	0	22	15		251	0	22	14
	43	0	32	48		252	0	09	68
	44	0	13	29		250	0	16	60
	50	0	00	74		249	0	30	44
	47/1	0	32	48		246	0	35	96
	48	0	32	48		244	0	11	07
	64	0	23	62		12	0	27	67
	76	0	08	86		13	0	17	99
	72	0	18	46		16	0	24	90
	73	0	18	46		19	0	30	43
	81	0	28	06		20	0	08	30
	82	1	18	12		18	0	01	39
	91	0	32	49		21	0	12	45
Radhanpura	408	0	21	10		22	0	09	69
	409	0	03	77		23	0	08	30
	410	0	05	27		24	0	08	30
	400	0	34	66		27	0	08	30
	399	0	28	63		29	0	11	07
	329/10/3	0	01	51		30	0	11	07
	331	0	36	17		31	0	16	60
	314/7	0	25	62		33	0	13	84
	314/5	0	16	58	Nanipipali	21	0	22	80
	314/2	0	03	77		22	0	22	80
	312	0	32	40		31	0	27	36
	313/2	0	15	07		39	0	36	47

1	2	3	4	5	1	2	3	4	5	6
Nanipipali (Contd.)	60	0	44	07	जोगा	6				
	4	0	01	52		11/1	-	1	77	
	61	0	10	64		11/2	--	3	04	
	117	0	10	64		12	--	8	35	
	123/3	0	36	47		13	--	11	13	
	123/2	0	22	80		6				
	123/1	0	33	44		14	-	12	39	
	126	0	51	67		15	-	5	82	
	134	0	01	52		16	-	3	79	
	130	0	39	51		18	-	1	02	
	149/2	0	36	47		19	-	4	05	
	151	0	34	95		20	-	7	33	
Motlipipali	10	0	21	43		7				

[No. O-31015/11/89-O.R.-1]

का. घा. 208--केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पार्श्व लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का भर्ज) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अर्थात् जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्रकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. घा. 2810 तारीख 3 नवम्बर, 1990 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के भर्ज के अपने आशय की घोषणा की थी;

और राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 7 नवम्बर, 1990 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का भर्ज किया जाए;

अतः, अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार भर्जित करने की घोषणा करती है;

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि उक्त भूमि भूमि के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी किल्लागंभी से मुक्त इंडियन आयल कार्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

तहसील - मानसा जिला - भटिंडा राज्य - पंजाब

गांव का नाम	हवेलत नं.	मुस्ततील नं.	क्षेत्रफल	वर्ग मीटर
	नं.	किला नं.	हेक्टर	घार
1	2	3	4	5
जोगा	8	5/		
	11	--	12	39
	12	--	12	39
	13	--	12	39
	14	--	11	14

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
जोग 1	8	24	-	7	84	अकलिया (जारी)	6	11	-	12	65
		25	-	12	40			12	-	9	61
अकलिया	6	69						86			
		24/1	-	-	76			13	-	-	76
		24/2	-	1	26			87			
		25/1	-	3	35			13/2	-	-	51
		25/2	-	3	04			14/2	-	8	85
		70						15	-	12	65
		16/1	-	8	09			17	-	3	54
		16/2	-	3	04			18/1	-	12	14
		17	-	12	65			19	-	12	39
		18 1	-	8	85			20	-	9	61
		18 2	-	2	53			21/1	-	3	29
		19	-	1	77			88			
		21	-	12	65			16	-	-	25
		22	-	10	67			23	-	9	36
		23						24/2	-	12	90
		71	-	1	26			25/1	-	-	76
		6/2	-	4	55			25/2	-	11	63
		14/1	-	12	65			98			
		15	-	6	07			16/2	-	1	26
		72						23/1	-	7	33
		4	-	3	79			23/2	-	-	25
		4	-	12	14			24	-	12	15
		5	-	11	89			99			
		7	-	-	51			13	-	1	25
		8	-	8	09			14	-	11	38
	6	72						15/1/2	-	2	78
		9	-	12	65			15/2/2	-	5	56
		73						17/2	-	1	52
		1/1	-	12	39			18	-	11	63
		2/1	-	12	39			99			
		3	-	12	39			19	-	12	39
		4/2	-	12	39			20	-	10	63
		5	-	12	39			21/1	-	1	77
		74						100			
		1	-	12	39			4	-	-	51
		3	-	12	39			5	-	9	36
		4/2	-	8	10			6	-	3	04
		5	-	3	79			7/2	-	6	07
		85						8	-	12	91
		1/1	-	5	56			9/1	-	6	08
		2/1	-	5	56			9/2	-	3	54
		2/2	-	6	84			10	-	-	51
		3/1	-	1	01			11	-	12	39
		3/2	-	11	63			12	-	2	03
		4/2	-	5	83			101			
		9/2	-	-	-			1	-	12	90
		10/1	-	6	84			2	-	12	39
		86						3	-	2	28
		6	-	12	65			128			
		7/2	-	12	65			1/1	-	6	32
		8	-	10	88			1/2	-	6	07
		9	-	3	04			2/1	-	10	12

1	2	3	4	5	6
प्रकलिया (जारी)	6	3/1	-	1	01
		129			
		4	-	1	26
		5	-	10	62
		6/1	-	1	52
		7/1	-	11	89
		129			
		7/3	-	-	25
		8/1	-	3	54
		8/2	-	8	60
		9	-	10	12
		10	-	0	76
		11/1	-	4	56
		11/2	-	7	33
		12	-	1	77
		130			
		13	-	-	51
		14	-	10	12
		15/1	-	12	65
		15/2	-	-	25
		17/1	-	2	78
		18/1	-	5	56
		18/2	-	6	07
		19/2	-	12	90
		20	-	10	12
		131			
		16	-	-	76
		24/1	-	5	81
		24/2	-	7	84
		25	-	12	14
		384	-	2	53
		394/1	-	1	77
		396	-	-	51
		399	-	1	26
		402	-	-	51
		354	-	1	77
		356	-	3	04
		1458	-	2	78
		1458	-	1	01
		1475	-	1	52
		1477/1	-	1	52
		1482	-	1	01
		1483	-	1	01
		1488	-	1	01
		1490	-	1	51
		1492/1	-	-	51
		1676	-	-	75

[सं. भार - 31015/1/90 - ओ.प्रार.-I]

S.O. 208.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 2810, dated the 3rd November, 1990, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the

Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the Gazette notification were made available to the public on 7th November, 1990;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be required;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

SCHEDULE

Tehsil : Mansa		District : Bhatinda		State : Punjab	
Name of Village	Hadbast No.	Survey No./ Khasra No./ Mustateel No./ Killa No./	Area		
			Hec- tare	Are	Square Meter
1	2	3	4	5	6
Joga	8	5			
		11	-	12	39
		12	-	12	39
		13	-	12	39
		14	-	11	14
		6			
		11/1	-	1	77
		11/2	-	3	04
		12	-	8	35
		13	-	11	13
		6			
		14	-	12	39
		15	-	5	82
		16	-	3	79
		18	-	1	02
		19	-	4	05
		20	-	7	33
		7			
		15/1	-	-	76
		15/2	-	1	52
		16/1	-	10	12
		17/1	-	12	15
		18	-	12	39
		19	-	12	39
		20	-	12	39
		27	-	-	25
		8			
		16	-	9	86
		17	-	12	39
		8			
		19	-	7	33

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Joga (Contd.)	8	20	—	12	39	Aklia (Contd.)	6	3	—	12	39
		23	—	2	28			4/2	—	8	10
		26	—	2	53			5	—	3	79
		9						85			
		16	—	7	84			1/1	—	5	56
		17	—	12	39			2/1	—	5	56
		18	—	12	39			2/2	—	6	84
		19	—	12	39			3/1	—	1	01
		20/1	—	1	52			3/2	—	11	63
		20/2	—	10	89			4/2	—	5	84
		26	—	4	55			9/2	—	—	—
		10						10/1	—	6	84
		16	—	12	39			86			
		21	—	1	01			6	—	12	65
		22	—	—	51			7/2	—	12	65
		23	—	5	56			8	—	10	88
		24	—	5	83			9	—	3	04
		11						11	—	12	65
		24	—	—	76			12	—	9	61
		25/1	—	1	01			86			
		25/2	—	1	26			13	—	—	76
		13						87			
		21/1	—	7	08			13/2	—	—	51
		21/2	—	5	31			14/2	—	8	85
		22	—	12	39			15	—	12	65
		23	—	11	38			17	—	3	54
		24	—	5	82			18/1	—	12	14
		14						19	—	12	39
		23	—	7	84			20	—	9	61
		24	—	7	84			21/1	—	3	29
		25	—	12	40			88			
Aklia :	6	69						16	—	—	25
		24/1	—	—	76			23	—	9	36
		24/2	—	1	26			24/2	—	12	90
		25/1	—	8	35			25/1	—	—	76
		25/2	—	3	04			25/2	—	11	63
		70						98			
		16/1	—	8	09			16/2	—	1	26
		16/2	—	3	04			23/1	—	7	33
		17	—	12	65			23/2	—	—	25
		18/1	—	8	85			24	—	12	15
		18/2	—	2	53			99			
		19	—	1	77			13	—	1	25
		21	—	12	65			14	—	11	38
		22	—	10	88			15/1/2	—	2	78
		23	—	1	26			15/2/2	—	5	56
		71						17/2	—	1	52
		6/2	—	4	55			18	—	11	63
		14/1	—	12	65			99			
		15	—	6	07			19	—	12	39
		72						20	—	10	63
		4	—	3	79			21/1	—	1	77
		4	—	12	14			100			
		5	—	11	89			4	—	—	51
		7	—	—	51			5	—	9	36
		8	—	8	09			6	—	3	04
		72						7/2	—	6	07
		9	—	12	65			8	—	12	91
		73						9/1	—	6	08
		1/1	—	12	39			9/2	—	3	54
		2/1	—	12	39			10	—	—	51
		3	—	12	39			11	—	12	39
		4/2	—	12	39			12	—	2	03
		5	—	12	39			101			
		74						1	—	12	90
		1	—	12	39						

1	2	3	4	5	6
Aklia	6	2	—	12	39
(Contd.)		3	—	2	28
		128			
		1/1	—	6	32
		1/2	—	6	07
		2/1	—	10	12
		3/1	—	1	01
		129			
		4	—	1	26
		5	—	10	62
		6/1	—	1	52
		7/1	—	11	89
		129			
		7/3	—	—	25
		8/	—	3	54
		8/2	—	8	60
		9	—	10	12
		10	—	0	76
		11/1	—	4	56
		11/2	—	7	33
		12	—	1	77
		130			
		13	—	—	51
		14	—	10	12
		15/1	—	12	65
		15/2	—	—	25
		17/1	—	2	78
		18/1	—	5	56
		18/2	—	6	07
		19/2	—	12	90
		20	—	10	12
		131			
		16	—	—	76
		24/1	—	5	81
		24/2	—	7	84
		25	—	12	14
		384	—	2	53
		394/1	—	1	77
		396	—	—	51
		399	—	1	26
		402	—	—	51
		354	—	1	77
		356	—	3	04
		1458	—	2	78
		1459	—	1	01
		1475	—	1	52
		1477/1	—	1	52
		1482	—	1	01
		1483	—	1	01
		1488	—	1	01
		1490	—	—	51
		1492/	—	—	51
		1676	—	—	75

[No. R-31015/1/90-O.R.I.]

का.पा. 209 :-- केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस संस्थान की अधिसूचना सं.का.पा. 2811 तारीख 3 नवम्बर, 1990 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकारों के अर्जन के अपने आदेश की घोषणा की थी;

और राजपत्रित अधिसूचना की प्रतियां जनता की सारी 7 नवम्बर, 1990 को उपलब्ध कर दी गई थीं ;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है ;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है ;

यह और कि केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि उक्त भूमि के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित हो की जाए सभी विप्लवों से मुक्त इंडियन प्रायल कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

तहसील : मुनाम	जिला : संगरूर	राज्य : पंजाब
गांव का नाम	हवेली नं.	मुस्ततिल नं. किला नं.
	हैक्टर	भार
1	2	3
सेहाल	331	14/25
		21/5
		22/1/1
		1/2
		2
		7
		8/2
		8/3
		8/4
		9
		10/1
		13/2
		14
		16/1
		23/20/2
		23/1
		24/1
		36/21
		22
		28
		37/9/1
		10/
		12/1
		13/1/1
131	37	
		13/2
		14
		16
		4
		8
		5
		5
		09
		06
		52
		50
		02
		02
		78
		58
		15
		27
		52
		41
		36
		05
		63
		25
		91
		29
		02
		55
		40
		1
		36
		76
		76
		35

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
	17	---	---	13	67		10/2	---	---	---	25
	18	---	---	1	26		12	---	---	12	15
	25	---	---	3	27		13	---	---	5	31
	38/	---	---	2	28		17	---	---	6	58
	3/2	---	---	---	---		18/1	---	---	5	31
	4	---	---	13	41		18/2	---	---	5	82
	5/1	---	---	9	35		24	---	---	9	36
	6/1	---	---	1	01		25	---	---	8	60
	6/2	---	---	4	05		45/5/2	---	---	11	38
	47/2	---	---	10	37		6/1/2	---	---	---	50
	3/1	---	---	12	90		43/5	---	---	7	34
	4	---	---	---	---		44/1	---	---	10	12
	6	---	---	1	01		9	---	---	12	13
	7	---	---	14	92		10	---	---	5	82
	8/2	---	---	1	01		12	---	---	3	54
	14	---	---	---	25		13	---	---	14	42
	15/1	---	---	12	65		14	---	---	---	25
	15/2	---	---	2	03	समूचा	17	---	---	5	06
	16	---	---	---	25		44/18	---	---	1	77
	48/11	---	---	2	27		2/19	---	---	1	77
	19	---	---	3	03		21	---	---	---	25
	20	---	---	14	17		22	---	---	12	65
131	48	---	---	---	---		23	---	---	5	81
	22/2/2	---	---	13	41		6/11	---	---	8	65
	50/11	---	---	4	55		19	---	---	10	62
	51/3/1	---	---	1	52		20	---	---	7	08
	3/3	---	---	4	05		22	---	---	5	06
	4/2	---	---	4	05		23/1	---	---	7	33
	6	---	---	5	06		23/2	---	---	2	53
	7	---	---	12	14		7/3	---	---	9	61
	15	---	---	11	39		4	---	---	7	85
सुशीवाला	6/21	---	---	12	39		7	---	---	9	61
135	22	---	---	0	51		6/1	---	---	---	25
	7/16	---	---	2	27		6/2	---	---	7	09
	17	---	---	10	12		15/1	---	---	1	52
	24/2	---	---	---	25		15/2	---	---	6	06
	25	---	---	11	38		16/3/2	---	---	2	02
	9/2	---	---	13	91		5/1	---	---	1	77
	3	---	---	8	34		6/1	---	---	7	08
	6	---	---	4	05		6/2	---	---	6	83
	7	---	---	14	17		17/10	---	---	1	02
	8	---	---	5	31		11	---	---	14	66
	15	---	---	9	11		17/2	---	---	2	28
	10/11	---	---	13	41		19	---	---	12	90
	12	---	---	1	52		18/1	---	---	3	04
	18	---	---	9	87		23	---	---	10	63
	20	---	---	---	51		24	---	---	7	08
	10/23	---	---	2	78		20/4/2	---	---	7	85
सफिपुर खुर्द	24	---	---	13	91		5	---	---	8	35
133	29/35/1	---	---	---	---		6	---	---	7	34
	41/1	---	---	1	52		19/10	---	---	9	87
	9	---	---	3	54		11/1	---	---	---	25
	10/1	---	---	13	92		11/2	---	---	5	82
							12/1	---	---	9	87
							12/2	---	---	2	28

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6	
		17/2	—	—	25			18	—	2	28	
		18/1	—	5	31			17	—	4	80	
		18/2	—	9	36	बमाल कलां	122	49/23	—	7	08	
		19	—	3	53			24	—	0	25	
		23/1/2	—	2	27			50/3	—	2	02	
		24/1	—	1	52			4	—	14	42	
		24/2	—	11	38			6/1	—	6	57	
		25	—	—	76			6/2	—	6	58	
		36/4	—	1	01			51/10	—	2	28	
		5	—	1	52			11	—	9	86	
		16/15	—	—	75			12	—	8	35	
कमालपुर	126	93/2	—	1	02			18/1	—	2	78	
		8	—	2	53			19	—	7	59	
		9	—	14	67			23/2	—	2	53	
		13	—	13	15			77/13/2	—	8	09	
		14	—	4	05			17	—	8	85	
		113/21/2	—	13	40			18	—	7	58	
		22	—	—	51			24	—	3	54	
		114/16/1/2	—	4	80			25	—	12	89	
		120/1	—	1	26			82/5	—	2	78	
		3	—	1	52			83/1	—	14	67	
		8	—	11	89			2	—	1	26	
		13	—	—	25			8	—	3	04	
		15/2	—	—	51			9	—	14	42	
		16	—	11	88			13	—	11	89	
		121/20	—	6	07			14	—	6	58	
		21	—	10	12			16	—	8	86	
		22/1	—	1	01			17	—	9	36	
		22/2	—	4	55		122	83/25	—	7	34	
		132/20	—	13	91			84/21	—	11	89	
		21	—	2	78			104/20	—	6	83	
		22	—	14	41			21/1	—	7	08	
		23	—	—	51			22	—	10	12	
		133/2	—	8	60			105/1	—	3	54	
		3	—	8	86			2	—	14	17	
	126	133/7	—	10	37			3/1	—	—	25	
		8	—	7	59			7	—	2	53	
		14	—	5	06			8	—	14	93	
		15/1	—	6	32			9/1	—	1	77	
		15/2	—	5	06			13/2	—	—	25	
		16	—	1	52			14	—	8	35	
		140/2	—	1	26			15	—	2	78	
		3	—	15	18			16	—	9	11	
		4	—	1	77			117/2/2	—	4	04	
		6	—	2	28			3	—	14	41	
		7	—	14	17			4/2	—	2	53	
		8	—	—	25			6	—	8	09	
		14	—	—	25			7	—	12	14	
		15	—	13	91			15	—	4	81	
		141/11	—	3	04			118/11/1	—	3	29	
		19	—	2	78			11/2	—	4	05	
		20	—	12	90			12	—	1	51	
		21	—	—	25			122	118/18	—	6	83
बमाल कुर	121	28/12	—	1	26			20	—	—	50	
		13	—	9	11							

1	2	3	4	5	6	1	3	4	5	6
		23	--	7	83	गुजरात--पारसी	13	--	8	35
		25	--	--	25		17/1	--	--	50
		130/1	--	4	81		17/2	--	7	84
		10	--	9	11		17/3	--	2	53
		12	--	2	53		18/1	--	6	83
		13	--	13	41		24/1	--	3	54
		16	--	--	25		25	--	14	16
		17/1	--	9	36		32/21	--	--	51
		17/2	--	4	81		41/1/1	--	7	59
		24	--	1	77		1/2	--	7	33
		25	--	12	65		2	--	2	28
		143/5	--	6	68		9/1/2	--	10	88
		144/1	--	7	58		8/1/1	--	3	04
		9	--	3	79		13	--	11	64
		10	--	11	38		14	--	7	08
		12	--	13	16		41/16	--	7	84
		13	--	4	81		17/1	--	7	33
		17	--	6	58		17/2	--	--	51
		18	--	11	13		25	--	5	32
		25	--	9	36		40/21	--	13	15
		149/21/1	--	--	50		22/2	--	--	25
		150/9/2	--	11	38		61/1/1	--	2	28
122		150/10	--	6	57		2/1	--	4	55
		12	--	3	04		2/2	--	10	12
		13	--	5	82		3/2	--	1	26
		14	--	--	25		7/1	--	2	28
		16	--	--	51		7/2	--	1	26
		17	--	7	84		8	--	14	16
		24	--	1	26		9	--	--	51
		25	--	14	68		14	--	10	63
		151/5	--	7	08		15	--	7	33
		152/5	--	1	52		16/1	--	2	28
		53/1/1	--	9	10		16/2/1	--	2	52
		1/2	--	5	32		16/2/2	--	3	04
गुजरात	110	8/19	--	6	58		62/20	--	10	87
		20	--	1	77		21/2	--	5	06
		23/2	--	1	26		22	--	13	16
		24/1	--	1	01		23/1	--	--	25
		18/4	--	14	92		64/11	--	7	33
		3	--	--	76		64/19	--	9	61
		5/2	--	2	28		20	--	7	59
		6	--	13	65		22	--	5	31
		17/10/2	--	--	51		23	--	5	82
		10/3	--	--	04		65/2/1	--	1	52
		11	--	10	88		2/2	--	1	01
		12	--	8	60		3	--	14	67
		17/18	--	11	38		4	--	1	52
		19	--	7	08		6	--	4	04
		23	--	4	55		7	--	13	66
		24	--	12	65					
		30/5/1	--	13	41	गोविन्दपुर-नागरी 57	27/24	--	3	29
		31/9	--	3	54		28/4	--	8	34
		30/4	--	3	54		5	--	13	66
		31/10	--	14	17		29/1/1	--	2	54
		12	--	11	39		8/2	--	--	25

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
गोविन्दपुर नगरी—जारी	9	—	7	33		गोविन्दपुर नगरी—जारी	7/3	—	5	82	
	10/1	—	5	57			47/5	—	7	08	
	10/2	—	7	08			15/1/1	—	4	55	
	12/1	—	66	07			57/3	—	—	51	
	12/2	—	—	51			4/2	—	13	66	
	13/2	—	12	64			5/1	—	4	05	
	17/1	—	7	84			5/3	—	—	25	
	16	—	1	01			6/1	—	8	85	
	17/2	—	3	54			6/2	—	1	01	
	29/18	—	2	78			58/10	—	3	54	
	24/2	—	1	01			10/2	—	5	06	
	25	—	14	93			11/1	—	8	60	
	30/21	—	3	04			12/1	—	8	35	
	35/1/1	—	6	58			12/2	—	—	25	
	1/2	—	3	79			18	—	11	89	
	2	—	8	09			19	—	7	08	
	8	—	8	60			23	—	3	54	
	9	—	8	85			24/1	—	6	07	
	13/2	—	5	31			24/2	—	5	56	
	13/1	—	1	26			25	—	—	51	
	14/1	—	7	84			62/1	—	3	54	
	14/2	—	3	29			9	—	8	09	
	16/3	—	13	15			10	—	11	63	
	17/1	—	3	54			12/3	—	—	76	
	25/1	—	—	76			12/2	—	6	07	
	34/20/1	—	—	76			62/1 3/1	—	12	15	
	21	—	14	67			16	—	1	52	
	22/1	—	3	04			17	—	14	67	
	41/2/1/1	—	1	52			18	—	2	78	
	41/2/1/1	—	1	52			24	—	—	51	
	2/1/2	—	3	03			25	—	3	79	
	2/2/2	—	2	02			63/4/1	—	1	27	
	3/2	—	6	08			5/1	—	3	04	
	41/7/1	—	1	77			5/2	—	11	38	
	7/3	—	7	08							
	8/4	—	8	84							
	14	—	5	81		मेहलां	54	3/20	—	3	54
	15	—	12	90				21	—	13	41
	16/2	—	2	28				22	—	1	77
	42/20	—	14	67				4/16	—	10	12
	16/2/2	—	1	01				25	—	6	83
	21/1	—	1	01				9/21	—	2	34
	22/1	—	2	53				14/1	—	11	63
	22/2	—	10	37				2	—	2	78
	23	—	2	02				8/2	—	1	01
	46/11/1	—	9	36				9	—	14	67
	18/1	—	6	07				12/1	—	—	76
	18/2	—	4	30				13/1	—	12	90
	20	—	6	07				13/2	—	1	52
	22	—	3	04				17/1/2	—	5	79
	23	—	14	42				17/2	—	8	85
	24/1	—	—	76				14/18/1	—	3	04
	47/2	—	—	26				24	—	5	57
	3	—	14	16				25/1	—	10	87
	4	—	5	06				28/5/1	—	6	07
	7/1	—	4	55							

1	2	3	4	5	6
मेहना (जारी)	29/1/2	—	2	78	
	9	—	4	81	
	10	—	10	62	
	12	—	13	40	
	13	—	2	78	
	18	—	14	17	
	17	—	1	01	
	23	—	1	01	
	24	—	13	65	
	25	—	6	58	
	34/20/1	—	1	77	
	21	—	12	40	
	22	—	8	34	
	35/1	—	12	14	
	9	—	14	67	
	8	—	3	04	
	10	—	2	78	
	13	—	10	62	
	14/1	—	10	62	
	14/2	—	—	51	
	35/16	—	14	92	
	17	—	3	54	
	25/1	—	—	25	
	36/5	—	8	10	
	57/2	—	5	8	
	3	—	13	66	
	4	—	1	01	
	6	—	3	54	
	7	—	14	42	
	8	—	—	76	
	15	—	11	12	
	58/11	—	7	84	
	18	—	1	01	
	19	—	13	66	
	20	—	4	56	
	22	—	1	01	
	23	—	14	17	

[सं. आर-31015/1/90-ओ. आर-I]

कुलदीप सिंह, भवर सचिव

S.O. 209.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 2811, dated the 3rd November, 1990, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline for the transport of petroleum;

And whereas the copies of the Gazette notification were made available to the public on 7th November, 1990;

And whereas the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And further in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, free from all encumbrances, in the Indian Oil Corporation Limited.

SCHEDULE

Tehsil : Sunam		District : Sangrur		State : Punjab	
Name of Village	Hadbast No.	Survey No./ Khasra No./ Mustateel No./ Killa No.	Area		
			Hec-tare	Acre	Square Meter
1	2	3	4	5	6
Sehal	131	14/25	—	4	30
		21/5	—	8	35
		22/1/1	—	8	09
		1/2	—	5	06
		2	—	1	52
		7	—	—	50
		8/2	—	02	02
		8/3	—	2	78
		8/4 0	—	6	58
		9	—	12	15
		10/1	—	1	27
		13/2	—	1	52
		14	—	14	41
		16/1	—	9	36
		23/20/2	—	4	05
		23/1	—	11	63
		24/1	—	—	25
		36/21	—	12	91
		22	—	3	29
		28	—	2	02
		37/9/1	—	4	55
		10/1	—	12	40
		12/1	—	9	10
		13/1/1	—	9	36
		37	—	—	—
		13/2	—	1	76
		14	—	—	76
		16	—	8	35
		17	—	13	67
		18	—	1	26
		25	—	3	28
		38	—	—	—
		3/2	—	2	28
		4	—	13	41
		5/1	—	9	35
		6/1	—	1	01
		6/2	—	4	05
		47/2	—	10	37
		3/1	—	12	90
		4	—	—	—
		6	—	1	01
		7	—	14	92
		8/2	—	1	01

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Sahal-(contd.)	131	14	—	—	25	Samuran	134	21	—	—	25
		15/1	—	12	65	(continued)		22	—	12	65
		15/2	—	2	03			23	—	5	81
		16	—	—	25			6/11	—	8	85
		48	—	—	—			19	—	10	62
		—	—	—	—			20	—	7	08
		11	—	2	27			22	—	5	06
		19	—	3	03			23/1	—	7	33
		20	—	14	17			23/2	—	2	53
		—	—	—	—			7/3	—	9	61
		48	—	—	—			4	—	7	85
		—	—	—	—			7	—	9	61
		22/2/2	—	13	41			6/1	—	—	25
		50/11	—	4	55			6/2	—	7	09
		51/3/1	—	1	52			15/1	—	1	52
		3/3	—	4	05			15/2	—	6	06
		4/2	—	4	05			16/3/2	—	2	02
		6	—	5	06			5/1	—	1	77
		7	—	12	14			6/1	—	7	08
		15	—	11	39			6/2	—	6	83
		—	—	—	—			17/10	—	1	02
Munshiwalā	135	6/21	—	12	39			11	—	14	66
		22	—	0	51			17/12	—	2	28
		7/16	—	2	27			19	—	12	90
		17	—	10	12			18/1	—	3	04
		24/2	—	—	25			23	—	10	63
		25	—	11	38			24	—	7	08
		9/2	—	13	91			20/4/2	—	7	85
		3	—	8	34			5	—	8	35
		6	—	4	05			6	—	7	34
		7	—	14	17			19/10	—	9	87
		8	—	5	31			11/1	—	—	25
		15	—	9	11			11/2	—	5	82
		10/11	—	13	41			12/1	—	9	87
		12	—	1	52			12/2	—	2	28
		18	—	9	87			17/2	—	—	25
		20	—	—	51			18/1	—	5	31
		10/23	—	2	78			18/2	—	9	36
		24	—	13	91			19	—	3	53
		—	—	—	—			23/1/2	—	2	27
Safipur Khurd	133	29/25/1	—	—	—			24/1	—	1	52
		41/1	—	1	52			24/2	—	11	38
		9	—	3	54			25	—	—	76
		10/1	—	13	92			36/4	—	1	01
		10/2	—	—	25			5	—	1	52
		12	—	12	15			16/15	—	—	75
		13	—	5	31			—	—	—	—
		17	—	6	58	Kamalpur	126	93/2	—	1	02
		18/1	—	5	31			8	—	2	53
		18/2	—	5	82			9	—	14	67
		24	—	9	36			13	—	13	15
		25	—	8	60			14	—	4	05
		42/5/2	—	11	38			113/21/2	—	13	40
		6/1/2	—	—	50			22	—	—	51
		43/5	—	7	34			114/16/1/2	—	4	80
		44/1	—	10	12			120/1	—	1	26
		9	—	12	13			3	—	1	52
		10	—	5	82			8	—	11	89
		12	—	3	54			13	—	—	25
		13	—	14	42			15/2	—	—	51
		14	—	—	25			16	—	11	88
		17	—	5	06			121/20	—	6	07
		—	—	—	—			21	—	10	12
	133	44/18	—	1	77			22/1	—	1	01
		—	—	—	—			22/2	—	4	55
Samuran	134	2/19	—	1	77			132/20	—	13	91
		—	—	—	—			21	—	2	78

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6		
Kamalpur-- (Continued)	126	22 23 133/2 3 133/7 8 14 15/1 15/2 16 140/2 3 4 6 7 8 14 15 141/11 19 20 21	---	---	14 51 60 86 37 59 06 32 06 52 26 18 77 28 17 25 25 91 04 78 90 25		KhanalKalan (continued)	122	9/1 13/2 14 15 16 117/2/2 3 4/2 6 7 15 118/11/1 11/2 12 118/18 20 23 25 130/1 10 12 13 16 17/1 17/2 24 25 143/5 144/1 9 10 12 13 16 17/1 17/2 24 25 143/5 144/1 9 10 12 13 16 17 18 25 151/5 152/5 53/1/1 1/2	---	---	1 --- 8 2 9 4 --- 14 2 8 12 4 3 4 1 6 --- 4 9 2 13 --- 9 4 6 7 3 11 13 4 6 9 11 11 6 7 3 5 --- 1 14 7 1 2 13 4 10 8 11 7	77 25 35 78 11 04 41 53 09 144 81 29 05 51 83 50 83 25 81 11 53 41 25 36 81 77 65 58 58 79 38 15 81 58 13 36 50 38 57 04 82 25 51 84 26 68 08 52 10 32 58 77 26 01 92 76 28 65 51 04 88 60 38 08
Khanal Khurd	121	28/12 13 18 17	---	---	1 9 28 80								
Khanal Kalan	122	49/23 24 50/3 4 6/1 6/2 51/10 11 12 18/1 19 23/2 77/13/2 17 18 24 25 82/5 83/1 2 8 9 13 14 16 17 83/25 84/21 104/20 21/1 22 105/1 2 3/1 7 8	---	---	7 0 02 42 57 58 28 86 35 78 59 53 09 85 58 54 89 78 67 26 04 42 89 58 86 36 34 89 83 08 12 54 17 25 53 93								
						Gujran	110	8/19 20 23/2 24/1 18/4 2 5/2 6 17/10/2 10/3 11 12 17/18 19	---	---	6 1 1 1 14 --- 2 13 --- 4 10 8 11 7	58 77 26 01 92 76 28 65 51 04 88 60 38 08	

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Gujjran (Continued)	110	23	—	4	55	Gobindpur Nagri (continued)	57	12/1	—	6	07
		24	—	12	65			12/2	—	—	51
		30/5/1	—	13	41			13/2	—	12	64
		31/9	—	3	54			17/1	—	7	84
		30/4	—	3	54			16	—	1	01
		31/10	—	14	17			17/2	—	3	54
		12	—	—	39			29/18	—	2	78
		13	—	8	35			24/2	—	1	01
		17/1	—	—	50			25	—	14	93
		17/2	—	7	84			30/21	—	13	04
		17/3	—	2	53			35/1/1	—	6	58
		18/1	—	6	83			1/2	—	3	79
		24/1	—	3	54			2	—	8	09
		25	—	14	16			8	—	8	60
		32/21	—	—	51			9	—	8	85
		41/1/1	—	7	59			13/2	—	5	31
		1/2	—	7	33			13/1	—	1	26
		2	—	2	28			14/1	—	7	84
		9/1/2	—	10	88			14/2	—	3	29
		8/1/1	—	3	04			16/3	—	13	15
		13	—	11	64			17/1	—	3	54
		14	—	7	08			25/1	—	—	76
		41/16	—	7	84			34/20/1	—	—	76
		17/1	—	7	33			21	—	14	67
		17/2	—	—	51			22/1	—	3	04
		25	—	5	32			41/2/1/1	—	1	52
		40/21	—	13	15			2/1/2	—	3	03
		22/2	—	—	25			2/2/2	—	2	02
		61/1/1	—	2	28			3/2	—	6	08
		2/1	—	4	55			41/7/1	—	1	77
		2/2	—	10	12			7/3	—	7	08
		3/2	—	1	26			8/4	—	8	84
		7/1	—	2	28			14	—	5	81
		7/2	—	1	26			15	—	12	90
		8	—	14	16			16/2	—	2	28
		9	—	—	51			42/20	—	14	67
		14	—	10	63			19/2/2	—	1	01
		15	—	7	33			21/1	—	1	01
		16/1	—	2	28			22/1	—	2	53
		16/2/1	—	2	52			22/2	—	10	37
		16/2/2	—	03	04			23	—	2	02
		62/20	—	10	87			46/11/1	—	9	36
		21/2	—	5	06			19/1	—	6	07
		22	—	13	16			19/2	—	4	30
		23/1	—	—	25			20	—	6	07
		64/11	—	7	33			22	—	3	04
		64/19	—	9	61			23	—	14	42
		20	—	7	59			24/1	—	—	76
		22	—	5	31			47/2	—	—	26
		23	—	5	82			3	—	14	16
		65/2/1	—	1	52			4	—	5	06
		2/2	—	1	01			7/1	—	4	55
		3	—	14	67			7/3	—	5	82
		4	—	1	52			47/6	—	7	08
		6	—	04	04			15/1/1	—	4	55
		7	—	13	66			57/3	—	—	51
								4/2	—	13	66
								5/1	—	4	05
								5/3	—	—	25
								6/1	—	8	85
								6/2	—	1	01
								58/10/1	—	3	54
								10/2	—	5	06
								11/1	—	8	60
								12/1	—	8	35
Gobindpur Nagri	57	27/24	—	3	29						
		28/4	—	8	34						
		5	—	13	66						
		29/1/1	—	2	54						
		8/2	—	—	25						
		9	—	7	33						
		10/1	—	5	57						
		10/2	—	7	08						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Gobindpur	57	12/2	—	—	25	Mehlan	54	9	—	4	81
Nagri		18	—	11	89	(contd.)		10	—	10	62
(continued)		19	—	7	08			12	—	13	40
		23	—	3	54			13	—	2	78
		24/1	—	6	07			18	—	14	17
		24/2	—	5	56			17	—	1	01
		25	—	—	51			23	—	1	01
		62/1	—	3	54			24	—	13	65
		9	—	8	09			25	—	6	58
		10	—	11	63			34/20/1	—	1	77
		12/1	—	—	76			21	—	12	40
		12/2	—	6	07			22	—	8	34
		62/13/1	—	12	15			35/1	—	12	14
		16	—	1	52			9	—	14	67
		17	—	14	67			8	—	3	04
		18	—	2	78			10	—	2	78
		24	—	—	51			13	—	10	62
		25	—	3	79			14/1	—	10	62
		63/4/1	—	1	27			14/2	—	—	51
		5/1	—	3	04			35/16	—	14	92
		5/2	—	11	38			17	—	3	54
Mehlan	54	3/20	—	3	54			25/1	—	—	25
		21	—	13	41			36/5	—	8	10
		22	—	1	77			57/2	—	5	81
		4/16	—	10	12			3	—	13	66
		25	—	6	83			4	—	1	01
		9/21	—	7	34			6	—	3	54
		14/1	—	11	63			7	—	14	42
		2	—	2	78			8	—	—	76
		8/2	—	1	01			15	—	11	12
		9	—	14	67			58/11	—	7	84
		12/1	—	—	76			18	—	1	01
		13/1	—	12	90			19	—	13	66
		13/2	—	1	52			20	—	4	56
		17/1/2	—	5	79			22	—	1	01
		17/2	—	8	85			23	—	14	17
		14/18/1	—	3	04						
		24	—	5	57						
		25/1	—	10	87						
		28/5/1	—	6	07						
		29/1/2	—	2	78						

[No. R-31015/1/90-O.R.I.]

KULDIP SINGH, Under Secy.

पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय
(पेट्रोलियम और नैसर्गिक वायु विभाग)

नई दिल्ली, 1 जनवरी, 1992

का. आ. 210.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि, लोकहित में यह आवश्यक है कि महा-राष्ट्र राष्‍ट्र, जिला राष्‍ट्र में मौजे बोरीस, तहसिल-अलिबाग से मौजे सन्नाब, तहसिल-मुरुड जंजिरा तक नैसर्गिक गैस परिवहन के लिये पाईप लाईन गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया, नई दिल्ली-110066 द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यतः प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है।

बेशर्त की उक्त भूमि में हितवद् कोई व्यक्ति उक्त भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, गैस आथॉरिटी आफ इंडिया, प्रभू निवास, दुसरा मंजला, तहसिल-अलिबाग जिला-रायगढ़ को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

अंतर ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिवृष्ट: सह भी कथन करेगा की यह चाहता है कि उसकी मुनबाई व्यक्तिगत स्वरूप से हो या किसी विधि व्यवहारी के मार्फत।

परिशिष्ट

राज्य : महाराष्ट्र

जिला - रायगढ़

तहसिल—अलिबाग

गांव	सब्जे नंबर	हिस्सा नंबर	गट नंबर	क्षेत्र		
				हेक्टर	आर	सेंटीआर
खानाव	67	9 + 15 भाग	—	0	05	20
	67	4 + 6 + 8 + 16 भाग	—	0	03	00
	67	22 + 17 भाग	—	0	04	70
	67	13 भाग	—	0	03	40
	67	14 + 18 + 19 भाग	—	0	12	70
	65	1 + 2-ए भाग	—	0	09	70
	65	1 + 2-बी भाग	—	0	00	20
	65	3 भाग	—	0	17	50
	75	1 भाग	—	0	10	40
	76	4-ए भाग	—	0	01	80
	76	3 भाग	—	0	17	40
	78	4 भाग	—	0	05	40
	83	0 भाग	—	0	16	00
	82	0 भाग	—	0	13	80
	92	0 भाग	—	0	05	20
	66	1 भाग	—	0	05	20
	66	2-ए भाग	—	0	03	60
	66	2-बी भाग	—	0	06	30
	66	3-ए भाग	—	0	04	50
	66	4 भाग	—	0	04	80
	1	1 भाग	—	0	06	80
	1	2 भाग	—	0	06	40
	1	3 भाग	—	0	07	20
	1	4 भाग	—	0	04	40
	2	2 ए-2-बी भाग	—	0	20	00

[न. 14016/63/90-जी पी]

MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS

(Department of Petroleum and Natural Gas)

New Delhi, the 1st January, 1992

S.O. 210.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Natural Gas, from Boris, Tahasil-Alibag, District-Raigad to village Salav, Tahasil-Murud Janjira, District-Raigad in the state of Maharashtra pipe line should be

laid through the agency of Gas Authority of India, New Delhi-110066.

And whereas it appears to the Central Govt. that for the purpose of laying such pipe lines, it is necessary to acquire the Right of user in the lands described in the schedule annexed hereto:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals pipe lines (Acquisition of Right of user in the land) Act

1962 (50 of 1962), the Central Govt. hereby declares its intention to acquire the right of user in the lands referred in the schedule :—

the Notifications to the Competent Authority, Gas Authority of India, Prabhu Niwas, second floor, At. Post Tahasil-Alibag, District-Raigad, Maharashtra state.

Provided that any person interested in the said lands having any objection for laying the pipe line through the said lands may prefer any objections within 21 days from the date of publication of

And every person making such an objection shall state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

State : Maharashtra

District: Raigad

Tahsil : Alibag

Village	Survey No.	Hissa No.	Gat No.	Area		
				Hector	Aro	C. Aro
Khanav	67	9+15 Part.	—	0	05	20
	67	4+6+8+16 Part.	—	0	03	00
	67	12+17 Part	—	0	04	70
	67	13 Part	—	0	03	40
	67	14+18+19 P.	—	0	12	70
	65	1+2+A Part	—	0	09	70
	65	1+2+B Part	—	0	00	20
	65	3 Part	—	0	17	50
	75	1 Part	—	0	10	40
	76	4-A Part	—	0	01	80
	76	3 Part	—	0	17	40
	78	4 Part	—	0	05	40
	83	0 Part	—	0	16	00
	82	0 Part	—	0	13	80
	92	0 Part.	—	0	05	20
	66	1 Part	—	0	05	70
	66	2-A Part	—	0	03	60
	66	2-B Part	—	0	06	30
	66	3-A Part	—	0	14	50
	66	4 Part	—	0	04	80
	1	1 Part	—	0	06	80
	1	2 Part	—	0	06	40
	1	3 Part	—	0	07	20
	1	4 Part	—	0	04	40
	2	2-A	—	0	20	00
		2-B				
		Part				

[No. O-14016/63/90-GP]

शुद्धि पत्र

का. आ. 211.—भारत सरकार के तारीख 9-3-91 के राजपत्र भाग II, खंड 3 उप खंड (ii) के पृष्ठ संख्या 1173 पर प्रकाशित अधिसूचना में निम्न विवरण अनुसार संशोधन कर पढ़ा जाए : संशोधन स्वरूप उसे निम्न तालिका के कालम 4 में दिए गए अनुसार पढ़े।

अधिसूचना संख्या	ग्राम	निम्न के स्थान पर					निम्न पढ़े				
		क्रम संख्या	मकान	एच	आर	सी	आर	क्रम संख्या	मकान	एच	आर
क. आ. सं. 700 गूजिस	भाग	34-ए	12-ए	0	25	49	34—ए	12-ए	0	16	49
							34—ए	12-बी	0	04	00
								1—ए			
							34—ए	12—बी	0	05	00
								2—ए	0	25	49

[ओ-14016/1/91/जी.पी.]

CORRIGENDUM

S.O.211. --The partial modification to the notification published in Govt. Gazette of India, Part II Section 3 sub section (ii) dtd. 9-3-91 page No. 1173 may be made as per detailed given hereunder :

Notifi- cation No.	Village	May be read as				In place of				
		S.No.	H.No.	H	R	CR	S.No.	H.No.	H	R
S.O. 700 Gunjis	Part	34-A	12-A	0	16	49	34-A	12-A	0	25
										49
		34-A	12-B	0	04	00				
			1-A							
		34-A	12-B	0	05	—00				
			2-A	0	25	49				

[O-14016/1/91-G.P.]

शुद्धि पत्र

का. आ. 212.—भारत सरकार के राजपत्र भाग II, खंड 3(ii) तारीख 5-9-91 में का. आ. सं. 571 (ई) के संदर्भ में प्रकाशित बबाना ग्राम की अधिसूचना में संशोधन स्वरूप उसे निम्न तालिका के कालम 4 में दिए अनुसार पढ़े

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
जिला	ग्राम	खसरा संख्या	अधिग्रहीत क्षेत्र बीघा	विशेष
दिल्ली	बबाना	98/19/1	0	9

[ओ-14016/1/91-जी.पी.]

CORRIGENDUM

S.O. 212.—the partial modification to the notification published in Govt. Gazette of India Part II Section 3 sub section (ii) dtd. 5-9-91 page no. 571(E) may be made as per detailed given hereunder :

District	Villago	Khasra No.	Acquired area	
			Bigha	Vishwa
Delhi	Bawana	98/19/1	0	9

[O-14016/1/91-G.P.]

सूचना

का. आ. 213.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता कि लोकहित में यह आवश्यक है कि गुजरात राज्य में दशरुड टैप ऑफ से जी. एस. एफ. सी. तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिये पाईप लाइन गैस अथोरिटी आफ इंडिया लि० द्वारा बिछाई जानी चाहिए ।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिये एतद्पाबद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है ।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाईप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) का धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार ने उक्त उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्द्वारा घोषित किया है ।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति उस भूमि के नीचे पाईप लाइन बिछाने के लिए आक्षेपसक्षम प्राधिकारी गैस अथोरिटी आफ इंडिया लि. दर्पण बिल्डिंग, आर. सी. दत्त रोड बड़ोदरा को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा ।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या यह चाहता है कि उसकी मुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत ।

अनुसूची

दशरुड गांव — हेप आफ से जी एस एफ सी लाईन
राज्य:—गुजरात जिला—बड़ोदरा तहसील—बड़ोदरा

गांव	सर्वे नम्बर	हेक्टेयर	आरे	सेन्टिआरे
दशरुड	325	0	04	50

राज्य महवि, उप सचिव

[ओ-14016/63/91-जी पी]

S.O. 213.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from Dasharada Tap-off to G.S.F.C. in Gujarat State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act,

1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd. Darpan Building R. C. Dutt Road, VADODARA-5.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

For Dasharath Village Tap-off to G.S.F.C. line

State : Gujarat

District : Baroda

Taluka : Baroda

Village	Block No.	Hector	Area	Contiare
Dasharath	325	0	04	00

[No. O-14016/63/91-GP]
RAJIV MEHRSHI, Dy. Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर, 1991

का.आ. 214.—केन्द्रीय सरकार, होमियोपैथी केन्द्रीय परिषद अधिनियम, 1973 (1973 का 59) की धारा 13 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, होमियोपैथी केन्द्रीय परिषद से परामर्श करने के पश्चात् उक्त अधिनियम की दूसरी अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिनियम की दूसरी अनुसूची में, "कर्नाटक" शीर्षक के नीचे सब एक और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित मद और प्रविष्टियाँ अन्तःस्थापित की जायेगी, अर्थात् :—

1	2	3	4
"7ख गुलबर्गा विश्वविद्यालय	बैचलर आफ होम्योपैथिक मेडिसिन एण्ड सर्जरी	बी.एच.एम.एस.	1990 से 1993 तक"

[सं. वी-27021/16/89-होम्यो]

आर.के. मुखी, निदेशक

टिप्पण : मूल अधिसूचना भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 1 में का.आ. सं. 76 तारीख 20 दिसम्बर, 1973 के अधीन अधिसूचित की गई थी।

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 27th December, 1991

S.O. 214.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 13 of the Homoeopathy Central Council Act, 1973 (39 of 1973), the Central Government, after consulting the Central Council of Homoeopathy, makes the following amendment in the Second Schedule to the said Act, namely :—

In the Second Schedule to the said Act, under the heading 'Karnataka' after item 7A and the entries relating thereto, the following item and entries shall be inserted namely :—

1	2	3	4
'73. Gulbarga University	Bachelor of Homoeopathic Medicine and Surgery	B.H.M.S.	From 1990 to 1993"

[No. V-27021/16/89-Homoeo]

R. K. MUKHI, Director

NOTE :—The Principal Notification was notified S.O. No. 76 dated 20-12-1973 in Part II Section I of Gazette of India.

शहरी विकास मंत्रालय

(निर्माण प्रभाग)

नई दिल्ली, 2 जनवरी, 1992

MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT

(Works Division)

New Delhi, the 2nd January, 1992

का.आ. 215.—एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि राजघाट समाधि अधिनियम, 1951 (1951 का 41) की धारा 4 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अनुसार दसवीं लोक सभा के सदस्य श्री राम शरण यादव को राजघाट समाधि समिति के सदस्य के रूप में चुना गया है।

[सं. 25011/7/85-निर्माण-3]

बी.एस. रमन, उप सचिव

S.O. 215.—It is hereby notified that Shri Ram Sharan Yadav a Member of the Tenth Lok Sabha, has been elected as Member of the Rajghat Samadhi Committee in accordance with clause (d) of Sub-section (1) of Section 4 of the Rajghat Samadhi Act, 1951 (No. 41 of 1951).

[No. 25011/7/85-W-3]

V. S. RAMAN, Dy. Secy.

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 1991

क्र.सा.-216--औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रिय सरकार भारतीय स्टेट बैंक के प्रबन्धकों के संबंध में निराकरणों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रिय सरकार औद्योगिक अधिकरण व श्रम न्यायालय, चण्डीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रिय सरकार को 19-12-91 को प्राप्त हुआ था।

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 20th December, 1991

S.O. 216.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Chandigarh as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India and their workmen, which was received by the Central Government on 19-12-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING OFFICER
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-
CUM-LABOUR COURT, CHANDIGARH.

I. D. No. 31/87

V. K. Arora

Vs.

State Bank of India.

For the workman—Shri J. C. Verma Advocate.

For the management—Shri T. S. Doabia Advocate.

AWARD

Central Government vide Gazette Notification No. L-12021/334/86-D.II (A) dated 6th May 1987 issued U/S 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 referred the following dispute to this Tribunal for decision :

“Whether the action of the Regional Manager, Region I, State Bank of India, Chandigarh in terminating the service of Shri Varinder Kumar Arora, Clerk-cum-cashier at the Hall Bazar, Amritsar Branch w.e.f. 13-12-83 is legal and justified? If not, to what relief is the said workman entitled?”

2. Claim of the petitioner as set out in the claim statement that he was employed as clerk-cum-cashier with the respdt. on 3-10-1973 and was confirmed on 3-4-74 and had been working efficiently when suddenly he was suspended on 24-5-1980 in connection with an incident of shortage of Rs. 30,000 occurred on 12-5-1980. It was alleged that when the said amount is said to have been missing one Gurdceep Singh Cash Kuli was also in the cabin alongwith the petitioner whereas the petitioner at that time had gone out of cabin at about 1.30 P.M. went to deputy head cashier for making some entries in the accounts books and on his return after five minutes he found Rs. 30,000 missing. On his asking Gurdceep Singh cash kuli could not reply satisfactorily and he informed the Deputy Manager Sh. N. L. Joshi who instead of closing doors of the branch acted carelessly and even Gurdceep Singh cash kuli was not searched personally. It was also alleged that the management instead of sympathising resorted to coercive tactics and got a letter written from him that he would make good the said shortage, at 9-00 P.M. although working hours are 9-45 AM to 4-45 PM. It was also alleged that on the following day i.e. 13-5-80 he requested the respdt. management of proper investigation of missing amount by lodging a complaint but no action was taken. But however at 6-00 PM respdt. made false report against him with mala fide intention without mentioning the name of Gurdceep Singh cash kuli which resulted in registration of case U/S 409 of IPC which resulted in acquittal. Appeal against acquittal was also dismissed by the High Court. It was further submitted that instead of honouring the judge-

ment after acquittal when the workman submitted applications for reinstating him but the management did not take any action. Although he was entitled to reinstatement after acquittal in terms of para 521(c) of Sastri Award approved by Desai Award in para 8-28. It was further alleged that in order to cover up the illegality, started disciplinary proceedings while issuing charge sheet on 24-5-1982 which was illegal and against the principal of natural justice and also that material documents when asked by him vide his representations dated 7-6-82 and 21-7-82 were not supplied and rejected. The domestic inquiry was totally illegal, unjustified and unwarranted and against the principal of natural justice. It was further stressed that appointment of the Enquiry Officer vide letter dated 25-11-1982 without supplying the documents and fixing the date by the Enquiry Officer on 3-12-1982 was also illegal for the reason that no enquiry officer can be appointed or enquiry be held unless and until the workman is supplied the documents for preparation of his defence. It was also stressed that he was also not allowed to engage the counsel. It was also averred that he was not aware of the material documents at the starting of the enquiry relying by the management and the same is liable to be vitiated being against the principal of natural justice. Action of the enquiry officer was also mala fide and was given with biased mind. Letters of the petitioner dated 13-12-1982 for staying of the proceedings was also not cared to. The letter dated 22-12-1982 for supplying the documents was also not complied with. The adjournments sought by his wife was taken as avoiding to face the enquiry vide proceedings dated 18-1-1983. The enquiry officer adopted very rigid attitude and after hot discussion on 7-3-1983 the enquiry officer directed the management to produce the documents. However the respdt. management vide letter dated 21-3-1983 denied the copies of the documents. It was also stressed that the failure of the management to supply of the documents has caused prejudice to the workman. That his letter dated 10-5-1983 was also rejected. He was also not allowed to cross-examine the witnesses of the Bank. It was also alleged that without giving proper opportunity the inquiry was closed which was wholly illegal and further the order dated 13-12-1983 terminating the services of the workman by way of dismissal is wholly illegal and unjustified and also the appellate order dated 2-3-1984 passed against the workman and prayed for the reinstatement of the workman with full back wages.

3. Claim of the workman was contested by the respdt. Bank. Preliminary objection was taken that the petitioner was acquitted by giving him the benefit of doubt but not completely exonerated of the guilt. The mere acquittal in a criminal case does not bar the departmental proceedings according to para 521 of the Sastri Award. On merits it was contended that the shortage of Rs. 30,000 was found on 12-5-1980 and the petitioner admitted the shortage in his letter written on 12-5-1980; but he tried to put forward a story that the amount was done away by one Shri Gurdeep Singh cash coolie which was not found convincing. Further stand put forward by the workman that he had gone out of the cabin for five minutes and left the cash with Gurdeep Singh cash coolie was also not believed. It was due to his negligence that the shortage in question took place and the explanation given by him was not satisfactory and thus he is guilty of committing an act of gross negligence in performance of his duties. It was admitted that FIR was lodged against the workman because he was primarily responsible for the maintenance of the accounts. It was also alleged that interpretation stated by the workman of para 521 of Sastri Award is not correct. The charge sheet was issued in accordance with law. Therefore, there is no violation of principal of natural justice. Enquiry was held in accordance with law and the sufficient opportunity was given to the workman. However the workman was very keen to prolong the proceedings and ultimately walked out of the enquiry proceedings. Enquiry Officer had been accommodating the workman throughout the inquiry proceedings and was not adopted any rigid attitude. Other allegations were also denied.

4. Petitioner also filed replication to the written statement reiterating the claim made in the claim statement.

5. In support of his case petitioner filed his affidavit as Ex. W-1 reiterating his claim in the claim statement and relied documents Ex. A-1 to A-20. The management produced Shri H. L. Mehra Manager DPD S.B.I. who filed his affidavit Ex. M-3 in evidence and also relied on documents Exs. M-1 and M-2 the letters.

6. I have heard both the parties and gone through the record and evidence of the case. Counsel for the petitioner has strongly contended that the enquiry is to be vitiated for the non supply of the documents to the petitioner enabling him for preparing the defence. There is force in this contention. Ex. A-8 dated 13-12-1982 is the application moved by the petitioner to the enquiry officer requesting the enquiry officer to stay the proceedings till the copies of documents are supplied to him. Similarly another application Ex. A-9 was moved to the enquiry officer for the supply of the various documents and a request was made that in case the date is fixed prior to the supply of the copies of the documents, it may not be possible for him to prepare his defence in absence thereof. The application of the petitioner was replied by the enquiry officer vide Ex. A-7 dated 3-1-1983 in which there is clear indication that at the start of the enquiry copies of the documents were not supplied to the petitioner as there is reference in this letter to this effect stating as follow :

"Further, all possible assistance will be given to you in providing copies of documents from the branch records (which are not in your possession) and which you may require and demand for preparation of your defence, after the presentation by the bank's representative is over but well before the defence side starts."

After pursuing the contents of Ex. A-7 it has become apparent that the petitioner was not supplied the copies of documents at the start of the enquiry. 1967 S.L.R. page 759 Tirlok Nath Vs. Union of India and others has also referred in which the Hon'ble Supreme Court has held that the failure of the inquiry officer to furnish the appellant with the copies of the documents during the investigation must be held to have caused prejudice to the appellant in making his defence is at the inquiry and violate the principal of natural justice and is liable to be quashed. Similarly in 1969 S.L.R. page 436 Dhup Singh Kanungo Vs. State of Haryana and others it has been held that in view of the repeated grievance made by the petitioner that he had not been supplied copy of the report of Tehsildar which was the basic documents in framing of the charges, there is no doubt that the petitioner was seriously handicapped in his defence at the enquiry. It was the duty of the enquiry officer to furnish him a copy of that report and his failure to do so has vitiated the inquiry. Similar is the position in the present case as apparent from Ex. A-7 written by the enquiry officer to the petitioner there is clear indication that the petitioner was not supplied the copies of the documents at the start of the enquiry enabling him to prepare his defence. Thus there is violation of principal of natural justice and has caused great prejudice to the petitioner.

Next contention raised by the counsel for the workman is that the enquiry is bad as the petitioner was not allowed to engage a counsel and has referred the proceedings dated 13-12-1982. After pursuing the same the workman had made requests to the enquiry officer that he be allowed to engage a counsel for his assistance. The same was declined by the enquiry officer while saying that since he has already been allowed to defended by the representative of the registered Union no outsider is permitted to defend your case and declined the request of the petitioner to engage counsel for his assistance again violate the principal of natural justice in view of the ratio laid down in AIR 1983 Supreme Court page 109 *The Board of Trustees of the Port of Bombay Vs. Dalip Kumar Raghavendranath Nadkarni and others*. Following the decision laid down in AIR 1965 Supreme Court 1392 it was held that where an enquiry before the domestic tribunal the delinquent officer is pitted against a legally trained mind, if he seeks permission to appear through legal practitioner the refusal to grant this request would amount to denial of a reasonable request to defend himself and the essential principles of natural justice would be violated and vitiated the inquiry. Similarly in the present case the petitioner was not allowed to engage the counsel by the inquiry officer certainly has violated the principal of natural justice.

Counsel for the petitioner next contended that no defence opportunity was given to the petitioner and has referred the application of the workman Ex. A-15 addressed to the enquiry officer dated 26-8-1983 and Ex. A-16 another appli-

cation dated 11-9-1983 giving the detail of the defence witnesses and has also referred letter dated 20-8-1983 issued by the Regional Manager whereby workman was advised to put the defence before the inquiry officer and has also argued that the request of the workman vide application Ex. A-15 and A-16 has been rejected by the enquiry officer on 13-9-83 vide Ex. A-17 which has also caused prejudice to the workman. All the documents has been pursued. There is reference in the proceedings dated 29-7-1983 about the walking out of the present petitioner at the time of the cross-examination of the bank's witnesses Shri P. P. Sharma. Case was adjourned to 30-7-1983 on the following day without information to the present petitioner. Shri H. L. Mehra enquiry officer as appeared as MW-1 and has stated that the workman was intimated at the starting of the proceedings on day to day basis. He has also admitted that this fact was not recorded in the enquiry proceedings and has also admitted that in the proceedings dated 29-7-1983 there is no mention of the fixing of the next date. Thus the petitioner certainly could not aware of the next date fixed i.e. 30-7-1983. Shri H. L. Mehra MW-1 has also admitted in cross-examination that no proceedings has been recorded after 30th July 1983. He has also admitted the receipt of Ex. A-16. He has also admitted his letter Ex. A-17 addressed to the present workman. After pursuing the same there is clear picture that the workman was not allowed to produce his defence but was only asked his written brief in defence which certainly does not stands to judicial scrutiny because the workman had already given the list of defence witnesses numbering ten vide his letter Ex. A-16 which he wanted to examine as his defence witnesses. How they can be by passed merely by submitting written brief in defence. Therefore, action of the enquiry officer rejecting the request of the workman for not producing the witnesses vide his letter Ex. A-17 is not sustainable in the eyes of law.

Next contention raised by the counsel for the petitioner is that his acquittal of the present petitioner criminal case entitles him as instalment and has referred the document Ex. A-5 the judgment. Criminal Court acquired the present petitioner of the criminal charges and Ex. A-6 dismissal of the appeal against acquittal and has argued that the management could not start the enquiry of the same charges after acquittal of the present petitioner from the Criminal Court and has referred to me AIR 1966 Mysore page 68 p. Channappa Vs. Mysore Revenue Appellate Tribunal Bangalore and others and 1984 (1) S.L.R. 409 George Varghese Vs. The Food Corporation of India Madras and others and 1982 (1) S.L.R. 573 Mohan Lal Vs. Union of India and other. After pursuing these there is no dispute of the fact that the management did not initiate the enquiry till the decision of the criminal Court. But this fact ipsofacto does not lead to vitiate the whole inquiry proceedings in view of the judgments laid down by the Hon'ble Supreme Court in *JK Cotton and Spinning Company Vs. Its workmen* reported in 1965 (2) L.L.J. page 153.

But however since the acquittal of the present petitioner is purely on merits not on technical grounds and further dismissal of the appeal against acquittal may be corroborative circumstances in addition to the circumstances discussed above but not the independent for vitiating the whole enquiry proceedings. Counsel for the management contended that in the event of the Tribunal coming to the conclusion that the proper opportunity was not given to the petitioner and the enquiry is bad in the eyes of law, they be allowed to adduce evidence in support of the fairness of the enquiry. This argument is not tenable because no such plea has been taken by the management in the written statement and this request cannot be accepted at this stage in view of the ratio laid down by the Hon'ble Supreme Court in 1983 Lab. I.C. 1697 *Sambhu Nath Goyal Vs. Bank of Baroda*.

In view of the discussion made in the earlier paras it is held that the enquiry conducted against the present petitioner certainly violates the principal of natural justice and no proper opportunity was given to the petitioner to defend his case, thus the enquiry is vitiated and termination is set aside. Consequent thereof the present petitioner is re-instated with full back wages with all consequential benefits.

Chandigarh.

ARVIND KUMAR, Presiding Officer
[No. I-12012/334/86-D.II (A)]
S. C. SHARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 1991

का. अ. 217.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मुनीडिह प्रोजेक्ट आफ मैसर्स बी.मं.मं.एल. के प्रबंधन से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (मं. 1), धनबाद के पंचाट को प्र काशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-12-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 20th December, 1991

S.O. 217.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 1), Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Moonidih Project of M/s. BCCL and their workmen, which was received by the Central Government on 18-12-1991.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 78 of 1988

PARTIES :

Employers in relation to the management of Moonidih Area of M/s. B.C.C. Ltd.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri B. Joshi, Advocate.

For the Workmen—Shri S. Bose, Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dated, the 29th November, 1991

AWARD

By Order No L-20012/239/87-D.III (A), dated the 11th July, 1988, the Central Government in the Ministry of Labour, has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

“Whether the action of the management of Moonidih Area of Bharat Coking Coal Limited, At and P.O. Moonidih Dist. Dhanbad is not allowing one extra increment to the following workmen (see Annexure) who were designated as Clerical Grade III on their regularisation/upgradation/promotion to clerical grade II as the case may be is justified? If not to what relief the workmen are entitled?”

ANNEXURE

1. Shri Sarjoo Ram Kahar.
2. Shri Sadhan Mukherjee,
3. Shri Ashis Kumar Banerjee,
4. Shri Haradhan Mousif,
5. Shri Sanjiban Mahato,
6. Shri Ram Nath Yadav,
7. Shri Bhikuram Mahato,
8. Shri Ram Ranjan Mahato,
9. Shri Amleswar Mahato,
10. Shri Naresh Banerjee,
11. Shri Dharanidhar Tiwary,
12. Shri A. B. Singh Vidhyarthi.

2. The dispute has been settled out of Court. A memorandum of settlement has been filed in Court. I have gone through the terms of settlement and I find them quite fair

and reasonable. There is no reason why an award should not be made on the basis of terms and conditions laid down in the memorandum of settlement. I accept it and make an award accordingly. The management of settlement I accept it and make an award accordingly. The memorandum of settlement shall form part of the award.

3. Let a copy of this award be sent to the Ministry as required under Section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

S. K. MITRA, Presiding Officer

[No. L-20012/239/87-D.III (A)/IR (Coal-I)]

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1

DHANBAD

Reference Case No. 78 of 1988

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Moonidih Area, BCCL

AND

Their workmen.

PETITION OF COMPROMISE

The humble petition on behalf of the parties to the above reference most respectfully sheweth :—

1. That the above dispute has been amicably settled between the parties on the following terms.

TERMS OF SETTLEMENT

(a) That the concerned workmen S/Shri Sarajoo Ram Kahar, Sadhan Mukherjee, Ashish Kumar Banerjee, Haradhan Mousif, Sanjiban Mahato, Ram Nath Yadav, Bhikho Ram Mahato, Ram Ranjan Mahato, Amleswar Mahato, Naresh Chandra Banerjee, Dharanidhar Tewari and A. B. Singh Vidhyarthi will be deemed to have been promoted with effect from 1-7-1984 instead of being regularised in Clerical Grade-II with effect from that date.

(b) That the basic wages of the concerned workmen will be computed as on 1-7-1984 considering their cases of promotion as on 1-7-1984 and the difference of wages from 11-7-1988 (i.e. the date of reference) till date will be paid to the concerned workmen. They will not claim any difference of wages prior to 11-7-1988.

2. That in view of the above settlement there remains nothing to be adjudicated.

Under the facts and circumstances stated above the Hon-ble Tribunal will be gracious/pleased to accept the settlement as fair and proper and be pleased to pass the award in terms of settlement.

For workmen :

(1) Sd/-
(G. D. PANDEY)
Vice-President
Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh
Dhanbad

(2) Sd/-
(K. B. SINGH)
Secretary
Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh
Moonidih
(Dhanbad)

For Employer :

(1) Sd/-
(S. D. SHARMA)
General Manager (Oprn.)
Moonidih Area, BCCL

(2) Sd/-
Dy. Chief Personnel Manager
Moonidih Area, BCCL

का.प्र. 218—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, मैसर्स सां.सां. एन. की स्वंग कोलियरी के प्रबन्धन से संबंध निषेधकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (सं. 2), धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 218.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Swang Colliery of M/s. C.C.L. and their workmen which was received by the Central Government on 18-12-1991.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT :

Shri B. Ram, Presiding Officer.

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947

Reference No. 190 of 1987

PARTIES :

Employers in relation to the management of Sawang Colliery of M/s. C. C. Ltd., P.O. Sawang, Dist. Giridih and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri Lalit Burman, Vice-President, United Coal Workers' Union.

On behalf of the employers—Shri R. S. Murthy, Advocate

STATE : Bihar INDUSTRY : Coal

Dhanbad, the 10th December, 1991

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Order No. L-24012(166)/86-D.IV (B), dated, the 16th April, 1987.

SCHEDULE

"Whether the action of the Management of Sawang Colliery of M/s. C.C. Ltd., P.O. Sawang, Dist. Giridih by terminating the services of Md. Yasin Mian on 15-4-86 when the age of the employee in his Identity Card is 19-4-41 is legal and justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?"

2. The concerned workman namely Md. Yasin Mian has been working in Swang Colliery as Coal Cutter since 1961 continuously and all of a sudden he was intimated through Supdt. of Mine that his date of retirement has been decided as 15-4-86. The workmen contended that his date of birth as recorded in his identity card was 19-4-41 and, therefore his date of retirement should be 19-4-2001.

3. The workmen filed W.S. alleging his date of birth as recorded in his identity card issued to him by the NODC and on calculation his date of retirement should be 19-4-2001. The workmen raised objection but he was not heard and he filed a Writ Petition before the Hon'ble High Court, Ranchi Bench vide C.W.J.C. No. 603/86 (R). The Hon'ble Court was pleased to order that the petitioner to go before the Industrial Tribunal under the I. D. Act. Accordingly the workmen raised industrial dispute before the ALC (C), Hazaribagh demanding reinstatement with full back wages on and from 15-4-86 i.e. the date of termination of his

services. The conciliation proceeding ended in failure and hence this reference.

4. The workmen contended that the identity card was issued to the concerned workman by the management of NCDC after the concerned workman was appointed in the year 1961 any record prepared by the management of CCL, nothing different date of birth must be deemed to be wrong and cannot be relied upon. It has been stated that the action of the management in terminating the services of the workmen on 15-4-86 was totally illegal and unjustified. Accordingly it has been prayed to answer the award in favour of the workmen with full back wages and with other benefits from 15-4-86 till the date of his reinstatement.

5. The management also filed W.S. stating that the claim of the workmen was all bogus and unfounded. Admittedly the concerned workman was employed as Coal cutter in Swang Colliery of the management with effect from 7-2-61. The age of superannuation as contended by the management is 60 years. It was stated that the date of birth of the concerned workman was 15-4-1926. The management has system of preparing service register for each workman in which among other things the date of birth of each workmen is also recorded and the entries made thereunder are duly attested by the concerned workman and also countersigned by the officers of the management. It was stated further that in the case of Md. Yasin Mian the service register was opened on 15-4-71 and in the first page of the said service register the date of birth of the concerned workman was noted as 15-4-26. The necessary entries in the service registers were duly attested by the concerned workman and were also countersigned by the Colliery Manager. The management stated further that the present Colliery was previously known as NCDC Ltd, which was re-named as CCL with effect from 1-11-75 when Coal India Ltd. was established as holding company and the CCL and some other companies became its subsidiaries.

6. The date of birth of the concerned workman was also recorded in the Form B Register maintained under the Mines Act and Mines Rules and the entries made therein including the date of birth were attested by him. The date of birth as shown in that register is also 15-4-1926. Naturally after attaining 60 years of age the concerned workman retired on 15-4-1986.

7. The management further contended that the attestation of the relevant entry by the concerned workman in the service register as well as in Form B Register by fixing his LTI amounted to an admission within the meaning of Section 17 of the Evidence Act and is bound by the same. In face of such admission the concerned workman is estopped from raising the present dispute. Lastly it was contended that the identity card is not mean for recording the date of birth/age of the employees rather it is meant only for identification of the workmen. The correct and proper records for this purpose are the service registers and Form B Register. On this ground it has been urged that the dispute has got no meaning and the concerned workman is not entitled to any relief.

8. From the pleadings of the parties it is clear that the concerned workman is disputing his date of birth as recorded in the service registers and Form B Register. Ext. M-1 is the service sheet of Md. Yasin Mian and there the date of birth has been recorded as 15-4-1986. Definitely the date of birth has been recorded in different ink and may be also in different setting. In this connection the evidence of MW-1 Shri R. N. Singh may be looked into who had occasion to work in Swang Colliery of NCDC from October, 1966 to June, 1971 as Asstt. Colliery Manager. According to him during the year 1970-71 the job relating to the completion of service sheet of Swang Colliery was undertaken and he himself was associated with that work. He has proved the service sheet and Col. 1, 3 and 5 of the same was written in the pen of Shri Anil Kumar Roy. He also stated that Col. No. 2 relating to the date of birth was written by him. Again the witness stated that he had noted the date of birth in Col. 2 under Ext. M-1 on the basis of the entry of the age in Form B Register. According to him the entries of Col. No. 1 to 5 of the service sheet was read over and explained to the concerned workman and then he had put his LTI. I

find that there is no endorsement to that effect that entries recorded therein were read over and explained to the concerned workman. Besides this all the entries were recorded in English.

9. In cross-examination the witness has stated that at the time of the appointment of the concerned workman in the year 1960 the particulars regarding his age date of appointment etc. must have been entered in Form B Register. In this way according to his own statement those entries in Form B Register must have been made round about the year 1961. Now let us have a look regarding the entries made in Form B Register Ext. M-4. At Sl. No. 11 the name of Md. Yasin Mian appears and his date of birth has been recorded as 15-4-26. I further find that the name of village, Post Office, District has also been recorded at the appropriate column and lastly his LTI was obtained. But there is no endorsement to the effect that the LTI belonged to Md. Yasin. Similar is the case with respect to that LTI appearing on Ext. M-1. Further we find that the names of number of workmen say about 288 have been written but the signature on the LTI of a few workmen have been obtained in the appropriate Col. and this is suggestive of the fact that it was not regularly maintained. The register again further discloses that it was prepared in the year 1978. In this very context I would like to refer the evidence of Shri S. K. Ram, MW-2. He stated in his cross-examination that the entries in Form B Register had been made by the CCL in 1971. However, he has displayed his ignorance that the Form B Register in respect of the concerned workman was prepared soon after his appointment in the year 1961. He also stated that the concerned workman had not given his LTI in Form B Register in his presence. It may be very important to mention here that according to MW-1 he had noted the date of birth in Col. 2 of Ext. M-1 on the basis of the entry of the age of the concerned workman in Form B Register. It was rightly pointed out by the learned counsel for the concerned workman that service sheet was prepared in the year 197 while the Form B Register was prepared in the year 1978 and so how any entry in service sheet can be made in the year 1971 on the basis of any entry made in Form B Register which was prepared in the year 1978. If any Form B Register was prepared immediately after the appointment of the concerned workman then the same should have been produced before the Court. In this way we find that the entries whatever it may be were not made in regular course of business and they are also not upto-date.

10. On the other hand the concerned workman has solely relied upon his identity card issued to him by the authorities of the NCDC. The identity card has been marked Ext. W-2. Definitely such identity card are issued to the workmen for the identification sake. But at the same time we cannot ignore other entries made thereunder. The learned counsel for the management submitted that the identity card must be sealed but it has been tampered with and most probably the date of birth might have been forged. In this respect I may again refer to the evidence of MW-2 who has stated that the identity card bears the signature of Shri S. K. Mukherjee, Manager, as well as the signature of Shri Banerjee Labour Officer which has been marked Ext. W-2. This means that the witness has identified the signature of the two important officers of the rank of Manager and in this way the entries in the identity card can be hardly doubted. I have perused the entries made in the identity card and prima facie there is nothing like tampering in any entry including the entry of the date of birth. Atleast this document (Ext. W-2) is in favour of the concerned workman. But at the same time it must be noted that the identity card is not sealed rather its lower portion is open. I have stated already that other documents indicating the date of birth of the concerned workman were not properly maintained by the management.

11. Be that as it may I find that the variation and difference of date of birth as recorded in the service sheet and Form B Register and that of the identity card is quite at larger. In other words the variation will be near about of 15 years and in the circumstances in order to solve this issue permanently the best and proper course would be to get the concerned workman examined by the medical board. In this respect I would also like to mention ossification of bones will be the proper test while determining the age of a particular man or woman. The management, therefore, is directed

to get the concerned workman examined through its medical board after due notice to the concerned workman within one month from the date of publication of the Award and the decision of the Medical Board regarding the age will be final. The reinstatement of the concerned workman will depend upon the age assessed by the medical board.

An Award is passed accordingly.

B. RAM, Presiding Officer

[No. L-24012(166)/86-D.IV(B)/IR (Coal-I)]

K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर, 1991

का.प्र. 219.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्तर्गत में केन्द्रिय सरकार एम.सं.पी. मलान्कण्ड के प्रखण्ड के संश्लिष्ट नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुसूच में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रिय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकृति करार है, जो केन्द्रिय सरकार को 19-12-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 23d December, 1991

S.O. 219.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M.C.P. Malankhand and their workmen, which was received by the Central Government on the 19-12-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL—
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)
Case No. CGIT(LC(R)(178))1987

PARTIES :

Employers in relation to the management of Malankhand Copper Project of H.C. Ltd., P.O. Malankhand, Distt Balaghat (M.P.) and their workman, Shri K.P. Singh, Sr. Technician, Code No. 1516, represented through the Copper Mine Workers (INTUC), P.O. Malankhand District Balaghat (M.P.)

APPEARANCES :

For Workman.—Shri S. K. Rao, Advocate

For Management.—Shri R.K. Gupta Advocate.

INDUSTRY. : Copper Project DISTRICT : Balaghat (MP)

Dated November, 29th 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-43(12/13) 87-D.III(B) Dated 7-9-1987, for adjudication of the following dispute:—

“Whether the action of the management M.C.P., Malankhand in terminating the services of Shri V. P. Singh, Sr. Technician, Code No. 1516 with effect from 6-10-86 is justified? If not, what relief the workman is entitled to?”

2. Vide proceedings dated 19-2-1991 this Tribunal came to a conclusion that no substantial point has been raised by the workman as to that the enquiry is vitiated and therefore this Tribunal held that the domestic enquiry is valid. Accordingly, I hold that the domestic enquiry is proper and legal and that it is not necessary for the management to lead evidence before this Tribunal, Issues No. 1 & 3 accordingly stand decided.

3. Issues are, however, as follows:—

ISSUES

1. Whether the domestic/departamental enquiry is proper and legal?
2. Whether the punishment awarded is proper and legal?
3. Whether the management is entitled to lead evidence before this Tribunal?
4. Whether the termination/action taken against the workman is justified on the facts of the case?
5. Relief and costs ?

4. Now the remaining Issues no. 2, 4 & 5 relating to which I have to deal only with the relevant part of the pleadings. The workman, Shri K.P. Singh Senior Technician Code No. 1516 was working with the management of M.C.P. Malanjhand, District Balaghat. He is said to have been serving for last 13+ years with satisfactory record. The following charge-sheet was issued to him (vide Ex. M/1, dated 7th February, 1986) :—

CHARGE-SHEET

"It has been reported that during the month of March, 1984, You have drawn an advance to the tune of Rs. 3600/- (Rs. Three thousand six hundred only) from the Finance Department against LTC (Home Town) for the block years 1984-85 for self and family including your parents. Subsequently on 30-4-84, you submitted a claim bill towards LTC (Home Town) availed for the block year 1984-85 by self and family alongwith parents. In the travelling allowance bill which was forwarded by the Personnel Department to Finance Deptt. on 2-5-1985, you have claimed to have spent an amount to the tune of Rs. 4500/- (Rs. Four thousand five hundred only) in the course of alleged travel by car No. BRK'40 both ways in the above LTC journey upto your home town and back.

After investigation it has been revealed that you have availed home town LTC for the block years 1984-85 along with family and parents in the train by second class and by road through bus in case the route was not connected by rail. It is, therefore, evident that you have submitted a false bill to the tune of Rs. 4500/- against LTC for the block years 1984-85 indicating therein to have travelled both the ways by taxi with the intention of cheating the company and making personal financial gain to yourself and corresponding financial loss to the company.

You are, therefore, charged as under:—

- (1) Fraud, breach of trust and dishonesty in connection with the company's business.
- (2) Forgery, falsification and manipulation of any documents or records of the company.
- (3) Any act (cheating) which is prima facie detrimental to the interest and reputation of the company.

The aforesaid acts on your part amounts to gross misconduct under clause 30(ii), 30(xxxix) and 30(Li) of the Certified Standing Orders of this Project and render you liable for strict disciplinary action. You are, therefore, required to explain in writing within 72 hours of the receipt of this Charge-sheet stating as to why disciplinary action should not be taken against you for the aforesaid acts of misconduct on your part. In case you fail to submit your explanation within the above STIPULATED TIME, IT WILL BE presumed that you have nothing to say in your defence and further action shall be taken against you as per rules."

His services are said to have been terminated with effect from 6-10-1986. The delinquent workman appears to have admitted his mistake and deposited the difference.

5. Workman says that he had drawn an advance of Rs. 3600/- towards LTC for Block Years 1984-85 towards

himself and his own parents for their Home Town in B.har. After completing journey he had submitted the LTC Bill for Rs. 4500/- within the time limit and out of which an amount of Rs. 2877.68 P. was passed by the Finance Department of the Company as per rules and the balance of Rs. 722.32 P. was deducted from his salary and hence there was no necessity of any departmental enquiry against him.

6. After return from his Home Town and prior to the issuance of the Charge-sheet on 31-10-1985 the workman had returned the complete amount to the department further requested that he had drawn the LTC amount for journey by car but he had availed the journey by train and by bus, therefore he returned the amount. Despite the above fact, the management intentionally harassed him. He was assured that a lenient view shall be taken in the matter but surprisingly penalty of termination of service was imposed. It is too severe a punishment and discriminatory for lenient view has been taken in regard to other workmen for similar type of charges.

7. The management has completely denied the above averment. Management has also denied that there was any discrimination. There is no such cases of LTC as alleged. The other cases related to other department and the facts are entirely different. The punishment is proper and the reference is liable to be rejected.

8. It is to be noted that the management has not specifically denied that the workman had deposited the entire amount. In para 2 of the rejoinder the management have only said that this fact is entirely irrelevant and it does not absolve from the liability of committing the fraud.

REASONS FOR MY FINDINGS

9. Issues No. 2, 4 & 5:—From the fact that the workman admitted the charge and that he has deposited the entire amount the management should not have taken a very serious view in the matter because it has become almost a day to day affairs to make false claims of LTC etc. Here the workman deposited the entire amount and confessed his mistake.

10. That apart, certain documents have been filed by the workman which are obviously subsequent to the termination of the workman concerned and relate to past period. I may refer to few documents. There is one case of Shri B. D. Sahare who was charge sheeted for fraud, breach of trust etc. for putting a loss to the Copper Club to the tune of Rs. 25,399.92 which was found unaccounted. Charge-sheet to him is said to have been issued on 11-10-1986, but there is nothing to show as to what was the result of it. There is another case of Shri R.K. Tiwari who is said to have permitted to give false weight and thereby created fraud etc. He was held guilty and his basic pay was reduced from Rs. 1459/- to Rs. 1409/- in his pay scale. Shri R. K. Tiwari was charge-sheeted on 9-8-1988 and punishment was awarded to him vide order dated 25-10-90. Now comes the case of one Shri M.R. Chokhandre who was charge-sheeted on 10th April 1989. He had also submitted a false bill and he was charge-sheeted for fraud, breach of trust, dishonesty etc. He was also imposed penalty of stoppage of two increments without cumulative effect from 1-10-90 and 1-10-1991. There are various other documents filed by the workman which I need not examine. These documents can certainly be considered in view of the fact that the discrimination came to the knowledge of the workman only after the reference was made after his termination from service.

11. It is true that in such cases drastic action must be taken, else lenient view would lead to more corruption in making false claim etc. It is high time that the workmen should feel their responsibility that this is a serious matter. It is certainly on taking lenient view in the matter such types of misconducts are at increase.

12. Thus taking of the facts and circumstances in consideration, I am of the view that the punishment is disproportionate as also discriminatory. It would be a sufficient

punishment that he is not paid any back wages. Issues are accordingly answered as follows:—

1. Punishment awarded is though legal but not proper.
2. Termination/action taken against the workman is not justified on facts of the case. Workman is entitled to be reinstated but without any back wages and the period of his absence shall be treated as 'dies non'. He shall be entitled to wages as soon as he joins. No order as to costs. Reference is answered as above and award is made accordingly.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-43012/13/87-D.III(B)]

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 1991

का.सं. 220 :— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूचन में, केंद्र सरकार, एयर-इंडिया बम्बई के प्रबन्धन के संबद्ध निवासियों और उनके कर्मचारियों के बीच अनुबंध में निरदिष्ट औद्योगिक विवाद में केंद्र सरकार आध्यात्मिक अधिकार सं. 2, बम्बई के पंचाट का प्रकाशित करता है, जो केंद्र सरकार का 23-12-91 का प्रवृत्त हुआ है।

New Delhi, the 30th December, 1991

S. O. 220.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Bombay as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Air India, Bombay and their workmen, which was received by the Central Government on the 23-12-1991.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 2, AT BOMBAY

PRESENT :

Shri P. D. Apsankar, Presiding Officer.

Reference No. CGIT-2/27 of 1988

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Air India, Bombay.

AND

Their Workmen.

APPEARANCES :

For the Employer—(1) Shri M. M. Varma, (2) Ms. Anjali Seth, Advocates.

For the Workmen : Shri M. B. Anchan, Advocate.

INDUSTRY : Air ways.

STATE : Maharashtra.

Bombay, the 30th November, 1991

AWARD

The Central Government by their Order No. L-11012/34/87-D.II(B)/D.III(B), dated 31-8-1988 have referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

"Whether the action of the management of Air India in terminating the services of Smt. Vanjari from Handicrafts Centre (NTB) with effect from 1-7-1986, is legal and justified? If not, what relief is she entitled to?"

2. The case of the workman Smt. Chhabu Keshav Vanjari, as disclosed from the statement of claim (Ex. 2) filed by her before this Tribunal, in short, is thus :—

Her husband Shri K. K. Vanjari was in the service of the Air India as a Chowkidar from 2-1-1956 to

31-7-1980. He expired immediately on the next day i.e. on 1-8-1980. In October 1983 she made an application for her appointment and the management appointed her as a hand maid from 15-7-1983. She was declared fit for service by the medical board. However, the management by their letter dated 30-7-1988 and of a sudden terminated her services without any valid reasons. Thereafter, she made representations for her reinstatement in service and she approached the Assistant Labour Commissioner for his intervention in the matter. However, as the conciliation proceedings ended in failure, the Central Government made the present reference, as above. While terminating her services, a breach of the provisions contained under section 25F of the Industrial Disputes Act, 1947, was committed by the management, and as such, the termination of services of the said lady is void in law. Therefore, the said lady prayed that this Tribunal should direct the management to reinstate her in service with full back wages and continuity of service.

3. The Deputy Industrial Relations Manager of Air India by his written statement (Ex. 3) opposed the said claim of the said lady, and in substance contended thus :—

No relationship of Employee and Employer existed between the said lady and the Air India Corporation as she was working as a Chowkidar. She had at no time worked as an employee of the Air India. As such, there was no question of the termination of her services by the Air India Corporation. The Air India Handicrafts Centre is a society registered under the Societies' Act, and is a distinct entity from the Air India Corporation. The present case does not fall within the purview of the Industrial Disputes Act, 1947. Therefore, the Management of the Air India Corporation prayed for the rejection of the prayer of the said lady.

4. The necessary Issues were framed at Ex. 4 on the basis of the pleadings of the parties.

5. The said lady filed her affidavit in support of her case at Ex. 5. While the reference was at the stage of her cross examination by the Management, she filed an application (Ex. 6) that as she is sick, she does not wish to proceed further in the present matter, and as such, the present reference may be disposed off. I asked that lady whether she made the statement, as above, of her own, or whether she had filed that application under any pressure from somebody. She replied that she, of her own account, had made that statement. The said lady's Advocate Shri M. B. Anchan also put his signature below that application, and stated that the lady of her own will had filed that application. Therefore, as the present reference has not been prosecuted further by the said lady, it stands disposed off.

6. The parties to bear their own costs of this reference.

P. D. APSHANKAR, Presiding Officer

[No. L-11012/34/87-D.II(B)/D.III(B)]

B. M. DAVID, Desk Officer

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर, 1991

का.सं. 221 :—न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 (1948 का 11) की धारा 26 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केंद्रीय सरकार बम्बई पत्तन न्यास के अधीन मोटर पाइलट शान "ब्रेणु" में काम करने वाले कर्मचारियों की सेवा की शर्तों के संबंध में लागू विशेष विनियमों को ध्यान में रखते हुए इसके द्वारा यह निर्देश देती है कि उक्त अधिनियम की धारा 13 के प्रावधान उन कर्मचारियों पर इन अधिनियम के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से पांच वर्ष की अवधि तक निम्नलिखित शर्तों पर लागू नहीं होंगे अर्थात् :—

(i) बम्बई पत्तन न्यास, विनियमों को एक पुस्तिका के रूप में अंग्रेजी भाषा में और ऐसी भाषा या भाषाओं में प्रकाशित करायेगा जिसे अधिकतर कर्मचारी समझते हों,

(ii) पूर्वोक्त विनियमों में कोई संशोधन करने के पूर्व बंबई पत्तन न्यास संबंधित कर्मचारियों को प्रस्तावित संशोधनों की सूचना देने के लिये नोटिस देगा, जिसे पूर्वोक्त पत्तन के कार्यालय के सूचना-बटल पर लगाया जायेगा और ऐसे सभी आक्षेपों और सुझावों पर विचार करेगा जो नोटिस देने की तारीख से दस दिन के भीतर प्राप्त हों, और

(iii) खण्ड (i) में निर्दिष्ट पुस्तिका की एक प्रति और उसमें किये जाने वाले प्रत्येक संशोधनों की एक प्रति प्रत्येक संबंधित कर्मचारी को उपलब्ध करायी जायेगी।

[संख्या एस-32014/2/90-डब्ल्यू.सी. (एम. डब्ल्यू.)]

ओ.एस. लोबाना, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 24th December, 1991

S.O. 221.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 26 of the Minimum Wages Act, 1948 the Central Government having regard to the special regulations in force in respect of the service conditions of the employees working in the Motor Pilot Vessel "Venu" under the Bombay Port Trust, hereby directs that the provisions of Section 13 of the said Act shall not apply to these employees for a period of five years commencing from the date of publication of this notification in the official Gazette, subject to the following conditions, namely:—

- (i) the Bombay Port Trust shall publish the regulations in a pamphlet form in English language and in the language or languages understood by the majority of the employees;
- (ii) before making any amendment to the aforesaid regulations, the Bombay Port Trust shall inform the employees concerned by notice, to be put up on the notice board, at the office of the aforesaid Port Trust, of the proposed amendments and shall consider any objections or suggestions that may be made thereto within twenty one days of such notice; and
- (iii) a copy of the pamphlet referred to in clause (i) and a copy of every amendment thereto shall be supplied to each employee concerned.

[No. S-32014/2/90-WC(MW)]

G. S. LOBANA, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 24 दिसम्बर, 1991

का.प्रा. 222.—केंद्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित था औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ब) के उपखंड (6) के अंतर्गत के अनुसूची में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिपत्ति संख्या का.प्रा. 1914 दिनांक 20 जून, 1991 द्वारा तांबा खनन उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 10 जुलाई, 1991 से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था,

और केंद्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छः मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है,

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (ब) के उपखंड (6) के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 10 जनवरी, 1992 से छः मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[का.सं. एस-11017/7/85-आई.आर. (नीति)]

New Delhi, the 24th December, 1991

S.O. 222.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1914 dated the 20th June,

1991 the Copper Mining Industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 10th July, 1991;

And whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from 10th January, 1992.

[No. S-11017/7/85-I.R. Policy]

का.प्रा. 223.—केंद्रीय सरकार इससे संतुष्ट है कि लोकहित में यह अपेक्षित है कि फासफाइट खनन उद्योग, जोकि औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची में अधिविधि 23 द्वारा शामिल है, को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया जाना चाहिए।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ब) के उपखंड (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए तत्काल प्रभाव से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[का. सं. एस-11017/4/85-डी-1 (ए)]

S.O. 223.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the Phosphate Mining industry, which is covered by entry 23 in the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act for a period of six months.

[No. S-11017/4/85-D.I(A)]

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर, 1991

का.प्रा. 224.—केंद्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि लोकहित में ऐसा अपेक्षित है कि सिकंदरगढ़ पेपर मिल, होशंगाबाद का, जिसे औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची में अधिविधि 21 के अंतर्गत निर्दिष्ट किया गया है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया जाना चाहिए,

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ब) के उपखंड (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए तत्काल प्रभाव से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[संख्या एस-11017/10/85-डी-1 (ए)]

New Delhi, the 26th December, 1991

S.O. 224.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the Security Paper Mill, Hoshangabad, which is covered by item 21 of the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months.

[No. S-11017/10/81-D.I(A)]

S. S. PRASHER, Under Secy.

नई दिल्ली, 1 जनवरी, 1992

का.प्र. 225.—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक था, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 2 के खण्ड (ब) के उपखण्ड (6) के अन्वय में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय का अधिसूचना संख्या का.प्र. 2093 दिनांक 10 जुलाई, 1991 द्वारा भारत सरकार द्वारा, कलकत्ता को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 10 जुलाई, 1991 से छह मास का कालावधि के लिए लोक उपयोग सेवा घोषित किया था।

और केन्द्रीय सरकार का राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि का छह मास का और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना आवश्यक है।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 2 के खण्ड (ब) के उपखण्ड (6) के परन्तुक द्वारा प्रवर्तमानों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 10 जनवरी, 1992 से छ मास का और कालावधि के लिए लोक उपयोग सेवा घोषित करता है।

[का.सं. एस-11017/6/85-डी-1(ए)]

New Delhi, the 1st January, 1992

S.O. 225.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2093 dated the 10th July, 1991 the India Government Mint, Calcutta to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 10th July, 1991;

And whereas, the Central Government is of opinion that the public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purpose of the said Act, for a further period of six months from the 10th January 1992.

[No. S-11017/6/85-D.I(A)]

नई दिल्ली, 3 जनवरी, 92

का.प्र. 226.—केन्द्रीय सरकार इससे चतुष्ट है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि रैगरेगस्टडर उद्योग को औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का प्रथम अनुसूची में प्रविष्ट 24 द्वारा शामिल है, को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोग सेवा घोषित किया जाना चाहिए।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खण्ड (ब) के उपखण्ड (6) द्वारा प्रवर्तमानों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए कालावधि प्रदान से छ मास का और कालावधि के लिए लोक उपयोग सेवा घोषित करता है।

[का.सं. एस-11017/8/85-डी-1(ए)]

एस.एस. पराशर, अधीक्षक सचिव

New Delhi, the 3rd January, 1992

S.O. 226.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the Magnesite Mining Industry, which is covered by entry 24 in the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares with immediate effect the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months.

[F. No. S-11017/8/85-D. 1. (A)]

S. S. PRASHER, Under Secy.

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर, 1991

का. प्र. 227.—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूच में केन्द्रीय सरकार बैंक आफ महाराष्ट्र के प्रबन्धतंत्र के संघर्ष नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच असुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, बंगलूर को पचास को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 20-12-91 को प्राप्त हुआ।

New Delhi, the 26th December, 1991

S.O. 227.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Bank of Maharashtra and their workmen, which was received by the Central Government on the 20-12-91.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, BANGALORE

Dated this the 11th day of December, 1991

PRESENT:

Shri M. B. Vishwanath, B.Sc. LL.B., Presiding Officer.
Central Reference No. 56 of 1990

I PARTY:

The Secretary, Bank of Maharashtra Karmachari Sangh, Annadha Building, Subedar Chatram Road, Bangalore-9.

(By Sri A. S. Alse)

II PARTY:

The Assistant General Manager, Bank of Maharashtra, Southern Zonal Office, No. 15, Police Station Road, Basavanagudi, Bangalore-560004.

(By Sri Jayashankar).

AWARD

In this reference No. L-12012/181/90-IR.B.(II) dated 9-10-90, made by the Hon'ble Central Government in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the point for adjudication as per Schedule to reference is :-

"Whether the action of the management is justified in postponing the increment of Smt. B. K. Shobha, Clerk, City Market Branch of the Bank by the number of days spent on EOL. If not to what relief is she entitled?"

2. In the claim petition it is contended that the II Party was not justified in postponing the increment of the I Party

permanently by 18 days. The I Party has prayed for setting aside this order on the ground that it is illegal. In the counter statement the II Party has stated that it was justified in postponing the increment for the I Party by 18 days.

3. I will refer to the relevant facts as and when they are necessary in the course of my discussion.

4. It is admitted that the I Party was on maternity leave for 90 days from 4-1-88 to 3-4-88, half pay sick leave from 3-4-88 to 4-5-88, privileged leave from 5-5-88 to 3-6-88.

5. The I Party applied for extraordinary leave from 4-6-88 to 21-6-88 (18 days) on the ground of anemia. The II Party granted this extraordinary leave.

6. But the II Party by order dated 7-11-88, passed by the Chief Manager postponed the increment permanently by 18 days. The I Party has contended that this order is illegal. The II Party has contended that the order is legal and proper.

7. I have adverted to above, the maternity leave, half pay sick leave, and privileged leave taken by the I Party, and granted by the II Party. The extraordinary leave for 18 days applied for by the I Party has been sanctioned by the II Party.

8. The Officer who argued on behalf of the II Party relied on 13.36 of the Bipartite Settlement which says that no pay and allowances are admissible during the period of extraordinary leave and the period spent on such leave shall not count for increment. The proviso says that in cases where the sanctioning authority is satisfied that the leave was taken on account of illness or for any other cause beyond the employee's control, it may direct that the period of extra-ordinary leave may count for increment.

9. In the instant case what has happened? The I Party was granted maternity leave for 90 days, half pay sick leave for 30 days, then privileged leave for 30 days. The reason given by the I Party for the extraordinary leave is that she has exhausted all kinds of leave and she was applying for extraordinary leave as per doctor's advice. To repeat, this extraordinary leave was also sanctioned to I Party.

10. The I Party applied for extra-ordinary leave from 4-6-1988 to 21-6-1988 as per doctor's advice. She enclosed the doctor's certificate also. The Doctor has stated in the certificate that leave was required for the I Party since she was suffering from anemia. The Doctor has stated that this leave for the I Party on account of anemia was absolutely necessary (). It is clear from the doctor's certificate that the I Party had to apply for extra-ordinary leave because of circumstances beyond her control. The stand of the II Party in the counter statement is that anemia is not sickness. It is difficult to accept this argument, bearing in mind the general notions prevailing and the doctor's certificate that anemia is not sickness. In any case the I Party applied for extra-ordinary leave for reasons beyond her control. Thus the I Party has fulfilled the conditions of the proviso to 13.36 of the Bipartite settlement. The II Party was therefore not justified in permanently postponing the increment by 18 days, having sanctioned the extra-ordinary leave.

11. There is yet another reason to hold that the order postponing the increment cannot be sustained. As per the Bipartite settlement 29(iv) all sick leave shall be granted on production of a medical certificate acceptable to the Bank. When the II Party granted the extra-ordinary leave which was accompanied by the medical certificate produced by the I Party in which it was stated that the I Party was suffering from anemia, the II Party could not have postponed the increment due date. The II Party, having acted upon the Doctor's certificate, is estopped from contending that anemia is not sickness.

12. Clause 34 of the Bipartite Settlement says that Extra-ordinary leave may be granted to an employee when no ordinary leave is due to her. The I Party applied for 18

days extra-ordinary leave because no other ordinary leave was there to her credit. The I Party produced the medical certificate in which it was stated that the I Party was suffering from anemia. The II Party having sanctioned this leave applied for by the I Party because of her illness, the II Party was not justified in postponing the increment. It should be borne in mind that the sick leave and the privileged leave were granted to the I Party on the same ground.

13. One other legal aspect deserves to be noted. The extra-ordinary leave for 18 days applied for by the I Party has been sanctioned by the Assistant General Manager on 7-10-88. The impugned order postponing the increment date of I Party has been passed on 7-11-88 by the Chief Manager. The Chief Manager is lower in rank to the Assistant General Manager according to I Party. When this submission was made by the Union leader who argued on behalf of the I Party, it was not contradicted by the Officer who argued on behalf of the II Party. There is nothing to show that the Chief Manager was also incharge as Assistant General Manager had delegated his power to the Chief Manager. The order postponing the increment by 18 days amounts to a sort of punishment. In my opinion, it is illegal for one officer to sanction the extra-ordinary leave and another officer to pass an order postponing the increment. On this score also the order postponing the increment has to be set aside.

13. (a) All other documents and evidence not referred to by me are not relevant. In any case they do not alter my conclusions reached above.

14. For the aforesaid reasons, I pass the following :—

AWARD

The action of the II Party—Management in postponing the increment of the I Party by the number of days spent EOL is set aside. The II Party is directed to restore the annual increment date of I Party to the original date. The I Party is entitled to the monetary benefit flowing from the restoration of her increment date to the original date. Award passed as stated herein. Reference accepted.

Dictated to the Secretary, taken down by him, got typed and corrected by me.

M. B. VISHWANATH, Presiding Officer

[No. L-12012/181/90-IR(B.II)]

V. K. VENUGOPALAN, Desk Officer

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर, 1991

का. प्रा. 228 —केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना अपेक्षित था, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 की 14) की धारा 2 के खंड (क) के उपखंड (VI) के उपबंधों के अनुसरण में भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. प्रा. 1960 दिनांक 27 जून, 1991 द्वारा किसी भी खनिज तेल (कच्चा तेल) मोटर और विमानन स्पिरिट, डीजल तेल, मिट्टी का तेल, ईंधन तेल, विविध हाइड्रोकार्बन तेल और उनके मिश्रण, जिनमें सिन्थेटिक ईंधन स्लेहक तेल और इसी प्रकार के तेल शामिल हैं, के निर्माण या उत्पादन में लगे उद्योग में सेवाओं का उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 29 जून 1991 से छह मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था।

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में उक्त कालावधि को छह मास की और कालावधि के लिए बढ़ाया जाना अपेक्षित है।

अतः श्रम, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 2 के खंड (क) के उपखंड (VI) के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए 29 दिसम्बर, 1991 से छह मास की और कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

सं. एस. -11017/2/84 डी-I (ए)]

टीनू जोशी, सप सचिव

New Delhi, the 27th December, 1991

S.O. 228.—Whereas the Central Government having been satisfied that the public interest so required had, in pursuance of the provision of sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), declared by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. No. 1960 dated the 27th June, 1991, the industry engaged in the manufacture or production of mineral oil (crude oil, motor and aviation spirit, diesel oil, kerosene oil, fuel oil, diverse hydrocarbon oils and their blends including synthetic fuels, lubricating oils and the like, to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a period of six months, from the 29th June, 1991;

And, whereas, the Central Government is of opinion that public interest requires the extension of the said period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act, for a further period of six months from the 29th December, 1991.

[No. S-11017/2/84-D.I(A)]

TINOO JOSHI, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 2 जनवरी, 1992

का. भा. 228—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अधिनियम में, केन्द्रीय सरकार गन कैरिज फैक्ट्री जबलपुर के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, प्रबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-12-91 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 2nd January, 1992

S.O. 229.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Gun Carriage Factory, Jabalpur and their workmen, which was received by the Central Government on 24-12-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(254)/1989

PARTIES :

Employers in relation to the management of Gun Carriage Factory, Jabalpur (M.P.) and their workman, Shri Kalooram Vish-

Karma, Labourer, C/o Shri S. K. Dube, General Secretary, G. C. F. Labour Union, 365/4, Type-2, G. C. F. Estate, Jabalpur -482011 (M.P.)

APPEARANCES :

For Workman.—Shri S. K. Dube.

For Management.—Shri C. K. Sharma, Advocate.

INDUSTRY.—Gun Factory

District—Jabalpur (MP).

AWARD

Dated: December, 12th 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-14012/7/89-2(B) Dated 5th December, 1989, for adjudication of the following dispute:—

"Whether the action of the management of Gun Carriage Factory, Jabalpur (M.P.) in retiring Shri Kalooram Vishwakarma, Labourer, w.c.f. 31-10-88 by recording his date of birth in his services record as 30-10-28 on the basis of examination by the Medical Officer is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?"

2. Facts leading to this case are that Shri Kalooram Vishwakarma was working as a Carpenter 'C' Grade with effect from 31-10-1962. His date of birth has been recorded as 30-10-1928 in the record of the management on which basis he has been retired with effect from 31-10-1988.

3. The workman says that at the time of his appointment he had given his correct date and accordingly his signatures were obtained. On 12-6-67 when he had gone to verify his date of birth, he found that there two things written in his record (1) the age as given by him and (2) the date of birth as given by the Doctor. The workman applied to the General Manager on 2-7-1987 for correction of his age on the basis of the certificate and affidavit but to no effect. His correct date of birth is 12-11-1935. His date of birth be accordingly corrected and he be given the consequential benefits arising therefrom.

4. Management says that at the time of his appointment the workman did not submit any documentary evidence in support of his date of birth. Hence as per rules he was medically examined and his age was assessed to be 34 years and on this basis his date of birth was recorded as 30-10-1928. This was not challenged by the workman. While the workman had full knowledge of the same. Obviously, the workman had accepted this position and after the retirement notice he had sent the pension papers also. After that notice he raised the dispute which is neither justified nor acceptable.

5. There is no clerical error involved in this case. The workman is not entitled to any relief.

6. Reference was the issue in this case.

REASONS FOR MY FINDINGS :

7. The workman has examined himself by way of an affidavit in support of his case and proved two documents Ex. W/1 and Ex. W/2. He has also filed the copy of Birth Register.

8. At the outset I must point out that the workman in his statement of claim has not given his correct date of birth.

9. Ex. W/2 is an affidavit which is said to have been filed by the workman before the management along with a copy of the Birth Register. The photo of the Birth Register is on record according to which son of one Shobharam, whose father's name was not known, was born on 12-11-35. The informer appears to be Taj Mahal. The particulars of his father has not been given. According to Shri Kalooram this entry relates to his birth.

10. Now let us come to the evidence on record. As per W. W. 1. Kalooram, who has examined himself on affidavit states in para 4 that his youngest brother, Bharat Lal, is four years younger to him. He has also filed the photo copy of the certificate of Higher Secondary School Examination, according to which Bharat Lal was born on 14-4-43. If this was so the workman should have been born in the year 1939. But according to him, he was born in the year 1935. This is a material contradiction. The birth certificate does not give the particulars including the father's name of Shobharam, where he was residing at the time of the delivery of the child relating to which entry in the birth register, the copy of which has been produced.

11. That apart the workman was sleeping until the date of notice and signing of the pension papers with regard to his age and he raised his issue only at the time of his retirement. The conduct of the workman itself is sufficient enough to prove the contradictions in the evidence as pointed out above.

12. The version of the workman cannot be accepted. It cannot be said that he was born on 12-11-1935. His date of birth does not call for any correction. I accordingly record my award in answer to the reference order as follows :—

That the action of the management of Gun Carriage Factory, Jabalpur (M.P.) in retiring Shri Kalooram Vishwakarma Labourer, w.e.f. 31-10-88 by recording his date of birth in his service record as 30-10-28 on the basis of examination by the Medical Officer is justified. He is not entitled to any relief. No order as to costs.

z V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-14012/7/89-D. II(B)(Pt.)]

का. मा. १३० औद्योगिक विवाद अधिनियम, १९४७ (१९४७ का १४) की धारा १७ के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार ब्लैकलि फेक्ट्री, जबलपुर के प्रबन्धन के संबंध निचोषकों और उनके कर्मचारों के बीच अन्वय में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को २४-१२-९१ को प्राप्त हुआ था।

S.O. 230.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Vehicle Factory Jabalpur and their workmen, which was received by the Central Government on 24-12-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R) (201)/1989

PARTIES :

Employers in relation to the management of Vehicle Factory, Jabalpur, and their workman Shri Mahesh Kumar, Yadav Shri Bihari Lal Yadav, House No. 141, Choti Omti, Uriya Mohalla, Jabalpur -482002 (M.P.)

APPEARANCES :

For Workman.—Shri R. K. Gupta, Advocate
For Management.—Shri S. S. Jha, Advocate.
INDUSTRY:—Vehicle Factory

DISTRICT—Jabalpur (MP)

AWARD

Dated : December 11th, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-14012/7/89-2(B) dated 5th December, 1989, for adjudication of the following dispute:—

“Whether the action of the management of Vehicle Factory in terminating the services of Shri Mahesh Kumar Yadav Shri Bihari Lal Yadav, Ex-Labour, B-Grade w.e.f. 15-4-86 is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?”

2. Facts leading to this case are that Shri Mahesh Kumar Yadav was employed and was working under the control and supervision of the General Manager, Vehicle Factory, Jabalpur as labourer B grade bearing Ticket No. VA 513/04248. The workman was charge-sheeted as follows and after enquiry his services were terminated with effect from 15-4-1986:—

ARTICLES OF CHARGE ANNEXURE I

Statement of articles of charge framed against Shri Mahesh Kumar Yadav Labourer ‘B’ Grade, T. No. VA/513/04248.

That the said Shri Mahesh Kumar Yadav while functioning as Labourer ‘B’ Grade is alleged to have committed:—

“Gross Misconduct- Attempted theft of Government material - Conduct unbecoming of a government servant.”

ANNEXURE-II

Statement of imputations of misconduct or misbehaviour in support of the articles of charge framed against Shri Mahesh Kumar Yadav.

It is alleged that on 30-12-88 at about 0530 hrs while the said Sri Mahesh Kumar Yadav, Labourer 'B' Grade, T. No. VA/513/04248 was going out from the factory through Gate No. 3 after completion of his Night Duty, he was subjected to rigorous search in the Gate Office. During the course of touch search of the said Shri Mahesh Kumar Yadav, carried out by the DSC sentry in the presence of Security Asstt. on duty, some material was suspected concerned in the back pocket of his full pant. Shri S. K. Sahu, Works Manager, Orderly Officer was immediately called and a rigorous search of the said Shri Mahesh Kumar Yadav was carried out by DSC Sentry in the presence of Orderly Officer and Security Asstt. On search, 52 Nos of Brass Connectors of 3 different sizes were recovered from his possession. Out of the 52 Nos of Brass Connectors, few were kept concealed in both the legs shoes, few in the back pocket of his full pant and remaining were found hanged on neck in a garland shape which he was taking out of the factory unauthorisedly. The material was confiscated and his statement was recorded in the presence of Shri S. K. Sahu, Works Manager, Orderly Officer. Shri Mahesh Kumar Yadav in his statement has admitted that he was taking out 52 Nos of Brass Connectors for selling. The above acts on the part of the said Shri Mahesh Kumar Yadav are highly irregular and subversive of discipline which amounts to "Gross Misconduct—Attempted theft of government material—Conduct unbecoming of a government servant."

3. The workman says that the alleged charges are false. The enquiry was deliberately delayed, findings are perverse and the order of termination of service is liable to be set aside with his reinstatement and all back wages as also costs of these proceedings.

4. Since as per proceedings dated 18-3-1991 the validity of the enquiry was not challenged except the conduct of the Enquiry Officer and consequential perversity of findings, I have dealt with this part of the pleadings of the workman.

5. Management as usual questioned the jurisdiction of this Tribunal. According to it defence production is sovereign functions and this Tribunal cannot entertain the reference. The charge-sheet was rightly given. Offences are proper. The action taken is just and no interference is called for. Reference is therefore liable to be rejected.

6. Following issues were framed in this case and so far Issues No. 1 & 3 are concerned I record my findings that the departmental enquiry is proper and legal and that the question of management to lead evidence before this Tribunal does not arise.

ISSUES

1. Whether the domestic/departmental enquiry is proper and legal?

2. Whether the punishment awarded is proper and legal?
3. Whether the management is entitled to lead evidence before this Tribunal?
4. Whether the termination/action taken against the workman is justified on the facts of the case?
5. Relief and costs?

Findings with Reasons on issues No. 2, 4 & 5 :

7. So far the question of jurisdiction of this Tribunal is concerned I have repeatedly held that the Defence Factory is an industry in various cases and the workman is a workman within the meaning of Industrial Disputes Act, 1947. Thus this Tribunal has jurisdiction to entertain the reference.

8. The charges are so obvious that I have not dealt with the pleading part of the charges. The enquiry papers have been admitted by the workman. They are 36 sheets in all.

9. I have gone through all the evidence led before the Enquiry Officer viz. C.L. Bajpai, Security Asstt. PW1, Shankar Lal SUP(A) Security PW2 and Balram Singh Sentry PW3. All these witnesses are material witnesses. They have been cross-examined at length and nothing could be gathered from their testimony as to doubt the truthfulness of their statements.

10. C. L. Bajpai has stated that on the alleged date of incident i.e., 30-12-83 he was on duty from 5 a.m. to 4 p.m. He was deployed on Gate No. 3. Shankar Lal Supervisor was with him along with other Security Durbans.

11. This witness states that during the surprise check at the mustering out DSC Security noticed something hidden with an individual. The Sentry reported the matter to him. He stopped him from going out of the factory and reported the matter to his Supervisor, Shri Shankar Lal and handed over the person to Supervisor. It was the delinquent, Shri Mahesh Yadav.

12. On search some Brass articles were recovered from his possession particularly from inside the shoe, inside shoes, fourse, from his neck in the form of garland. He has also stated that the garland was not visual. This testimony has been corroborated by Shankar Lal, PW2 and Balram Singh Sentry PW3. There is absolutely nothing to doubt their testimony.

13. The delinquent workman has admitted that there is no enmity with these witnesses. His defence is that at the time of mustering out when he was going with some of his section people and his Incharge Shri Dna, CM of BO Section, after the touch search directed him to go to the Search Room for surprise checking in routine. He entered the Search Room where Shri Shankar Lal Supervisor asked him to identify some of the components which were already kept there. He could not identify them. Then Shri Shankar Lal gave him a pen and paper and asked him to record the statement as dictated by him. Accordingly he wrote admission. He has not committed any offence nor did he steal those articles.

14. From the pleadings on record the defence appears to be baseless. Offence is serious. Evidence has been well dealt with by the Enquiry Officer and looking to the gravity of the offence adequate punishment has been awarded to the workman which does not call for any interference. There does not appear to be any malice on the part of the Enquiry Officer nor there appears to be any perversity in the findings. They are well considered and discussed.

15. My findings are recorded as follows :—

- (a) Punishment awarded is proper and legal.
- (b) Termination/action taken against the workman is justified on the facts of the case.
- (c) Workman is not entitled to any relief.

16. Reference is accordingly answered as follows :

The action of the management of Vehicle Factory in terminating the services of Shri Mahesh Kumar Yadav S/o Biharlal Yadav, Ex-Labourer, B-Grade w.e.f. 15-4-86 is justified. He is not entitled to any relief. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-14012/2/89-D.II(B)(Pt.)]

का. मा. 231—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार गन कैरिज फैक्ट्री जबलपुर के प्रबन्धतंत्र के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक प्रतिक्रिया जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 231.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Gun Carriage Factory, Jabalpur and their workman, which was received by the Central Government on 24-12-1991.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

CASE NO. CGIT/LC(R)(226)/1989

PARTIES :

Employers in relation to the management of Gun Carriage Factory, Jabalpur and their workman, Shri Dhaniram S/o Kalloo, Labour, represented through the Gun Carriage Factory, Labour Union, Jabalpur (M.P.).

APPEARANCES :

For Workman—Shri Arvind Srivastava, Advocate.

For Management—Shri S. S. Jha, Advocate.

INDUSTRY : Gun Carriage Factory.

DISTRICT : Jabalpur (M.P.)

AWARD

Dated : December 11th 1991.

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-14012/3/89-D-2(B) dated 3rd October, 1989, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the action of the management of Gun Carriage Factory, in recording the date of birth of Shri Dhaniram S/o Kalloo, Labour, in his service record as 5-11-87 (year seems to have been wrongly written as 87. This should be 37) on the basis of the examination by the Medical Officer is justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?”

2. In the instant case, the management remained ex parte and exparte evidence was taken by way of an affidavit of the workman.

3. The case of the workman in brief is that he was appointed as Labour in the G.C.F. Jabalpur on 5th November 1962. He was about 23 years old. At that time he was not in a possession of any certificate or document showing his correct date of birth as no educational qualification was required for appointment. The Medical Officer Incharge assessed his age to be 25 years on 5-11-62 and calculated his date of birth as 5-11-1937 at the time of his recruitment. The workman was not informed of his age.

4. In January, 1978 he came to know that his age has been recorded as 5-11-1937. He made presentation on 15th March 1978 along with a School Leaving Certificate from Ordnance Factory Khamaria Primary School, Khamaria, Jabalpur, according to which the exact date of birth is 2nd March 1940 and not 5th November 1937. It was not accepted.

5. Again the objections were invited and the workman furnished his explanation on 4th April 1978 explaining that at the time of his appointment he was not in possession of School Leaving Certificate and that he was not illiterate. His prayer was, however, rejected vide management's letter dated 25-4-1989.

6. The matter came under reference before this Tribunal. The workman accordingly prayed that in his service record his date of birth be recorded as 2-3-1940 instead of 5-11-1937 on the basis of his School Leaving certificate with other reliefs.

7. The workman has filed his own affidavit in support of his case. Here also he suppressed the primary evidence of his date of birth by producing the School Leaving Certificate or copy thereof. He has filed no document to show that he has made representations or they were rejected by the management. Ex parte evidence has to be strictly scrutinised. In the circumstances, I cannot place reliance on the affidavit of the workman concerned. The workman is, therefore, not entitled to any relief. Reference is accordingly answered as follows :—

The action of the management of Gun Carriage Factory, Jabalpur (M.P.) in recording the date of birth of Shri Dhaniram S/o Kalloo, Labour, in his

service record as 5-11-37 on the basis of the examination by the Medical Officer is justified. Workman is not entitled to any relief. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-14012/3/89-D II(B) (Pt.)]

का. प्रा. 232—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार नेशनल डेरी रिसर्च इन्स्टीट्यूट बंगलूर के प्रबन्धन के सबद्ध नियोजकों और उनके कामकारों के बीच अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण बंगलूर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 30-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 232.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Bangalore as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of National Dairy Research Institute, Bangalore and their workmen, which was received by the Central Government on 30-12-91.

ANNEXURE

IN THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, BANGALORE

Dated, the 20th December, 1991

PRESENT :

Shri M. B. Vishwanath, B.Sc.LL.B.,
Presiding Officer.

Central Reference No. 34 of 1938

I PARTY :

Sri Subramani,
Helper,
C/o Karmika Horasa Samithi,
No. 9, New Gurappanapalya,
Bannerughatta Road,
Behind Drive-in-Theatre,
Bangalore-81 since deceased
by legal representatives.

II PARTY :

The Director,
National Dairy Research Institute,
Adegodi,
Bangalore-560030.
(By Sri B. N. Dayananda)
Advocate.

1. Smt. Radhamma,
W/o late Sri Subramani,
aged about 34 years.
2. Kumari Susheela,
D/o late Sri Subramani,
aged about 12 years.
3. Master Venugopal,
S/o late Sri Subramani,
aged 9 years.
4. Master Venkatesh,
S/o late Sri Subramani,
aged about 7 years.

5. Master Shivakumar,
S/o late Sri Subramani,
aged about 5 years.

6. Kumari Poongudi,
D/o late Sri Subramani,
aged about 3 years.

—I PARTY

(L. Rs. 2 to 6 are minors and sons and daughters of late Sri Subramani, and represented by their mother and natural guardian Smt. Radhamma, the L.R. No. 1 herein.

All are residents of No. 103, Swagath Slum Area, Byrasandra Tank Bund Road, Tilaknagar, Bangalore (vide order on I.A.V. dt. 19-9-90) (By Smt. Bharathi, Advocate).

AWARD

In this reference No. L-42012/130/87-D, II(B) dated 27/28-7-88 made by the Hon'ble Central Government in exercise of the powers conferred by clause (d) of Sub-Section (1) and Sub-Section (2A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the point for adjudication as per Schedule to reference is :—

“Is the management of Southern Regional Station, National Dairy Research Institute (I.C.A.R.) justified in terminating the services of Shri Subramani. If not, to what relief the workman is entitled?”

2. In the claim statement it is contended :—

The I Party workman was employed by the II Party. The I Party had served the II Party continuously for over a period of 5 years. The II Party has illegally terminated the services of the I Party. The I Party was a permanent worker. The I Party workman was working as an helper and he was doing the work of Grass Cutting, Watering Plants, cleaning drainage, Planting etc., and that he was paid monthly wages of Rs. 350. The Central Government increased the wages of the workman doing similar jobs to Rs. 450 per month and if the I Party workman had continued for another 2-3 months he too would have been paid at the rate of Rs. 450 per month. The I Party workman had worked more than 240 days. The II Party has not complied with Section 25F of I.D. Act. The services of the I Party were terminated without show cause notice or holding an enquiry. Since the termination of the services of the I Party workman is illegal he is entitled to reinstatement and full backwages.

3. In the counter statement it is contended :—

The I Party was a casual worker and was engaged on daily basis. He has not worked continuously for 240 days in any year. It is not true he was a permanent worker. The I Party was offered to work on temporary basis only when there was need. It is false

that he was getting monthly wages of Rs. 350 and that he would have got Rs. 450 if he had continued for 3 or 4 months. Since the I Party was not a regular employee, the question of issuing notice or holding domestic enquiry does not arise. The non-utilisation of the services of the I Party workman, was a casual labourer subsequent to 1983, does not amount to retrenchment. The I Party is not entitled to any relief. The I Party had made false allegation in his claim statement. It is made clear that at no point of time had the I Party worked 240 days continuously in a calendar year. The letter said to have been written by the II Party to the I Party is not based on actual facts. Some mistake has crept into the letter. The I Party is not entitled to any relief.

4. This Tribunal has stated in the order sheet dated 8-10-90 that, since the point to be decided is covered by schedule to the reference, no separate issue is required.

5. On behalf of the II Party MW-1 Nagaraj, Assistant Finance and Accounts Officer has been examined.

6. On behalf of the I Party WW-1, the I Party L.R. (wife) of the deceased workman has been examined.

7. Exhibit W-1 is the certificate of death showing that the I Party workman Subramani died on 4-1-1990. His legal representatives have been brought on record.

8. The case of the II Party is that the I Party workman was a casual labourer and he was not a regular or a permanent employee. It is stated in the counter statement that the I Party had not worked for 240 days continuously in any year. The case of the I Party is that the I Party workman had worked for more than 240 days continuously in a year.

9. On behalf of the II Party, MW-1 Nagaraj, Assistant Finance and Accounts Officer, has stated that the I Party had not put in 240 days continuously in an year. Exhibit M-1 are the series of Muster Roll produced by the II Party to show that the I Party workman, deceased Subramani had not worked for 240 days continuously in any year. MW-1 has stated in his evidence that all the muster rolls have been produced. The say of MW-1 cannot be accepted. I have carefully gone through the M-1 series. The first sheet of muster roll is for the year March 1982, then for April 1982, then for June, 1982. It is easily seen that the muster roll for the month of May 1982 has not been produced. The muster rolls sheet for the month of June 1982 and July 1982 have been produced in the M-1 series. The muster roll sheets for the months August 1982, September 1982, October 1982, December 1982, January 1983 have not been produced. The muster roll from February 1983 have been produced. To repeat, the muster roll sheets from August 1982 upto January 1983 have not been produced. The only inference possible is that the muster roll sheets for some other months have not been produced deliberately. Adverse inference has to be drawn.

10. WW-1, wife of deceased I Party workman, has produced the xerox copy exhibit W-2. Exhibit W-2 is the xerox copy of the confidential report issued by the Administrative Officer S. Kamanujam to the Assistant Labour Commissioner (Central), Bangalore, in connection with the industrial dispute raised by the I Party workman Subramani. The xerox copy bears the letter head of the II Party. It has been marked in evidence. It is argued by the learned counsel for the II Party that the contents of exhibit W-2 cannot be believed. There is no material to show that action against the person who issued the original exhibit W-2 has been taken for having given false information. There is nothing to disbelieve the contents of exhibit W-2.

11. In exhibit W-2 it is clearly stated that the I Party workman had worked for 240 days in 1983. This means that the I Party workman had worked for more than 240 days continuously in 1983. This means that the I Party workman had worked for a period of one year within the meaning of Section 25B (2) (a) (ii). The I Party workman had therefore become entitled to retrenchment compensation as contemplated under Section 25F. It has been laid down by the Supreme Court in 1981 Lab. I.C. 806 (Mohan Lal v. Management, Bharat Electronics Ltd.) where pre-requisite for valid retrenchment as laid down in Section 25-F has not been complied with retrenchment bringing about termination of service is ab initio void. There is absolutely nothing to show that the II Party has complied with the conditions of Section 25F, before terminating the services of the I Party workman. Hence, the termination of the services of the I Party is illegal and he has become entitled to reinstatement.

12. But, in the instant reference, an award cannot be passed reinstating the I Party because he is since deceased. This Tribunal can only award compensation. The law in this regard has been laid down by our Hon'ble High Court in 1986 II LLJ page 54 (Prema vs. Management, H.G.S.C.S. Ltd.). It has been laid down by the Hon'ble Mr. Justice BOPANNA "that it is for the Court to mould the relief sought for to suit the requirements of the case. The relief which is personal to the employment of the deceased workmen could not be granted but the relief which could be granted in terms of money in the event of reinstatement of the workmen or in lieu of reinstatement could always be granted."

13. In the petition before the Labour Reconciliation Officer the I Party Subramani has stated that he has worked under the II Party from 1980 to 1985. The Reconciliation Officer has noted in the first day order sheet that the workman has last worked in July 1986, drawing Rs. 350.00 P.M. Even in the claim petition it is stated that the I Party was getting Rs. 350 P.M. But MW-1 has stated in his evidence para 42 that II Party gives basic pay of Rs. 750.00 to Attendant Grade-I which is the lowest grade. I am of opinion that a sum of Rs. 20,000 as compensation to the legal representatives of the deceased I Party workman will meet the ends of Justice.

14. All other documents and evidence not referred to by me are not relevant. In any case they do not

alter my conclusions reached above.

15. In the result, I pass the following :—

AWARD

The II Party shall pay to the legal representatives of the I Party workman a sum of Rs. 20,000 (twenty thousand) as compensation in lieu of reinstatement of I Party workman and the backwages if any, the deceased I Party workman is entitled to. The amount shall carry interest at 9 per cent per annum from the date of award till its paid to the legal representatives of I Party workman. The amount shall be paid to L.R. No. 1 Smt. Radhamma wife of late Subramani, on her behalf, and on behalf of her children L. Rs. 2 to 6. Award passed as stated herein.

(Dictated to the Secretary, taken down by him, got typed and corrected by me).

M. B. VISHWANATH, Presiding Officer

[No. L-42012|130|87-D. II(B) (Pt)]

का. आ 233.—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार टेलीकाम फ़ैक्ट्री जबलपुर के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुबंध में निहित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 233.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Telecom Factory Jabalpur and their workman, which was received by the Central Government on 30-12-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR M.P.)

Case No. CGIT|LC(R)(54)|1988

PARTIES :

Employers in relation to the management of Telecom Factory, Jabalpur and their workman, Shri Mohd. Ayub, Motor Mechanic, Grade II, M.V.M. Shop, Ticket No. 1688 C/o Hansraj Gulati, R/o 402, Galgala, Jabalpur (M.P.).

APPEARANCES :

For Workman.—Shri Rajendra Menon, Advocate.

For Management.—Shri S. S. Jha, Advocate.

INDUSTRY : Telecom Factory DISTRICT : Jabalpur (M.P.)

AWARD

Dated, 12th December, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No.

L-40012|23|86-D.II (B) Dated 3rd June, 1988, for adjudication of the following dispute :—

SCHEDULE

“Whether action of the management of Telecom Factory, Jabalpur in terminating the services of Shri Mohd. Ayub Motor Mechanic, Grade II, M.V.M. Shop vide order dated 25-2-86 is justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?”

2. In the instant case, the following issues were framed :

ISSUES :

1. Whether the domestic/departmental enquiry is proper and legal ?
2. Whether the punishment awarded is proper and legal ?
3. Whether the management is entitled to lead evidence before this Tribunal ?
4. Whether the termination/action taken against the workman is justified on the facts of the case ?
5. Relief and costs ?

3. Vide Order dated 25-1-1990 this Tribunal came to the conclusion that the departmental enquiry is not proper and legal and was accordingly set aside. This Tribunal, however, held that the management be directed to lead evidence in regard to the misconduct and other issues. Issues No. 1 and 3 have been disposed of accordingly.

4. Since these issues have been disposed of I will deal with the relevant part of the pleadings which relate to Issues No. 2, 4 and 5 as also the evidence adduced before this Tribunal.

5. The charge framed against the workman on 3-2-84 is as follows :—

“That the said Shri MD. Ayub, T. No. 1668 while passing through Gate No. 1 at about 11.00 A.M. on 18-12-1983 was stopped at the said GATE ON suspicion of carrying some material. As a result of the search two pieces of Gun Metal half circular were recovered from his waist. The weight of the seized material was about 2 Kgs. The material was seized, sealed and kept in the custody of the Security Officer.

Shri Md. Ayub, T. No. 1668 by the above acts exhibited misconduct of attempt to commit theft of Govt. Property vide clause 31(d) of the certified standing orders.”

6. The workman denied the said charge.

7. The management has produced the relevant Article A of theft which is not disputed (See proceedings 28-9-89). Two witnesses viz. M.W. 1 Ravi Saner Kewat and M.W. 2 Ramesh Chandra have been examined by management. Workman on his part file three affidavits, Mohd. Ayub (W.W. 1), Garib Das (W.W.2) and Moti Chand (W.W. 3). These witnesses

have been cross-examined by the management. All the documents have been admitted by the workman and the D.E. file has been marked Article 'A'.

8. Before appreciating the evidence on record I will refer to the statement of the workman who has been examined as W.W. 1. He has stated as follows:—

“On 18-12-83 at about 10.45 A.M. I was going for some work to the Post Office and Society Office. When I was near the garrage office near the pipal tree situated there I found a piece of Gun Metal lying. I took it with the intention of giving it in the garrage where I used to work. After taking the piece in my hand I went to the Post Office situated near Gate No. 2 and thereafter I was going to the Society Office near Gate No. 1. While I was reaching the Society Office, some Security Guard apprehended me. I tried to explain them that I am going to the Society Office and thereafter I will be going to the garrage, i.e., my place of duty. However they did not listen to me instead took me to the Security Office and made seizure memo, Panchanama etc.”

W.W. 2, Garib Das and W.W. 3, Moti Chand did not help the delinquent workman in any manner whatsoever. On the other hand, their evidence reveals the conduct of the workman himself inasmuch as if he had found pieces of gun metal lying near the Pipal tree he would have immediately informed of the fact but Garib Das and Moti Chand were not informed.

9. According to these witnesses, W.W. 2 and W.W. 3, the workman only said that he was going to the Society Office for some work. Moti Chand, W.W. 3, says that the delinquent told him that he was going to Post Office and Society Office. If the delinquent was going to Post Office along with pieces of Gun Metal which he found lying his intentions are not understandable. He would first have informed that he had found the piece of gun metal instead of keeping quiet. On this point he told them that first he was going to Post Office and then to Society Office.

10. It is not understandable why the workman did not straight way went to the officer concerned to report the matter along with gun metal which he found lying.

11. Here comes the story of the management. According to the management, the article was found at the relevant time at Gate No. 1 from where gun metal was seized underneath of Pyjama trouser well wrapped. The workman as W.W. 1 has himself admitted that the seizure was made at the Gate No. 1. Thus the story of the management is obviously reliable.

12. If the gun metal was not kept hidden by the workman it should have been noticed by Shri Garib Das and Shri Moti Chand.

13. M.W. 1, Ravi Shanker Kewat, has admitted in para 2 of his deposition that he had seen the delinquent along with two pieces of gun metal in his hands and seeing him the delinquent turned towards Gate No. 1. Being suspicious about the conduct of the delinquent he followed him. He also called his colleague, Ramesh Kumar.

14. This witness admits in para 3 of his deposition that when he and Ramesh Kumar caught the delinquent, the delinquent had already kept the pieces in his waist and inside the Pyjama. He admits he could not see the delinquent keeping those gun metal underneath his trouser because here is a turning (Para 8 of his deposition). M.W. 2 is very emphatic on the point that he was on duty and was present at Gate No. 1 and on the call of Shri Ravi Shanker he caught hold of the delinquent and searched him. Having found something hard near his waist he detected two pieces of gun metal underneath his trousers. Nothing could be made out in the cross-examination of these witnesses to doubt their testimony, particularly in the entire circumstances of the case.

15. The conduct of the workman is highly suspicious and is established from the evidence on record. Thus the charge has been proved against the workman before this Tribunal and he is guilty of grave misconduct. The punishment is adequate, proper and legal and termination action by the management is justified on the facts of the case.

16. Reference is answered accordingly as follows:

The action of the management of Telecom Factory, Jabalpur in terminating the services of Shri Mohd. Ayub Motor Mechanic Grade II, M.V.M. Shop vide Order dated 25-2-86 is justified. He is not entitled to any relief. No. order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-40012/23/86-D.II(B)(Pt.)]

का. शा. 234—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अनुसूचि में, केन्द्रीय सरकार डिप्टी डायरेक्टर आफ एकाउंट्स (पोस्टल) भोपाल के प्रबन्धन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच अनुसूचि में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करता है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-12-91 को प्राप्त हुआ था

S.O. 234.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Dy. Director of Accounts (Postal), Bhopal and their workmen, which was received by the Central Government on 30-12-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R) (163) 1989

PARTIES :

Employers in relation to the management of Dy. Director of Accounts (Postal), Bhopal and their workman Shri M. K. Karhade, Ex-LDC, represented through the All India P&T Employees Federation, 62 Old Sub-dhar Layout Extension, Nagpur-440024 (MS).

APPEARANCES :

For Workman—Shri A. S. Bhagat, Advocate.

For Management—Shri V. Venkatachalam, Accounts Officer.

INDUSTRY . P. & T. DISTRICT : Nagpur (M.S.)

AWARD

Dated : December 20th, 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-40012/54/89-IR(DU) dated 18th August, 1989, for adjudication of the following dispute :—

“Whether the termination of Shri M. K. Karhade, Ex-LDC by the Account Officer, Administrative, Office of the Dy. Director of Accounts (Postal), Bhopal by the letter No. Admn/Spl/83-84/25 dated 19-3-84, is justified or not ? if not to what relief the workman is entitled to ?”

2. Without going into the verbose pleadings I confined myself to the relevant part of the undisputed pleadings of this case.

3. The workman after observing of the recruitment formalities required for appointment of temporary L.D.C. was appointed in clear vacant Schedule Caste post in the industrial establishment of the office of the Deputy Director Accounts (Postal), Bhopal. He was appointed vide order dated 12-10-83 and he joined his services on 17-11-83. His services were terminated on 19-3-1984. He was paid the wages and allowance for the period of notice.

4. The workman in short states that since a criminal case was pending against him the management got prejudiced and removed him from service by way of punishment in violation of the provisions of law as also the Constitutional provisions without holding a departmental enquiry. It amounts to unfair labour practice. Smt. Mala Pardhe etc. were also involved in criminal case but they were acquitted. The action being by way of punishment he could not be terminated without holding the departmental enquiry. His services have not been terminated by the competent authority. The workman is therefore entitled to be reinstated with full back wages and consequential benefits.

5. Management at the out set challenged the jurisdiction of this Tribunal stating that neither the workman is a workman nor the management is an industry within the meaning of the Industrial Disputes Act. That apart, the Working President of All India P & T Employees Federation Nagpur is not a staff Union and cannot raise the dispute. The workman was not removed on account of a criminal case pending against him, but on account of suppression of the fact at the time of appointment that a criminal case is pending against him and he has been prosecuted. Hence his services were terminated on account of suppression of fact and not for any misconduct as alleged by him.

6. No D.F. was necessary. The workman has not completed 240 days continuous service. His services

have been terminated in accordance with law by the competent authority viz., Accounts Officer.

7. Reference was the issue in this case.

FINDINGS WITH REASONS -

8. No oral evidence has been led by either party in this case. Workman has proved 10 documents, Ex. W/1 to Ex. W/10 which have been admitted by the management.

9. It has also to be borne in mind that in the written statement, para 5, management has pleaded that the applicant has deliberately suppressed the fact that a criminal case is pending against him. While reply to this para in the rejoinder this fact has not been denied by the workman in para 3 in the rejoinder which has been filed by him on affidavit.

10. In the same way in para 6 of the written statement (in reply to para 10) workman has pleaded that the Accounts Officer has been declared as the appointing authority for L.D.C. in the O/o D.A.P., Bhopal, vide Notification No. 154/2/77 Disc. II from Government of India, Ministry of Communication, P & T Board. These documents have been filed and for want of non-denial of the pleadings they can be looked into. Thus while giving out the information on 1-11-83 in the Attestation Form (Annexure R/II) it can very well be seen that despite the warning the workman has 12(i)(b). This is certainly suppression of material facts and the warning is there that there should not be suppression of facts while filing in the form. In this regard, warning No. 1, 2 & 3 are not worthy. The workman himself has admitted in para 6 of statement of claim that he was tried in criminal case before the Additional Sessions Judge, Chandrapur even before and after recruitment/appointment of the workman. In para 8 he has pleaded that the Hon'ble Additional Sessions Judge, Chandrapur has acquitted him vide judgment dated 17-1-85.

11. Workman has not challenged that he has suppressed this fact that he was prosecuted in a criminal case.

12. It is true that the removal of the workman from service amounts to a punishment because the order should not be taken on the face value but the facts behind passing the order should be looked into. Obviously, suppression of material fact is a misconduct and therefore the order in the garb of removal from service without any stigma amounts to punishment in the eye of law. If that is so, services should have been terminated after holding due enquiry in accordance with the law and rules laid down, but it has not been done. It is true that the management has not pleaded that in case this Tribunal comes to conclusion that the removal of workman by way of punishment should be after due enquiry, it may be permitted to lead evidence in regard to misconduct of the workman which opportunity can certainly be availed of by the management as propounded by the Supreme Court in the case of Cooper Engineering Ltd. Vs. P. P. Munde (AIR 1975 SC 1900), the relevant part of which is as follows (Para 19):—

“In Workmen of M/s. Firestone Tyre & Rubber Co. of India (P) Ltd. Vs. Management [(1973) 3 SCR 587—AIR 1973 SC 1227=1973 Lab I.C. 851] this

Court stated the law laid down by this Court as on December 15, 1971. For our purpose we will extract from that decision only propositions 4, 6, 7 & 8 :

- (4) "Even if no enquiry has been held by an employer or if the enquiry held by him is found to be defective, the Tribunal in order to satisfy itself about the legality and validity of the order, has to give an opportunity to the employer and employee to adduce evidence before it. It is open to the employer to adduce evidence for the first time justifying his action."
- (6) "The Tribunal gets jurisdiction to consider the evidence placed before it for the first time in justification of the action taken only, if no enquiry has been held or after the enquiry conducted by an employer is found to be defective."
- (7) "It has never been recognised that the Tribunal should straightway, without anything more, direct reinstatement of a dismissed or discharged employee once it is found that no domestic enquiry has been held or the said enquiry is found to be defective."
- (8) "An employer, who wants to avail himself of the opportunity of adducing evidence for the first time before the Tribunal to justify his action, should ask for it at the appropriate stage. If such an opportunity is asked for, the Tribunal has no power to refuse. The giving of an opportunity to an employer to adduce evidence for the first time before the Tribunal is in the interest of both the management and the employee and to enable the Tribunal itself to be satisfied about the alleged misconduct."

13. This opportunity has not been sought by the management, but this is a peculiar case where the workman had full opportunity to place those facts on record which could help him as to why he suppressed this material facts. On the contrary, the workman has avoided to meet with the above pleadings of the management in its rejoinder filed by way of an affidavit. Thus without any evidence the misconduct of the workman is established before this Tribunal and the workman is liable to be dismissed. That being so, the other question challenging the order of removal from service have no bearing. Even otherwise also Accounts Officer who has been delegated with the powers as per Annexure R/III to appoint L.D.C. was competent to remove him from service. I may repeat that the workman has not challenged this part of the pleadings as I have already pointed out above. That being so, the removal of the workman from service has been established by the competent authority.

14. I need not go into the other part of the points raised as to whether the dispute has been raised by the competent authority or whether the establishment is an industrial establishment or not because on merits the case is being disposed of. The workman is not entitled to any relief.

15. Reference is accordingly answered as follows :

The termination of Shri M. K. Karhade, Ex-LDC by the Accounts Officer, Administrative, Office of the Dy. Director of Accounts (Postal) Bhopal by the letter No. Admn/Spl/83-84/25 dated 19-3-84 is justified. He is not entitled to any relief. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-40012/54/89-IR(DU)(Pt)]

का. अ. 235 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार विहकल फैक्ट्री जबलपुर के प्रबंधन के संबंध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निश्चित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार में 24-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 235.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Vehicle Factory, Jabalpur and their workmen, which was received by the Central Government on 24-12-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

CASE NO. CGIT/LC(R)(88)/1988

PARTIES :

Employers in relation to the management of Vehicle Factory, Jabalpur (M.P.) and their workman, Shri Suresh Rao, Maihar Niwas, Gram Tilwarghat, Thana Garha, District Jabalpur (M.P.)

APPEARANCES :

For Workman—Shri R.C. Srivastava, Advocate.
For Management—Shri S. S. Jha, Advocate.

INDUSTRY : Vehicle Factory—DISTRICT :
Jabalpur (MP)

AWARD

Dated : December 11th 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-14012/18/87-D-2(B) Dated 28th July, 1988, for adjudication of the following dispute :—

"Whether the action of the management of Vehicle Factory, Jabalpur, in dismissing Shri Suresh Rao, Ex-Junior Examiner, by an order dated 27-12-86 is justified ? If not, to what relief he is entitled ?"

2. Facts leading to this case are that the workman was holding the post of Junior Examiner. He was found guilty of misconduct on 12-9-1984. D.E. was held against him and he was dismissed vide order dated 27-12-1986.

3. This Tribunal vide its order dated 20-3-1991 held that the enquiry is valid and the question of management to lead evidence in regard to the misconduct of the workman does not arise and directed to hear the parties on the question of perversity of findings, quantum of punishment and the relief to which the workman is entitled.

REASONS FOR MY FINDINGS :

4. Workman was charge-sheeted as follows :—

ARTICLE OF CHARGE/ANNEXURE I

Statement of articles of charge framed against Shri Suresh Rao, Junior Examiner, VFJ TNO, WIT|146|09586. That the said Shri Suresh Rao while functioning as Junior Examiner is alleged to have committed :—

“Gross Misconduct—Attempted theft of government property (33 Nos of tools of different shape and sizes)—Conduct of unbecoming of a government servant”.

ANNEXURE-II

Statement of imputations of misconduct or misbehaviour in support of the articles of charge framed against Shri Suresh Rao.

That the said Shri Suresh Rao, Junior examiner, VFJ T. NO. WIT|146|09386 went to Gate No. 3 at about 0540 hours on 13-9-1984 for mustering out. He was searched by the DSC Santry on duty inside the Gate Office, in the presence of Shri G.L. Hal-dkar, Security Assistant 'B' Grade. During the search the following items were found hidden inside the shoes of the said Shri Suresh Rao, Junior Examiner, VFJ T. No. WIT|146|09386 :—

LEFT SHOES—4 Nos. Single Cutting Tools (HSS).
5 Nos. Tape (different size and make).

RIGHT SHOE—4 Nos. Single Point Cutting Tools (HSS) 5 Nos. Tape (different size and make).

On further search in the presence of Orderly Officer & Shri A. K. Chakraborty, Security Supervisor 'A' Grade, the following items were also found hidden inside the pant belt of the said Shri Suresh Rao, Junior examiner, VFJ T. No. WIT|146|09386:—

1. No. Single Point Cutting Tool (HSS).
- 4 Nos. Tape (different sizes and makes).
- 8 Nos. Milling cutting Tools (conical shape).
2. Nos. Milling cutting Tools (Round shape).

The said Shri Suresh Rao, Junior Examiner, VFJ T. NO. WIT|146|09386 in his written statement dated 12-9-1984, has also admitted that the above items were recovered from his possession. The above act on the part of the said Shri Suresh Rao, 20GI|92—17

Junior Examiner, VFJ T. No. WIT|146|09386 is highly irregular & subversive of discipline, which amounts to “Gross Misconduct—Attempted theft of government property (33 Nos. of tools of different shape and sizes) Conduct unbecoming of a government servant”.

5. Documents Ex.M|1 to Ex.M|8 have been admitted by the workman vide proceedings dated 28-11-1989.

6. According to the management, charges were proved in the departmental enquiry while the version of the workman is otherwise.

7. According to the workman, findings are perverse. Even enquiry report, page 4, admits that the property should have been produced which have not been produced. Enquiry Officer recommended the enquiry against Shri A. K. Jha as is evident from page 9 of the enquiry report. Delinquent was not caught red handed.

7. Apart from the evidence on record and the details of properly seized from the workman at the relevant time when the workman was mustering out at about 5.40 hours on 13-9-1984 from Gate No. 3 of the Factory. While he was going out of the factory through Gate No. 3 he was sent to Gate Office for search. During search, on removing his shoes from left and right legs 18 tools of different sizes and makes were found. They were seized and confiscated. The enquiry was held and after the charge having been proved the workman is said to have been punished.

8. There is voluminous evidence in this regard. Merely because the property was not produced during the D.E. the evidence cannot be rejected. The following witnesses were examined on behalf of the management viz. (1) H. S. Rawat PW1, G. L. Hal-dar PW2, A. K. Jha P.W.3, A. K. Chakraborty PW4 and G. P. Chouksey PW5. The alleged misconduct is sufficiently proved from the testimony of the said witnesses. Nothing could be brought out in the cross-examination of these witnesses. Defence Witness DW1, Onkar Prasad Lodhi does not help him in any way. So is the case of DW2 R.S. Tripathi. General examination of the accused is at page 52 and he was satisfied with the D.E. He admitted that there was no animus with any body.

9. As I have pointed out there is nothing to doubt the testimony of the prosecution witnesses; hence neither the findings are perverse nor bad in law. Offence is grave and is not mitigated merely because seized articles were not produced during the D.E. I accordingly hold that the findings are neither perverse nor quantum of punishment is excessive. The punishment is proper and legal. Workman is not entitled to any relief. Reference is accordingly answered as follows :—

The action of the management of Vehicle Factory, Jabalpur in dismissing Shri Suresh Rao, Ex-Junior Examiner, by an order dated 27-12-1986 is justified.

He is not entitled to any relief. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-14012/18/87-D.II(B)(Pt.)]

का. मा. 236—औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार गन कार्रिज फैक्ट्री जबलपुर के प्रबंधन के संबंध नियोक्तों और उनके कर्म-कारों के बीच, अनुबंध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-12-91 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 236.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Gun Carriage Factory, Jabalpur and their workmen, which was received by the Central Government on 24-12-91.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING
OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUS-
TRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT,
JABALPUR(M.P.)

CASE NO. CGIT/LC(R)(151)/1989

PARTIES :

Employers in relation to the management of Gun Carriage Factory, Jabalpur(M.P.) and their workman, Shri P.N. Tiwari, Ex.T. No. 11547/IE/Fitter 'Gr. 'B' C/o Shri R. P. Yadav, Quarter No. 383/1, Type-II, Panahara, GCF Estate, Jabalpur (M.P.)-482 001.

APPEARANCES :

For Workman—Shri R. C. Srivastava, Advocate.

For Management—Shri C. K. Sharma, Advocate.

INDUSTRY : Gun Factory DISTRICT : Jabalpur
M.P.

AWARD

Dated : December, 12th 1991

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide its Notification No. L-14012/26/87-D.II(B) Dated 1-8-1989, for adjudication of the following dispute :—

THE SCHEDULE

“Whether the action of the management of Gun carriage Factory, Jabalpur (M.P.) in compulsory retiring Shri P. N. Tiwari, Ex. T. No. 11547 I.E. Fitter Gr. 'B' vide their order dated 31-1-86 is justified ? If not, to what relief the workman concerned is entitled ?”

2. Facts of this case are that Shri P.N. Tiwari, workman concerned, was working as fitter in Gun Carriage Factory at Jabalpur. His service record was satisfactory. He was charge-sheeted on

7-10-1983 on the allegations made therein and after departmental enquiry he was compulsory retired from service with effect from 31-1-1986. The charge-sheet against him is as follows :—

ARTICLE OF CHARGE—ANNEXURE-I

That the said Shri P. N. Tiwari, T. No. 11547/IE, While functioning as fitter 'C' in IFC(Main), Gun Carriage Factory Jabalpur, during the month of Feb. 82 committed “Gross Misconduct—attempted to cheat the Govt. by fraudulently claiming LTC for his deceased father, married sisters, nephew, fictitious brother and sister—conduct of subversive of Discipline.

ANNEXURE II

Statement of imputation of misconduct or misbehaviour in support of the article of charge framed against Shri P. N. Tiwari, T. No. 11547/IE/Fitter 'C' IFG(M), GCM, Jabalpur.

It is alleged that Shri P. N. Tiwari, T. No. 11547/IE fitter 'C', IFG(Main), deliberately and with ulterior motive included the name of his deceased father two married sisters, one nephew one brother and one sister in the declaration form of family particulars and drew LTC advance for the block year 1982—85, whereas with reference to his declaration he was supposed to claim LTC for his wife, sister and two sons, he claimed and drew LTC advance for eleven persons and thus deliberated misused the public money. This tantamounts to “Gross Misconduct—Subversive of Discipline.”

3. Workman says that the enquiry was not properly held, findings are perverse, the management has failed to consider his past record he is only 45 years old and has a large family to support the punishment is excessive unreasonable and discriminatory. It be therefore quashed and the workman be reinstated in service with all consequential benefits.

4. The management denied the above contentions. According to the management earlier also he had a bad record (para 3). He is not a first offender. Thus he does not deserve to be retained in service. The enquiry has been properly held and the punishment is adequate. The workman is neither entitled to be reinstated nor is he entitled to any relief.

5. Following issues were framed and my findings are recorded against them.

ISSUES

- (1) Whether the enquiry is proper and legal ?
- (2) Whether the management is entitled to lead evidence before this Tribunal ?
- (3) Whether the charges of misconduct are proved on the facts of the case ?
- (4) Whether the punishment awarded is proper and legal ?
- (5) Relief and costs ?

FINDINGS WITH REASONS :

6. So far issue No. 1 & 2 are concerned, since the validity of the enquiry has not been questioned vide

proceedings dated 11-12-1991, the question of management to lead evidence before this Tribunal does not arise. Issues No. 1 & 2 are accordingly answered as follows :—

1. The enquiry is proper and legal.
2. It is not necessary for the management to lead evidence in relation to the misconduct of the workman.

Issue No. 3, 4 & 5 :

7. It is a case of mercy appeal simpliciter. The previous punishments have not been given in the charge-sheet. The punishment of compulsory retirement is nothing short of removal of service in substance. It is true that these false claims are prevalent and serious view should be taken but looking to the age and other factors as also the complete surrender of the workman I set aside the order of compulsory retirement of the workman. He has been compulsory retired with effect from 31-1-86. He would not be entitled to any back wages until the date he joins (If he has already completed superannuation age this fact may be considered

in the light of the above order). My findings are accordingly as under :—

- (1) The charges of misconduct are proved on the facts of the case.
- (2) Though the punishment awarded is legal but disproportionate.
- (3) He is entitled to be reinstated without any back wages but continuity in service. He shall only be entitled to those wages which he has last drawn and he will not be entitled to any increments of the period for which he was out of job. His services shall be deemed to be continued for all other purposes.
8. Reference is answered accordingly. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer

[No. L-14012/26/87-D.II(B)(Pt.)]

K.V.B. UNNY, Desk Officer

